THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 328 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.6/7, 2082 सोमवार, 23 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गुजरात के पोरबंदर तट पर ईरानी नाव पकड़ी

पोरबंदर (गुजरात), 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने एक बड़े समुद्री अभियान के तहत गुजरात के पोरबंदर के पास एक संदिग्ध विदेशी नाव को रोककर जांच की। इस नाव पर ईरानी चालक दल सवार था और इसमें तस्करी कर लाई जा रही विदेशी ब्रांड की बड़ी मात्रा में सिगरेट बरामद की गई। सिगरेट की बाजार कीमत 5 करोड़ के आसपास आंकी गई है। यह कार्रवाई कुछ दिन पहले हुए एक अन्य बड़े समुद्री अभियान के बाद हुई है। 17 फरवरी की रात भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के साथ मिलकर खुफिया सूचना के आधार पर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बैठक टली

इसमें भारत पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगना था, अब ट्रम्प ने खुद ही ग्लोबल टैरिफ 15 प्रतिशत किया

टैरिफ में बदलाव

वॉशिंगटन डीसी, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) को लेकर होने वाली बैठक टल गई है। यह जानकारी सरकारी सूत्रों के हवाले से दी।

बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होनी थी। दरअसल समझौते में भारत को 18 प्रतिशत टैरिफ देना था, लेकिन शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सभी ग्लोबल टैरिफ रद्द कर दिए थे। जिसके बाद ट्रम्प ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। अब ट्रम्प का 15 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लागू हो रहा है, जो डील वाले 18 प्रतिशत से कम है। इसके कारण दोनों पक्षों ने तय किया कि इन बदलावों की समीक्षा के बाद बैठक की नई तारीख तय की जाएगी। बैठक के टलने से अब इस ट्रेड डील में देरी हो सकती है।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था :

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है।

इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपये) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) का फ्रेमवर्क जारी किया गया था। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी हटा लिया गया था।

भारत पर कितना टैरिफ लगेगा :

अब ट्रम्प के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18 प्रतिशत टैरिफ देना होगा या 15 प्रतिशत। इसकी दो वजहें हैं-

राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। इस आधार पर शनिवार के ऐलान के बाद 15 प्रतिशत रहेगा। रिपोर्ट सही मानें तो भारत पर कुल टैरिफ 18 प्रतिशत घटकर 15 प्रतिशत रह जाएगा, जबकि ट्रम्प का बयान 18 प्रतिशत टैरिफ की ओर इशारा कर रहा है।

टैरिफ बदलाव से भारत-अमेरिकी ट्रेड डील संकट में :

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर सहमति बन गई थी और इसे लेकर फ्रेमवर्क जारी हो चुका है। दोनों देशों ने कहा था कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी।

भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका बीटीए वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया था कि समझौता फरवरी के अंत तक फाइनल होना था। मार्च में इस पर हस्ताक्षर होने थे, वहीं अप्रैल से ये समझौता पूरी तरह लागू होता। इसके साथ ही भारत आने वाले कुछ महीनों में दुनिया के बड़े देशों साथ व्यापारिक समझौतों पर अंतिम मुहर लग जाती।

चुनाव आयोग 27 साल बाद करेगा गोलमेज सम्मेलन

सभी राज्यों के निर्वाचन आयुक्त होंगे शामिल

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ईसीआई और राज्य निर्वाचन आयुक्तों (एसईसी) के राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन करेगा। यह गोलमेज सम्मेलन 27 वर्षों के बाद आयोजित किया जा रहा है।

इस गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार करेंगे। इसमें निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी भी मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी

विशेषज्ञों के साथ भाग लेंगे। सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी सम्मेलन में शामिल होंगे।

निर्वाचन प्रक्रियाओं में तालमेल को बढ़ाना उद्देश्य :

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा, इस गोलमेज सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं के संबंध में अपने-अपने कानूनी ढांचों के भीतर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और राज्य निर्वाचन आयुक्तों (एसईसी) के कामकाज में तालमेल को बढ़ावा देना है।

> बयान में आगे कहा गया है कि विचार-विमर्श रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करेगा और निर्वाचन प्रबंधन में सहकारी संघवाद की भावना को सुदृढ़ करेगा।

> दिन भर चलने वाले इस सम्मेलन के दौरान, निर्वाचन प्रक्रियाओं को मजबूत करने के अलावा, प्रौद्योगिकी, ईवीएम और मतदाता सूचियों को साझा करने पर चर्चा होगी।

मोदी तारीफ करते रहे, ट्रम्प टैरिफ लगाते रहे : जयराम

अमेरिका से ट्रेड डील किसानों के गले का फंदा, एकतरफा समझौता मंजूर नहीं

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी तारीफ करते रहते हैं, जबकि ट्रम्प टैरिफ लगाते रहते हैं। मैं यह राष्ट्रपति ट्रम्प के बयानों के आधार पर कह रहा हूं।

जयराम रमेश ने कहा कि अगर समझौता होना है तो बराबरी का होना चाहिए। लेन-देन का मतलब यह नहीं है कि भारत सिर्फ देता रहेगा और कुछ लेगा नहीं।

ट्रेड डील किसानों के गले में फंदे जैसा :

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समझौता मक्का, कपास, सोयाबीन, सेब, फल और अखरोट उगाने वाले किसानों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। क्या सरकार गारंटी दे सकती है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और राजस्थान के किसान इस डील से प्रभावित नहीं होंगे? रमेश ने कहा कि यह किसानों के गले में फांसी जैसा है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर भोपाल, यवतमाल और श्रीगंगानगर में 'महा किसान महा चौपाल' आयोजित करेगी।

जयराम रमेश ने पीएम से तीन सवाल किए :

> अगर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाला था, तो व्यापार समझौते को इतनी जल्दबाजी में लागू करने की जरूरत क्यों पड़ी?

> जब टैरिफ 18 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किए गए, तो क्या भारत कृषि उत्पादों पर लगे कर को घटाने या हटाने की मांग करेगा?

> रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रम्प के बयानों और भारत के रुख में अंतर क्यों दिखाई देता है? वास्तविक स्थिति क्या है?

रमेश ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के राहुल गांधी पर दिए बयान का जवाब देते हुए कहा- राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) हैं। वे जिम्मेदारी से बोलते हैं, कैजुअली नहीं बोलते हैं। वे तथ्यों के आधार पर बोलते हैं और जो भी कहते हैं, उसके सबूत देते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती थी कि सदन में चर्चा हो। हमारी महिला सांसदों पर तरह-तरह के आरोप लगाए गए। इसलिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव अभी लंबित है। रिजिजू ने कहा है कि 9 तारीख को इस पर बहस होगी।

जॉइंट थिएटर कमान से ऑपरेट होंगी तीनों सेनाएं

ऑपरेशन सिंदूर में पहली बार दिखा था कम्पलीट इंटीग्रेशन

दावा- नया ढांचा 3 महीने में सामने आएगा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सैन्य ढांचे में अब तक के सबसे बड़े बदलाव का खाका तैयार हो चुका है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना अब संयुक्त थिएटर कमान के तहत काम करेंगी। संयुक्त थिएटर कमान पर 5 साल से मंथन जारी था। नया ढांचा 3 महीने में औपचारिक रूप से सामने आ जाएगा।

इससे भारत के पास किसी भी सैन्य संघर्ष से निपटने के लिए इंटीग्रेटेड, फास्ट और जॉइंट कमांड इन्फ्रास्ट्रक्चर रहेगा। निर्णय लेने में 60-70 प्रतिशत तक तेजी आएगी। वहीं, 15-20 प्रतिशत तक संसाधनों की भी बचत होगी। पाकिस्तान और चीन दोनों मोर्चों पर तैयारी और बेहतर होगी। गौरतलब है कि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देशों में सैन्य तंत्र संयुक्त थिएटर कमान के तहत ही ऑपरेट करता है। चीन में 5 जबकि अमेरिका में 11 कमान हैं।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, एक दशक में पाकिस्तान और चीन के साथ हुए 5 टकरावों से मिले कौशल, चुनौतियों और खामियों को फिल्टर कर नया ढांचा तैयार किया है। इनमें, पाकिस्तान के खिलाफ 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में 88 घंटे चला ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। वहीं, चीन के खिलाफ 2017 के डोकलाम और 2020 के गलवान संघर्ष के सबक शामिल हैं।

इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के अनुसार अलग-अलग सेवाओं की स्वतंत्र कार्रवाई में कम्युनिकेशन गैप और रिसोर्स ओवरलैप जैसी समस्याएं सामने आईं। ऑपरेशन सिंदूर में पहली बार 88 घंटे के भीतर तीनों सेनाओं का कम्पलीट इंटीग्रेशन देखा गया। मिसाइल स्ट्राइक्स, ड्रोन स्वार्म, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और ग्राउंड फोर्स का तालमेल भरपूर रहा।

आजादी के बाद सबसे बड़ा सैन्य सुधार

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसएल नरसिम्हन के मुताबिक- यह 1947 के बाद सबसे बड़ा सैन्य ओवरहॉल है। मई 2026 में पहली थिएटर कमान सक्रिय होने पर हमारी सेनाएं न सिर्फ जॉइंट होंगी, बल्कि थिएटर-रेडी भी होंगी।

देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे : मोदी

पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो, मेरठ में रैपिड-मेट्रो रेल का उद्घाटन किया

मेरठ, 22 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए।

मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है।

मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें टीएमसी, डीएमके या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे।

इससे पहले, मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी। 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पूरे सफर में दो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जबकि बाकी का सफर एलिवेटेड होगा। मेट्रो बेगमपुल से मेरठ साउथ तक जाएगी। इसमें 7 स्टेशन बनाए गए हैं।

कांग्रेस-सपा से कहा था जहरीली राजनीति छोड़िए :

पीएम मोदी ने कहा- मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन, इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में 5 ही शहरों में मेट्रो थी। आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है।

पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे :

मोदी ने कहा- जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी :

उन्होंने कहा- हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। हम इसे भी सहन कर लेंगे। लेकिन, कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि ये एआई ग्लोबल समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, न ही उस समय भाजपा का कोई नेता वहां था।

देश कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा :

मोदी ने कहा- पूरा देश कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा है। दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता लाजने के बजाए गाजते हैं। बेशर्मी के साथ देश की बेइज्जती करने वालों का जयकारा कर रहे हैं। ये मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। संसद में खुद परफॉर्म नहीं कर पा रहे तो अपने साथी को भी बोलना का मौका नहीं देते। सदन को चलने नहीं देते। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है।

दूध का तीन में से एक सैंपल जांच में फेल

बड़े ब्रांड भी संदेह के घेरे में, बढ़ते उत्पादन के साथ ही मिलावट के मामले भी बढ़ रहे

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक (करीब 25 प्रतिशत हिस्सा) है और दुर्भाग्य से, मिलावटी दूध के मामलों में भी सबसे आगे है। हाल के वर्षों में देशभर में जांचे गए दूध के हर तीन नमूनों में से एक गुणवत्ता जांच में विफल रहा है। भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा वित्त वर्ष 2025 में 38% नमूने मिलावटी पाए गए।

एफएसएसएआई की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2015 और वित्त वर्ष 2018 के बीच मिलावटी दूध के नमूनों की संख्या 16.64 प्रतिशत अंक तक बढ़ गई। वित्त वर्ष 2022 में 798 नमूनों में से आधे मिलावटी पाए गए, जो वित्त वर्ष 2015 के बाद से मिलावट की उच्चतम दर है। वहीं करीब सप्ताह भर पहले 'ट्रस्टिफाइड' नाम के एक स्वतंत्र टेस्टिंग प्लेटफॉर्म की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के कुछ प्रतिष्ठित ब्रांड के पैकेज्ड दूध में कोलिफॉर्म नामक हानिकारक बैक्टीरिया तय सीमा से 98 गुना तक अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट ने पैकेज्ड फूड सेफ्टी पर भी चिंता बढ़ा दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2025 में देश में दूध उत्पादन 24.8 करोड़ टन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले 11 वर्षों में इसमें 69.4 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता प्रतिदिन 485 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। जबकि वैश्विक औसत करीब 328 ग्राम है। सरकार की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया में दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है और वैश्विक दूध उत्पादन में इसका योगदान 25 प्रतिशत है।

मणिशंकर अय्यर ने जताया कांग्रेस से निकाले जाने का डर

बंगाल चुनाव से पहले ममता बनर्जी पर जताया भरोसा

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर अपने बयानों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। कई बार उनके बयान पार्टी लाइन से बाहर भी चले जाते हैं।

अब उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें कांग्रेस से बाहर निकालने की तैयारी हो रही है। कोलकाता में आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, मैं तो खुद को समझता हूं कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन केसी वेणुगोपाल ने ऐसा कुछ कहा है जिससे लगता है कि या तो उन्होंने तय कर लिया है कि मुझे कांग्रेस से निकालेंगे या तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि मुझे कांग्रेस से निकाल दिया है, लेकिन आज तक मुझे औपचारिक रूप में किसी प्रकार का पत्र नहीं मिला है। कांग्रेस से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा

कि जहां तक मुझे पता है, सारी कांग्रेस तो ममता बनर्जी के पास है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेसियों के सीएम ममता बनर्जी के सपोर्ट में होने पर उन्होंने कहा कि तकरीबन सभी हैं और कुछ अधीर रंजन चौधरी जैसे छूट गए हैं। उन्हें छोड़कर तो पूरी पार्टी उस तरफ चली गई है। मैं खुद ममता दी का पहला नेशनल सेक्रेटरी था टीएमसी में। मैं यहां पार्टी में शामिल हुआ दिसंबर 1997 के अंत में, लेकिन तीन हफ्ते में मुझे पता चला कि यह पार्टी बंगालियों की है और मैं बंगाली नहीं हूं, तो ऐसे में मैं क्या करूंगा? इसलिए मैंने टीएमसी छोड़ दी, लेकिन तीन हफ्ते तक मैं ममता दी का राइट हैंड था।

बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मैं कांग्रेस के बारे में आपको क्या बताऊं। मैं तो उम्मीद रखता हूं कि ममता दी दोबारा इन भाजपा वालों को ऐसा मुंहतोड़ जवाब देंगी कि उनका कोई चेहरा नहीं रहेगा। इंडिया ब्लॉक गठबंधन के भविष्य को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि ममता दी के बिना इंडिया अलायंस खत्म हो जाएगा, क्योंकि ममता बनर्जी ही इस गठबंधन की नेता हैं। साथ-साथ और दो-चार लोग हैं जो इस पद को हासिल कर सकते हैं। मैं उम्मीद रखता हूं कि राहुल गांधी इसी पद पर रहने की कोशिश करने के बजाय किसी छोटी पार्टी के नेता, चाहे स्टालिन हों, ममता दीदी हों, अखिलेश, तेजस्वी या किसी और को संभालने दें।

पीएम मोदी ने दिए तीन मंत्र

टेक्नोलॉजी अपनाएं, ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा दें, साइबर क्राइम से सतर्क रहें

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में देश को तीन मंत्र दिए। उन्होंने टेक्नोलॉजी, ऑर्गन डोनेशन और साइबर क्राइम पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, टेक कंपनी के दिग्गज जुटे।

उन्होंने कहा कि समिट में मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाई। एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एग्जीविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्प्ले किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया। भारतीय और विदेशी भाषाओं में इसे बदला जा सकता है। पीएम ने कहा- एआई समिट में भारत की ताकत दुनिया के सामने आई। युवाओं में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने रमजान और होली को कहा कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है, होली का भी त्योहार आ रहा है। आप सभी को शुभकामनाएं। ये त्योहार खुशी के साथ अपने परिवार के साथ मनाएं।

टी-20 वर्ल्ड कप पर कहा- कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी

पीएम ने कहा- टी-20 वर्ल्ड कप में कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। वे दूसरे देश से इसलिए खेल रहे होते हैं क्योंकि उनका परिवार वहां बस चुका है। मोदी ने बताया कि कनाडा टीम के कप्तान का जन्म गुरदासपुर में हुआ था। ये कनाडा के साथ-साथ भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात अंडर 16-18 के लिए भी खेल चुके हैं। ओमान, इटली, यूएई की भी टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं।

पीएम बोले- देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत

पीएम बोले- केरल में 10 महीने की बच्ची आलीन की मौत हो गई। उसके माता-पिता जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। माता-पिता ने आलीन के अंग दान का फैसला लिया। आलीन का नाम सबसे कम उम्र की ऑर्गन डोनेशन की लिस्ट में जुड़ गया है। देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत है। पीएम ने कहा कि दिल्ली की लक्ष्मी देवी ने केदारनाथ की यात्रा हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद की।

भारत के खिलाफ आतंकी साजिश? 8 गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तमिलनाडु से 8 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों के समर्थन में ऑनलाइन सामग्री पोस्ट करने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, तिरुपुर में कुछ व्यक्तियों की ओर से सोशल मीडिया पर चरमपंथी और आतंकी समर्थन वाली कंटेंट साझा किए जाने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की क्यू ब्रांच की एक विशेष टीम जांच के लिए तिरुपुर पहुंची। जांच के दौरान पुलिस ने 8 संदिग्धों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया। इनमें दो आरोपियों को उथुकुली से, तीन को पल्लडम से और एक को थिरुमुरुगनपुंडी इलाके से पकड़ा गया।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। इन दस्तावेजों के जरिए वे तिरुपुर के गारमेंट उद्योग में रोजगार बनाए हुए थे। दिल्ली पुलिस की तरफ से तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों के नाम मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबात, उमर, मोहम्मद लिटन, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्ज्वल है। वहीं इस मामले में पश्चिम बंगाल से दो और आरोपियों की गिरफ्तार किया गया है। इस तरह से दिल्ली पुलिस ने अब तक कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त

दिल्ली पुलिस की टीम ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन और 16 सिम कार्ड जब्त किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी, ताकि नेटवर्क और संभावित संपर्कों का पता लगाया जा सके।

आरोपी बांग्लादेशी आतंकी संगठन और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े

दिल्ली ले जाया गया

गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए ट्रेन से दिल्ली ले जाया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका किसी बड़े नेटवर्क से संबंध तो नहीं है। इस कार्रवाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है।

देशद्रोह का मामला

पहले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए को देशद्रोह कहा जाता था। अब नया कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 लागू हो गया है। इसके बाद पुरानी धारा हटा दी गई है। बता दें कि बीएनएस की धारा 147 देशद्रोह से जुड़ी नहीं है। देशद्रोह जैसे मामलों से जुड़ा नियम अब बीएनएस की धारा 152 में है।

किन कामों पर यह धारा लग सकती है?

देश की एकता के खिलाफ बोलने या बोलने पर बीएनएस की धारा 152 लगाई जाती है। अगर कोई आदमी बोलकर, लिखकर, इशारों से वीडियो, फोटो या पोस्ट के जरिए मोबाइल या सोशल मीडिया पर ऐसी बात फैलाता है जिससे देश की एकता या अखंडता को नुकसान हो सकता है

आजादपुर में युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात 18 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना आजादपुर इलाके के पास की है, जहां बदमाशों ने युवक को निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक, 21/22 फरवरी की दरमियानी रात करीब 2:28 बजे एक युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची पिकेट स्टाफ टीम ने उसे बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान इशु उर्फ इशांत (18) निवासी जहांगीरपुरी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह एक शादी समारोह से लौट रहा था, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटनास्थल से पुलिस को खाली कारतूस मिले हैं। क्राइम टीम और एफएसएल ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थाना मॉडल टाउन में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बॉयफ्रेंड ने लिव इन पार्टनर को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

गुरुग्राम, 22 फरवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम में एक लिव इन पार्टनर की बंधक बनाकर पिटाई की गई है। घटना गुरुग्राम के बादशाहपुर थाना इलाके की है। पीड़ित छात्रा त्रिपुरा की रहने वाली है। यहां वह लिव इन पार्टनर के साथ रहकर पढ़ाई कर रही थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिल्ली का रहने वाला है। गुरुग्राम में एक युवक द्वारा अपनी गर्लफ्रेंड के साथ पीजी में बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। युवती की माता ने जब पुलिस को शिकायत दी तो पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवती को आरोपी के चंगुल से छुड़ाकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। बादशाहपुर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

नशे में धुत ड्राइवर ने मचाया तांडव, तेज रफ्तार कार से पुलिसकर्मी समेत 3 लोगों को रौंदा

जबलपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में बीती रात करीब 12 बजे एक नशे में धुत कार चालक ने शहर के कई इलाकों में जबरदस्त आतंक मचाया। एक मैरून रंग की एमजी हेक्टर कार बेकाबू होकर भंवरताल गार्डन से रसल चौक और इनकम टैक्स ऑफिस होते हुए सिंधिया पार्क की दीवार से टकराकर रुकी। इस दौरान कार ने अपने रास्ते में आई कई गाड़ियों को रौंदते हुए दहशत फैला दी। कार चालक ने नशे की हालत में कार को जहां-तहां रौंदा।

इस घटने में कई लोगों के घायल होने की खबर है। आम नागरिक के साथ-साथ कार वाले ने पुलिस को भी नहीं छोड़ा। पुलिस के अनुसार, बेकाबू कार ने सबसे पहले ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी आदित्य कौरव को टक्कर मारी। इसके बाद कार ने दो-तीन अन्य कारों और कई मोटरसाइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार एक मोटरसाइकिल को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई, जिसे देख मौके पर मौजूद लोग दहशत में आ गए।

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष 2 कमांडर ढेर

जम्मू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छात्रू क्षेत्र में आज सुरक्षाबलों और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। जिसमें संगठन का शीर्ष 2 कमांडर मारे गए। अधिकारियों के अनुसार यह एनकाउंटर तब शुरू हुआ जब सेना ने छात्रू के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया। उन्हें दो संदिग्ध आतंकवादियों के इलाके में होने की सूचना मिली थी। इस ऑपरेशन के दौरान जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष कमांडर मारे गए। यह संयुक्त कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस, 2 पैराशूट बटालियन विशेष बल और भारतीय सेना ने की। हालांकि, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और जारी ऑपरेशन के कारण आतंकवादी का शव अभी तक बरामद नहीं किया जा सका। सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और अन्य आतंकवादियों की मौजूदगी को खत्म करने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

मजलिस पार्क में घर के अंदर आग लगने से फटा सिलेंडर

पुलिस-दमकलकर्मी समेत 14 झुलसे

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मजलिस पार्क इलाके में एक घर में आज सुबह 9 बजे अचानक आग लग गई। इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। घटनास्थल पर पहुंचे दमकलकर्मी आग आप काबू पाने में जुट गए। तभी घर में मौजूद सिलिंडर ब्लास्ट हो गया। मौके पर मौजूद कुल 14 लोग झुलस गए। जिनमें आठ पीड़ित परिवार समेत तीन पुलिसकर्मी और तीन दमकलकर्मी झुलस गए। जिन्हें पास के ही अस्पताल ले जाया गया। इनमें से कुछ लोगों को सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

ट्रक ने पीसीआर वैन को मारी टक्कर, 5 पुलिसकर्मियों की मौत

अनुगुल, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में ड्यूटी पर तैनात पांच पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तड़के उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार ट्रेलर और पुलिस की बोलेरो वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना झारसुगुड़ा सदर थाना के सामने हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस वाहन ड्यूटी पर था और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से उसकी सीधी टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एपीआर जवान काशीराम भोई और देबदत्त सा, ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में दो एपीआर जवान और एक सार्जेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तुरंत झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस हादसे से पूरे जिले में शोक की लहर है। कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए जवानों को लेकर पुलिस महकमे और आम लोगों में गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की जा रही है।

पुलिस लाइन में तैनात एएसआई ने की खुदकुशी

सोनीपत, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) ने गोली मार कर आत्महत्या कर ली। वे इस समय पुलिस लाइन में तैनात थे। घटना रात की है। घटना के समय उनकी पत्नी रसोई में खाना बना रही थी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। उनके बेटे के विदेश से आने का इंतजार किया जा रहा है। जिसके बाद पोस्टमार्टम होगा। गांव सिटावली के रहने वाले एएसआइ जसबीर सिंह रात करीब 12 बजे ड्यूटी के बाद अपने क्वार्टर पहुंचे थे। उनके आने के बाद उनकी पत्नी रसोई में खाना बनाने चली गईं। इसी बीच कमरे से अचानक गोली चलने की आवाज आई। पत्नी जब भागकर कमरे में पहुंचीं, तो देखा कि जसबीर लहूलुहान हालत में पड़े थे। उनकी कनपटी पर गोली लगी थी।

पंजाब के गुरदासपुर में खूनी वारदात

एएसआई समेत होम गार्ड जवान के मिले शव किसने मारी गोली?

गुरदासपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब में गुरदासपुर के दीनानगर सीमा क्षेत्र के पास दोरंगला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले अडियान गांव में अज्ञात हमलावरों ने पंजाब पुलिस के एक सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) और ड्यूटी पर तैनात एक होम गार्ड जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना अडियान गांव के पास एक पुलिस चौकी पर घटी। स्थानीय ग्रामीणों को घटना की जानकारी सुबह तब मिली जब उन्होंने चौकी पर जवानों के शव देखे। मृतकों की पहचान एएसआई गुरनाम सिंह और होम गार्ड जवान अशोक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, हमला देर रात हुआ और हमलावरों ने जवानों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। सीमावर्ती इलाका होने के कारण यहां सुरक्षा आमतौर पर कड़ी रहती है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ जिला अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सबूत जुटाने के लिए एक फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सरहदी कस्बा दोरंगला पुलिस स्टेशन के गांव आदिया में बीती देर रात 1 बजे के करीब पुलिस चौकी पर तैनात दो पुलिस कर्मियों की गोली लगने से मौत हुई है।

उनको गोली किसने मारी अभी तक इसका कुछ पता नहीं लग पाया। वही मौके पर पहुंचे एसएसपी गुरदासपुर आदित्य और फॉरेंसिक टीमों की तरफ से जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा मौके पर डीआईजी बीएसएफ जेके विरदी भी पहुंचे। मृतक पुलिसकर्मियों की पहचान होमगार्ड के जवान अशोक कुमार और पंजाब पुलिस के एएसवीआई गुरनाम सिंह के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल गुरदासपुर में भेज दिया गया है।

भूपेन बोरा भाजपा में शामिल; बताई पार्टी छोड़ने की वजह

गुवाहाटी, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भाजपा में शामिल हो गए हैं। गुवाहाटी में रविवार को भूपेन कुमार बोरा ने भाजपा की सदस्यता ली। यह कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश मुख्यालय वाजपेयी भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और सांसद बैजयंत पांडा भी मौजूद रहे। भूपेन बोरा के साथ कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता संजू बोरा भी भाजपा में शामिल हुए। भूपेन बोरा ने 16 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। कई वरिष्ठ नेता उनसे मिलने उनके घर पहुंचे और राहुल गांधी ने भी उनसे फोन पर बात की थी। बोरा ने अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए समय मांगा था। इसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा उनके घर गए। मुलाकात के बाद सरमा ने घोषणा की कि भूपेन बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। इस घोषणा के बाद असम की राजनीति में अटकलों का दौर समाप्त हो गया।

कांग्रेस में अपमान का लगाया आरोप

भाजपा में शामिल होने के बाद भूपेन बोरा ने कांग्रेस में अपने साथ हुए व्यवहार पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस पार्टी को 32 साल दिए। कांग्रेस ने मुझे विधायक से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक बनाया। उन्होंने बताया कि कैसे पार्टी में उन्हें अपमानित महसूस हुआ। बोरा ने कहा, मैंने गठबंधन के लिए बातचीत शुरू की थी। गौरव गोगोई ने कहा कि अकेले मत जाओ, रकीबुल हुसैन को भी साथ ले जाओ। लेकिन बाद में गौरव गोगोई ने घोषणा कर दी कि भूपेन बोरा ने गलतफहमी पैदा की है। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने सबके सामने मेरा अपमान क्यों किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

आने वाले चुनाव पर पड़ेगा असर

भूपेन बोरा ने यह भी बताया कि जब वह 2021 में अध्यक्ष बने थे, तब कांग्रेस का एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन था, जिसे उन्होंने तोड़ा था। बाद में उन्होंने इंडिया गठबंधन बनने से पहले 16 दलों के साथ साझेदारी की थी। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है।

दो महिलाएं, सैन्य कर्मचारी समेत छह गिरफ्तार, 4.8 किलो चिट्टा और हथियार बरामद

फरीदकोट, 22 फरवरी (एजेंसियां)। फरीदकोट जिला पुलिस के सीआईए स्टाफ ने 4 किलो 804 ग्राम हेरोइन, 30 हजार ड्रग मनी, एक रिवॉल्वर के साथ 2 महिलाओं समेत 6 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक सैन्य कर्मचारी भी शामिल है। इस मामले में पुलिस ने पहले थार गाड़ी सवार एक महिला समेत चार आरोपियों को एक किलो 8 ग्राम हेरोइन और 30 हजार रुपये की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार किया और बाद में उनकी पूछताछ के आधार पर एक अन्य कार सवार एक महिला समेत 2 तस्कर काबू किए जिनसे 3 किलो 794 ग्राम हेरोइन, एक रिवॉल्वर, 3 कारतूसों की बरामदगी हुई। इस मामले में फरीदकोट पुलिस द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने लिए बीजेपी के मजे रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए थे पार्टी के विधायक

बेंगलुरु, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में लोकायुक्त पुलिस ने बीजेपी के विधायक डॉ। चंद्रू लमानी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। शिराहट्टी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक चंद्रू लमानी और उनके दो सहयोगियों को गदग जिले के लक्ष्मेश्वर शहर में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। बीजेपी विधायक की गिरफ्तारी पर मजे लेते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने एएनआई से कहा कि बीजेपी वाले भ्रष्ट नहीं हो सकते क्यों कि इस पार्टी के नेता सबसे ईमानदार होते हैं। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त को शायद गलत सूचना मिली होगी।

विधायक की गिरफ्तारी पर लोकायुक्त पुलिस ने क्या कहा?

लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक, एक ठेकेदार विजय पूजार ने शिकायत की थी कि विधायक और उनके साथियों ने माइनर इरिगेशन विभाग से जुड़े कामों (जैसे सड़क के किनारे रिटेनिंग वॉल बनाने) के लिए कुल 11 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस शिकायत पर पुलिस ने जाल बिछाया और दोपहर करीब 2:15 बजे बालाजी अस्पताल में 5 लाख रुपये की पहली किस्त लेते समय उन्हें पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस ने इस बारे में केस दर्ज कर लिया है और विधायक एवं उनके साथियों के ऊपर प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 7(ए) और 7(ए) के तहत कार्रवाई की गई है।

'क्या बीजेपी के नेता देश में सबसे ईमानदार नहीं हैं?'

बीजेपी विधायक की गिरफ्तारी पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तंज कसते हुए कहा, 'क्या बीजेपी के नेता देश में सबसे ईमानदार नहीं हैं? बीजेपी वाले भ्रष्ट नहीं हो सकते। आपको कोई गलत जानकारी दी गई होगी। लोकायुक्त अपना बयान दे, उसके बाद मैं अपनी टिप्पणी दूंगा। बीजेपी नेता भ्रष्टाचार मुक्त हैं। लोकायुक्त को शायद कोई गलत सूचना मिली होगी।' शिवकुमार ने असम में बीजेपी की स्थिति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि असम में बीजेपी के खिलाफ बड़ी एंटी-इनकंबेंसी लहर है और लोग सरकार बदलना चाहते हैं।

फिर आया तेंदुआ! शिराला में बाइकसवारों पर झपट्टा 12 साल का बच्चा भी घायल, इलाके में दहशत

सांगली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली जिले के शिराला और वाळवा तालुका में तेंदुए का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। कुछ दिन पहले एक मासूम बच्चे की जान लेने की घटना के बाद अब तेंदुए ने पेठ–नायकलवाडी रोड पर दो अलग-अलग बाइकों पर झपट्टा मारा, जिसमें एक 12 वर्षीय बालक सहित दो लोग घायल हो गए। इस तरह की यह दूसरी घटना है। जानकारी के अनुसार, पेठ गांव में आयोजित यात्रा में कुश्ती मुकाबले देखकर करमाळे गांव लौट रहे विकास रघुनाथ पाटील की बाइक पर अंधेरे में अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया।

हमले में विकास के दाहिने पैर में तेंदुए के दांत लगने से चोट आई, जबकि बाइक पर पीछे बैठे 12 वर्षीय विराज के दाहिने घुटने पर पंजा लगने से वह घायल हो गया। लोगों के मुताबिक तेंदुआ वहां से गया नहीं, कुछ ही देर बाद वही से गुजर रही दूसरी बाइक पर तेंदुए ने हमला किया। तेंदुए ने जिस बाइक पर हमला किया उस व्यक्ति का नाम प्रकाश शंकर मुळीक बताया जा रहा है।

मद्रास हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का दिया निर्देश

चेन्नई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी विभाग (डीवीएसी) को नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद सियासत गर्मा गई है। तमिलनाडु भाजपा ने रविवार को सत्तारूढ़ डीएमके सरकार से मंत्री को हटाने की मांग की है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि कोर्ट का आदेश डीएमके सरकार के लिए एक गंभीर झटका है। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से केएन नेहरू को तुरंत मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। एएनएस प्रसाद ने सीबीआई से जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल केंद्रीय एजेंसी से ही अनियमितताओं की व्यापक और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से लगाए गए आरोपों और उसके सामने पेश साक्ष्यों पर विचार करते हुए यह निर्देश जारी किया।

अक्टूबर 2025 में तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को दी गई शिकायत में ईडी ने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग के भीतर नियुक्तियों और निविदा प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। आरोप है कि इसमें 630 करोड़ रुपए से लेकर 1,020 करोड़ रुपए तक की वित्तीय अनियमितताएं शामिल हैं। एजेंसी ने दावा किया कि 2,538 नियुक्तियों के संबंध में प्रति पद 25 से 35 लाख रुपए तक की रिश्वत ली गई। ईडी ने कोर्ट के समक्ष डिजिटल साक्ष्य भी रखे, जिनमें व्हाट्सएप बातचीत, स्क्रीनशॉट, स्थानांतरण आदेश और वित्तीय रिकॉर्ड शामिल हैं, जो कथित तौर पर मंत्री से जुड़े व्यक्तियों से संबंधित परिसरों में की गई तलाशी के दौरान बरामद किए गए थे। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश ने भाजपा के इस लंबे समय से चले आ रहे आरोप को और मजबूत किया है कि डीएमके शासन के दौरान भ्रष्टाचार एक व्यापक समस्या है।

डीएमके ने अभी तक इस ताजा घटनाक्रम पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के निर्देश का मतलब दोष सिद्ध होना नहीं है। 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में आने वाले हफ्तों में यह मुद्दा भाजपा और सत्ताधारी डीएमके के बीच राजनीतिक टकराव को और तेज कर सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 23 फरवरी, 2026 3

सुविचार: जो अपने कदमों की काबिलियत पर विश्वास रखते है वो ही अक्सर मंजिल पर पंहुचते है!

मुख्यमंत्री ने सिंचाई परियोजनाओं पर बहस की चुनौती दी

सीएम ने देवदुला लिफ्ट सिंचाई परियोजना का दौरा किया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को मुलुगु जिले के तूपाकुलगुडेम स्थित देवदुला लिफ्ट सिंचाई परियोजना का दौरा कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति और शेष कार्यों की जानकारी ली। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी नदी के जल विवाद को पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक रंग दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यदि बीते दस वर्षों में लंबित परियोजनाएं पूरी कर ली गई होतीं तो आज दोनों तेलुगु राज्यों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में कलेश्वरम परियोजना पर लगभग एक लाख दस हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि अन्य सिंचाई परियोजनाओं की उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा कि अब राज्य को शेष परियोजनाओं और भूमि अधिग्रहण के लिए धन की कमी का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी सरकार सभी कठिनाइयों को पार करते हुए अगले दो से तीन वर्षों में सभी लंबित परियोजनाएं पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि देवदुला परियोजना की प्रारंभिक लागत छह हजार करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग अठारह हजार करोड़ रुपये हो गई है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य के प्रत्येक एकड़ को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य गठन के समय जल और धन दोनों की पर्याप्त उपलब्धता थी, किंतु स्वार्थपूर्ण राजनीति के कारण स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ही परियोजना पर भारी व्यय किया गया और अन्य योजनाओं को अधूरा छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में कृष्णा नदी के जल बंटवारे पर सरकार ने स्पष्ट जानकारी दी है और पूर्ववर्ती शासनकाल की त्रुटियों को जनता के सामने रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेताओं को विधानसभा में खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि दस वर्ष के उनके कार्यकाल और वर्तमान सरकार के ढाई वर्ष के कार्यों की तुलना सदन में की जाए। उन्होंने कहा कि रचनात्मक सुझावों का स्वागत किया जाएगा और चुनाव के समय ही राजनीति होनी चाहिए, जबकि राज्य के जल हितों के मामले में सभी दलों को एकजुट रहना चाहिए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृष्णा जल मुद्दे पर आंध्र प्रदेश के साथ किसी प्रकार के अनुचित सहयोग के आरोप निराधार और असत्य हैं।

'गॉड्स इन द वॉइस' तेलंगाना की आत्मा को दर्शाने वाला प्रयास : कविता

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता ने कहा कि सांस्कृतिक वृत्तचित्र 'गॉड्स इन द वॉइस' का निर्माण तेलंगाना ओग्गु की परंपरा को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने और राज्य की आत्मा को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने शहर के बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में इस वृत्तचित्र के झलक चित्र का लोकार्पण किया। कविता ने निर्देशक डॉ.जी. कुमारस्वामी और पूरी दल को तेलंगाना ओग्गु की कथा पर उत्कृष्ट वृत्तचित्र बनाने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर संगठन के महासचिव नवीन आचार्य, प्राध्यापक जोली पोथुस्सेरी, मेघा यादव, महेश्वर, जयदेव यादव, साई रुद्रकांत, तिरुपति यादव, कविता यादव, राज कुमार, श्रीनिका, गणिकृष्ण सहित अन्य उपस्थित थे।

बांसवाड़ा सांप्रदायिक घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद ने बांसवाड़ा में दो समुदायों के बीच हुई घटना की राज्य पुलिस महानिदेशक से स्वयं जांच कराने की मांग की है। परिषद ने यह भी आग्रह किया कि राज्य उच्च न्यायालय इस मामले का स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करे। परिषद का आरोप है कि बांसवाड़ा की घटना राज्य में बढ़ते कट्टरपंथ की गंभीरता को दर्शाती है। परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुथला शशिधर ने प्रश्न उठाया कि न्याय की मांग करने वाले हिंदुओं पर हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले कैसे दर्ज किए जा सकते हैं। उन्होंने बांसवाड़ा में संचालित अवैध मदरसों की गतिविधियों की जांच कराने की मांग की। साथ ही, बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के अवैध रूप से वहां ठहरने के आरोपों की भी जांच कराने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बांसवाड़ा में दिन-प्रतिदिन भड़काए जा रहे कट्टरपंथ की व्यापक जांच होनी चाहिए। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि न्याय के लिए थाने पहुंचे हिंदुओं पर दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

फेसबुक पर दोस्ती कर 32 लाख की ठगी तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि स्थित साइबर क्राइम पुलिस ने अखिल भारतीय अभियान के तहत चार साइबर अपराध मामलों का खुलासा करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक मामले में फेसबुक के जरिए दोस्ती कर एक व्यक्ति से 32.36 लाख रुपये की ठगी की गई। पुलिस के अनुसार पीड़ित की फेसबुक पर 'सोनिया' नाम से प्रोफाइल चलाने वाली एक महिला से दोस्ती हुई। कुछ ही दिनों में महिला ने गंभीर बीमारी का हवाला देकर आर्थिक मदद मांगी। पीड़ित ने बताए गए बैंक खातों में कई बार पैसे ट्रांसफर किए।

बाद में सोनिया ने पीड़ित की पहचान 'श्रुति' नाम की दूसरी महिला से कराई। उसने भी अलग-अलग कारणों और शादी का झांसा देकर पैसे ऐंठे। इसके बाद मनोहर, श्रीकांत और रामचरण नामक व्यक्तियों ने पीड़ित को फोन कर बताया कि सोनिया की मौत हो गई है और इसके लिए उसे जिम्मेदार ठहराया। पुलिस में शिकायत की धमकी देकर उन्होंने उससे और रकम वसूल ली। जालसाजों ने पूरी बातचीत के दौरान फर्जी नामों का इस्तेमाल किया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद पुलिस ने थोर्थी शशि, थोर्थी वामशी और गम्पाला श्रवण को गिरफ्तार कर लिया। मामले की आगे जांच जारी है।

कुम्मेरा प्रकरण में न्याय की मांग को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

नागरकर्नूल, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुम्मेरा गांव में दो महीने के शिशु की मौत और एक परिवार के साथ कथित जातिगत भेदभाव के मामले को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नागरकर्नूल पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन कर परिवार के लिए न्याय की मांग की। यह घटना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गृह जिले पलामूर में होने के कारण राजनीतिक महत्व भी प्राप्त कर चुकी है।

आरोप है कि बुधवार को कुम्मेरा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर गए एक आदिवासी परिवार को जाति के आधार पर रोका गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। परिवार का कहना है कि कुछ लोगों ने उन पर हमला किया, जिसके दौरान दो महीने का शिशु गिर गया और बाद में सरकारी जनरल अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई।

बीआरएस के पूर्व विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि शिशु की मृत्यु को 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती और परिवार को एफआईआर की प्रति नहीं सौंपी जाती, तब तक विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान बीआरएस नेताओं और बीसी कल्याण संगठनों के सदस्यों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मामले को कमजोर करने का प्रयास कर रही है तथा संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। इस बीच, वरिष्ठ अधिवक्ता रामा राव इम्माननी ने बताया कि उनकी शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मामले का संज्ञान लिया है। बीसी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि परिवार को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

माइंडस्पेस इकोरन 2.0 में 4,200 से अधिक धावकों ने लिया भाग

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को माधापुर स्थित माइंडस्पेस में आयोजित माइंडस्पेस इकोरन 2.0 में 4,200 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लगातार दूसरे वर्ष आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन माइंडस्पेस आरईआईटी द्वारा मिर्ची के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में दौड़ के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

दौड़ की शुरूआत मिर्ची के आरजे दिवी वधत्या, हर्ष रोशन और श्रीदेवी अपाला ने हरी झंडी दिखाकर की। प्रतिभागियों ने 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी श्रेणियों में हिस्सा लिया। 21 किमी हाफ मैराथन और 10 किमी दौड़ में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों ने भाग लिया, जबकि 5 किमी दौड़ में 8 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण के अनुकूल रेस किट उपलब्ध कराए गए, जिनमें रोपने योग्य बिब्स, ऑर्गेनिक जर्सी, रिफिल करने योग्य हाइड्रेशन स्टेशन और बायोडिग्रेडेबल कटलरी शामिल थे। इसका उद्देश्य एकल-उपयोग प्लास्टिक और अपशिष्ट को कम करना था। के रहेजा कॉर्प (एपी और तेलंगाना) के सीओओ श्रवण कुमार गोन ने कहा कि यह पहल केवल मैराथन नहीं, बल्कि सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पर्यावरण और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास है।

हमले के शिकार युवक की इलाज के दौरान मौत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र में पांच दिन पहले लोहे की छड़ों और लाठियों से किए गए हमले में घायल 25 वर्षीय युवक की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान शास्त्रीपुरम निवासी सैयद मुज़म्मिल हाशमी (25) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 17 फरवरी को मोहम्मद गौस ने मोहम्मद आरिफ को ईमेल खाते से जुड़े एक विवाद पर चर्चा के लिए अपने घर बुलाया था। आरिफ अपने मित्र फरदीन आसिम के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि बातचीत के दौरान गौस और उसके बेटे ने दोनों के साथ मारपीट की, जिसके बाद वे वहां से चले गए।

फरदीन ने घटना की जानकारी अपने भाई मुज़म्मिल को दी। इसके बाद मुज़म्मिल अपने कुछ साथियों के साथ गौस के घर पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद करीब सात लोगों ने, जिनमें कुछ स्थानीय नेता भी शामिल बताए जा रहे हैं, मुज़म्मिल और उनके साथियों पर लोहे की छड़ों और लाठियों से हमला कर दिया। हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। घायलों मुज़म्मिल, फरदीन और अब्दुल रियान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सिरसिल्ला में बाघ की हलचल से ग्रामीणों में दहशत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सिरसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा मंडल के चेक्कापल्ली गांव और आसपास के क्षेत्रों में बाघ की गतिविधि की खबरों से दहशत फैल गई। कुछ ग्रामीणों ने दावा किया कि उन्होंने देर रात एक बड़े जानवर को मुख्य सड़क पार करते हुए देखा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की, जिसमें एक बड़े बाघ जैसे जानवर की आकृति दिखाई दी। हालांकि वन विभाग ने अभी तक बाघ की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कैमरे की फुटेज स्पष्ट नहीं है, इसलिए पुष्टि के लिए क्षेत्र में पदचिह्नों और अन्य सबूतों की जांच की जा रही है। टीम आसपास के इलाकों में निगरानी कर रही है।

चेक्कापल्ली गांव, गोपालराओपल्ली गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर है, जहां हाल ही में बाघ देखे जाने की सूचना मिली थी। इससे पहले थंगल्लापल्ली मंडल के गोपालराओपल्ली और चाइना लिंगपुर गांवों की पहाड़ियों में भी बाघ की हलचल की खबरें आई थीं। इधर, सिरसिल्ला जिले के कुछ अन्य मंडलों में तेंदुओं की गतिविधि भी देखी गई है। हाल ही में वेमुलावाड़ा के हुनामक्का गांव में एक तेंदुए ने एक बछड़े को मार डाला था, जबकि कोनाराओपेट मंडल के धर्माराम गांव के पास भी मवेशियों पर हमले की घटनाएं सामने आई थीं। वन विभाग की टीमें इलाके में डेरा डाले हुए हैं और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

तेलंगाना में कर राजस्व वृद्धि दर में गिरावट से बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस शासनकाल में देश में सर्वाधिक कर वृद्धि दर्ज करने वाला तेलंगाना अब कांग्रेस सरकार के दौरान कर राजस्व में गिरावट का सामना कर रहा है। राज्य ने चालू वित्त वर्ष में जनवरी तक पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में केवल 11.9 प्रतिशत कर राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जिससे राजकोषीय स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक यह वृद्धि लगभग 13 प्रतिशत तक पहुच सकती है, हालांकि संशोधित अनुमानों में इसके एकल अंक तक सीमित रहने की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। इसी अवधि में राजस्व प्राप्तियों में 11.75 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जो वर्षांत तक 12.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

पूर्व वर्षों में राज्य ने कहीं अधिक वृद्धि दर दर्ज की थी। 2015-16 में कर राजस्व में 52.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। 2021-22 में 37.6 प्रतिशत, 2022-23 में 26.36 प्रतिशत तथा 2023-24 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके विपरीत 2024-25 में कर राजस्व वृद्धि घटकर 2.2 प्रतिशत, राजस्व प्राप्ति वृद्धि 2.5 प्रतिशत और कुल प्राप्ति वृद्धि 5.8 प्रतिशत रह गई है। कुल राजस्व 2021-22 में 1,00,129 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1,38,582 करोड़ रुपये हुआ, जबकि राजस्व प्राप्तियां 1,27,469 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,73,546 करोड़ रुपये तक पहुंचीं। कुल प्राप्तियां भी 1,79,295 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,34,765 करोड़ रुपये हो गईं, लेकिन वृद्धि की रफ्तार में कमी आई है।

जनवरी तक राज्य ने 1,26,293 करोड़ रुपये का कर राजस्व, 1,38,371 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां और कुल 2,07,558 करोड़ रुपये की प्राप्तियां अर्जित कीं। राज्य स्वामित्व वाले कर राजस्व (एसओटीआर) का हिस्सा कुल राजस्व का लगभग 84 प्रतिशत रहा, जो बीआरएस शासन के दौरान 88 प्रतिशत तक था। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी, उत्पाद शुल्क, स्टांप शुल्क और पंजीकरण से मिलने वाले राजस्व में मंदी का असर कल्याणकारी योजनाओं, पूंजीगत निवेश और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता पर पड़ सकता है। उन्होंने आय-व्यय संतुलन बनाए रखने और राजस्व वृद्धि को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Anekalla Saraswathi (Existing name of spouse as per change of next of kin record/service documents) spouse of Army No 2611313H Hav Venkata Rami Reddy Mamilla of 20 Madras Regt, C/O 56 APO resident of Vill- Kothuru, Teh- Ardhaveedu, Distt- Prakasam (A.P) have changed my name from Anekalla Saraswathi to Mamilla Saraswathi (Proposed/adopted new name) 01 May 1992 is DOB vide affidavit dated 09 Jan 2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

देश की सबसे अनूठी ऑटोमैटिक तकनीक वाली पहली पार्किंग

हैदराबाद के नामपल्ली की 10 मंजिलों की पार्किंग में 250 कारें और 200 दोपहिया वाहन खड़े हो सकते हैं

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए हैदराबाद के नामपल्ली में देश की पहली पूर्णतः ऑटोमैटिक पार्किंग शुरू की गई है। 10 मंजिलों में 250 कारें और 200 दोपहिया वाहन यहां खड़े हो सकते हैं। कार का शुल्क 30 रुपए और दोपहिया का 10 रुपए प्रति घंटा है। यह दुनिया की पांचवीं और भारत की पहली अनअटेंडेड (बिना स्टाफ) पार्किंग है। इसी साल जनवरी में शुरू हुई है। इसकी लागत 200 करोड़ रुपए आई है।

पार्क करने में एक मिनट से भी कम, वापस लाने में 2 मिनट :

> पार्किंग सिस्टम में पहुंचते ही क्यूआर कोड वाला स्मार्ट कार्ड दिया जाता है। गाड़ी टर्नटेबल पर हैंडब्रेक लगाकर रखनी होती है। बाकी काम (गाड़ी घुमाना, लिफ्ट करना, सही स्लॉट में फिट करना) रोबोटिक और सेंसर से होता है। मानव दखल की जरूरत नहीं होती।

> वाहन वापस लेने के लिए कार्ड स्वाइप करते ही सिस्टम पार्किंग प्लेटफॉर्म से कार वापस ले आता है। पार्क करने में एक मिनट से कम और वापस लाने में 2 मिनट लगते हैं।

> दिल्ली, मुंबई में मौजूद सिस्टम 'पैलेट्स' (प्लेटफॉर्म) का उपयोग करते हैं। हैदराबाद का यह सिस्टम जर्मनी की पैलिस तकनीक पर आधारित है, जो बिना पैलेट के सीधे पहियों को पकड़कर कार पार्क करता है। यह तकनीक भारत में पहली बार इस्तेमाल हुई है। यह गाड़ी के आकार के अनुसार पार्क करता है।

सीसीएमबी स्थापना दिवस पर डॉ.डी. बालासुब्रमण्यम सम्मानित

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के 10वें संस्थापक दिवस के अवसर पर प्रख्यात जैवभौतिक रसायनज्ञ डॉ. दोरैराजन बालासुब्रमण्यम को वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम सीसीएमबी के संस्थापक निदेशक डॉ. पीएम भार्गव की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। डॉ. बालासुब्रमण्यम 1982 से 1998 तक सीसीएमबी में संकाय सदस्य रहे और 1992 से 1998 तक निदेशक के पद पर कार्य किया। संस्थान में उनके महत्वपूर्ण योगदान को इस अवसर पर याद किया गया। उन्हें वर्ष 2002 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

अपने संबोधन में डॉ. बालासुब्रमण्यम ने सीसीएमबी में बिताए समय को याद करते हुए विज्ञान और कला के सह-अस्तित्व की संस्कृति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसी सोच को उन्होंने एलवीपीईआई में भी आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में देश के कई प्रमुख वैज्ञानिकों ने उनके साथ काम करने के अनुभव साझा किए। इनमें एलवीपीईआई के संस्थापक डॉ. जीएन राव, आईआईएसईआर-पुणे के संस्थापक निदेशक प्रो. केएन गणेश, राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र के निदेशक प्रो. एलएस शशिधरा, डीबीटी/वेलकम इंडिया एलायंस की संस्थापक सीईओ प्रो. अनुराधा लोहिया, आईआईएससी के पूर्व निदेशक प्रो.पी. बलराम, आईआईएससी के निदेशक प्रो. दीपांकर चटर्जी और डॉ. विनय के. नंदीकुरी सहित अन्य वैज्ञानिक शामिल थे।

दालमंडी में व्यापारियों से मिलने जा रही सपा नेत्री पूजा यादव को पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी, 22 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण योजना के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बीच शनिवार को सपा नेत्री पूजा यादव दालमंडी में व्यापारियों से मिलने पहुंचीं। इस दौरान चौक पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पूजा यादव ने सपा के सुप्रीमो के निर्देश का हवाला देते हुए व्यापारियों से मिलने की बात कही। इस पर पुलिस ने सख्ती के साथ पूजा यादव को पकड़कर थाने ले गई। सपाइयों ने दालमंडी पहुंचकर व्यापारियों से मुलाकात की।

सपा के कई नेता व कार्यकर्ताओं को पुलिस ने नजरबंद किया था, लेकिन इसके बावजूद पुलिस का घेरा भेदकर सपा के कार्यकर्ता व नेता दालमंडी पहुंच गए। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेता लालू यादव भी मौके पर पहुंचे और कहा कि हमें कोई नजरबंद नहीं कर सकता।

25 हजार का इनामी गो तस्कर पुलिस मुठभेड़ में घायल, पैर में लगी गोली

कोतवाली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। रविवार की तड़के कोतवाली पुलिस ने 25 हजार का इनामिया बदमाश को मुठभेड़ में एनकाउंटर कर घायल कर दिया। गत एक जनवरी 26 को गोवध मामले कोतवाली पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस कार्यवाई में जुटी हुई थी। कोतवाली पुलिस ने सूरज चंद्रवंशी 22 वर्ष पुत्र उदय चंद्रवंशी निवासी घिवहीँ थाना विंढमगंज पर 25 हजार का इनाम भी रखा था। रविवार की भोर करीब चार बजे पुलिस खजूरी गांव अमवार जाने वाले मार्ग के रेलवे क्रासिंग अंडर पास के रास्ते मे इनामिया बदमाश को पैर में गोली मारकर ढेर कर दिया।

'पुष्पा' जैसी तस्करी: कुर्सियों को काटकर छिपाई शराब

गोपालगंज, 22 फरवरी (एजेंसियां)। शराबबंदी वाले बिहार में होली के नजदीक आते ही शराब तस्करों की सक्रियता बढ़ गई है। पड़ोसी उत्तर प्रदेश से सीमावर्ती जिले गोपालगंज में शराब की खेप पहुंचाने के लिए धंधेबाज नए-नए जुगाड़ अपना रहे हैं। हालांकि पुलिस और उत्पाद विभाग की मुस्तैदी के कारण उनके मंसूबे लगातार नाकाम हो रहे हैं। ताजा मामला कुचायकोट थाना क्षेत्र के कुर्म टोला जलालपुर रोड का है। शनिवार को वाहन जांच के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने एक संदिग्ध बाइक को रोका। बाइक पर प्लास्टिक की कुर्सियां इस तरह लदी थीं कि पहली नजर में लगा मानो कोई दुकानदार बिक्री के लिए सामान ले जा रहा हो, लेकिन जब टीम ने कुर्सियों को नीचे उतरवाकर जांच की तो बड़ा खुलासा हुआ।

नीतीश कुमार की बढ़ी टेंशन! शराबबंदी पर अब बीजेपी बोली

'जैसा पहले था वैसे कर दिया जाए'

पटना, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर अभी तक सत्ता में बने हैं तो प्रमुख कारणों में से एक बिहार में लागू शराबबंदी कानून भी है। प्रदेश की महिलाएं इस फैसले से खुश हैं और यही कारण है कि एक खास वोट नीतीश कुमार को भी जाता है। इस बीच बिहार में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग उठती रही है। अब बीजेपी की ओर से बड़ा बयान आया है।

इस बयान से नीतीश कुमार की टेंशन बढ़ सकती है। बिहार बीजेपी के विधायक विनय बिहारी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका मानना है कि बिहार में इस बंदी का कोई मतलब नहीं है। यह सही तरीके से लागू नहीं है। उन्होंने भोजपुरी में कहा, मिलता तबे नु आदमी हिलता, ना मिलित त ना हिलित...

बंदी का मतलब हो बंदी: विनय बिहारी

बीजेपी विधायक बेतिया में मीडिया से बात कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने शराबबंदी से जुड़े सवाल पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, मैं अपनी बात करता हूं... किसी भी बारात में जाता हूं तो आधे से अधिक लोगों को पीते देखता हूं... पिए हुए देखता हूं... तो मुझे ये लगता है कि या तो सही तरीके से बंद कर दिया जाए या जैसे पहले था वैसे कर दिया जाए। बंदी का मतलब बंदी हो।।। ऐसा नहीं होना चाहिए कि उस बंदी का कोई प्रभाव नहीं हो।।। क्या प्रभाव है...?

कुशवाहा की पार्टी से उठी मांग ने बढ़ाई सियासत

अभी हाल ही में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) के एक विधायक ने सदन में कहा था कि शराबबंदी कानून की फिर से समीक्ष होनी चाहिए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी इसका समर्थन किया था। उनका कहना था कि छोटे और गरीब लोगों को पकड़ लिया जाता है, बड़े लोग या तस्कर छोड़ दिए जाते हैं। इस तरह से शराबबंदी कानून को लेकर बिहार में सियासत जारी है। उधर जेडीयू ने साफ कर दिया है कि शराबबदी कानून में जो लो ढिलई चाहते हैं तो ऐसा कुछ नहीं हो सकता है। अब देखना होगा कि विनय बिहारी के बयान के बाद जेडीयू और सत्ता धारी दल के अन्य नेता इस पर क्या कुछ कहते हैं।

विपक्ष पहले से कहता आ रहा है कि शराबबंदी कानून का असर बिहार में नहीं है। कांग्रेस के एक विधायक ने तो यहां तक कहा है कि विधानसभा तक शराब की डिलीवरी हो जाएगी। घर-घर डिलीवरी हो रही है।

जयमाल से पहले बेहोश हुई दुल्हन, बारात संग लौटा दूल्हा

आरा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सदर अस्पताल में हाथों में मेहंदी लगाकर इलाज करा रही रानी कुमारी लगातार रो रही है। उसके हाथों में ड्रिप लगा हुआ है, मां मायूस होकर बेटी को दिलासा दे रही है। रानी लगातार कह रही है, "मेरी जिदंगी खराब हो गई, अब मुझसे शादी कौन करेगा। मेरे पिता ने कर्ज लेकर शादी की तैयारी की थी। उसकी भरपाई कैसे होगी, मुझे मेरा भविष्य धुंधला दिख रहा है, पता नहीं भगवान ने किस पाप की सजा दी है।"भोजपुर के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छोटकी सनदिया गांव की रहने वाली 20 साल की रानी कुमारी की 20 फरवरी को उदवंतनगर प्रखंड के छोटा सासाराम के रहने वाले जयप्रकाश शर्मा से होनी थी। जयमाला के ठीक पहले जयप्रकाश ने दुल्हन बनी रानी की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन थकावट की वजह से रानी बेहोश होकर गिर गई।

'इतना नीच प्रहार होगा इसकी कल्पना नहीं थी'

एफआईआर दर्ज होने के बाद शंकराचार्य की पहली प्रतिक्रिया

प्रयागराज, 22 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के झूंसी थाने में पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज होने के बाद शंकाराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अनुमान था कि प्रहार होगा लेकिन इतना नीच प्रहार होगा, इसकी कल्पना नहीं थी। वह भी देख लिया जा रहा है कि गौ हत्यारे कितनी नीचता पर जा सकते है। योगी आदित्यनाथ जैसे लोग कितनी नीचता पर जा सकते हैं यह दिख रहा है, धर्म युद्ध शुरू हो चुका है बम गोला सामने से आ रहा है। वहीं शंकराचार्य ने अगली कार्रवाई और जांच को लेकर कहा कि सहयोग के लिए तैयार हैं किसी के ऊपर आरोप लगता है उसे गलत सिद्ध करने के लिए कोई भी तैयार रहता है हम भी तैयार हैं।

गिरफ्तारी की संभावना से जुड़े सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि जिस तरीके से मुख्यमंत्री की पुलिस काम कर रही है, बटुकों का अपमान हुआ है। गिरफ्तारी की संभावना का वे लोग लाभ उठा सकते हैं। सबको पता है वे क्या करेंगे, हम तैयार बैठे हैं, कभी भागे हों तो बताइए। उन्होंने यह भी कहा कि जो गिरफ्तारी करना चाहते हैं वे करें, हम उनके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं, चाहे यहां पूछें या कहीं ले जाकर पूछें।

100 विधायक लाइए और मुख्यमंत्री बन जाइए

अखिलेश यादव का दोनों डिप्टी सीएम को ऑफर

लखनऊ, 22 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को एक बार फिर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को सीएम पद ऑफर किया है। उन्होंने कहा, 'दोनों डिप्टी सीएम में से कोई भी 100 विधायक लाइए और सीएम जाइए।' इस दौरान अखिलेश ने शंकराचार्य प्रकरण को लेकर भी यूपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जिस तरह शंकराचार्य के साथ व्यवहार कर रही है। जनता उसका जवाब देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि हम पहले भी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को सीएम पद का ऑफर दे चुके हैं। चलों एक बार फिर दे देते हैं। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक में से कोई भी 100 विधायक अपने साथ ले आए और मुख्यमंत्री बन जाए। इससे अच्छा ऑफर उन्हें कही नहीं मिलेगा। अखिलेश यादव इससे पहले भी कई बार केशव प्रसाद मौर्य

को सीएम पद का ऑफर दे चुके हैं। लेकिन इस बार उन्होंने दूसरे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को भी सीएम पद ऑफर किया है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि केशव और ब्रजेश पाठक इस पर कैसे और क्या प्रतिक्रिया देंगे।

शंकराचार्य प्रकरण को लेकर सरकार को घेरा

अखिलेश यादव ने शंकराचार्य प्रकरण को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'बताइए, शंकराचार्य जी के साथ क्या व्यवहार हो रहा है? जिस समय शिखा को पकड़कर अपमानित किया जा रहा था, उस समय यह लोग कहां थे? हमारी सनातनी व्यवस्था में किसी शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोका नहीं गया, लेकिन ये पहली बार हुआ।' अखिलेश ने 20 साल पुरानी घटना का जिक्र करते हुए शंकराचार्य के अपमान पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए किसको ढूंढकर लाए? रामभद्राचार्य जी के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहिए, लेकिन अगर यह उनका चेला है तो मुझसे गलती हुई है। हमने रामभद्राचार्य पर दर्ज 420 का मुकदमा वापस लिया था। मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था।'

योगी सरकार पर बोला तीखा हमला

योगी आदित्यनाथ सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार बचने वाली नहीं है, जनता ने इसे अस्वीकार कर दिया है और अब सिर्फ वोट डालने का इंतजार कर रही है। उन्होंने पार्टी में नए सदस्यों का स्वागत किया और एआई समिट से जुड़े मुद्दों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री की जापान यात्रा, धार्मिक नेताओं के अपमान और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि जैसे-जैसे जनता की पीड़ा बढ़ रही है, वैसे-वैसे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन मजबूत हो रहा है।

संपत्ति के लिए सास की हत्या की,साली को जिंदा जलाया

समस्तीपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मैडम मैं वायु सेना का रिटायर इंजीनियर हूं। मेरी पत्नी को भाई नहीं था। मेरे ससुर अशोक कुमार सिंह भी वायु सेना में थे। सास कुसुम कुमारी शिक्षिका थी। उनके पाटीदार ने संपत्ति हड़पने के लिए साल 1993 में सास की अपहरण कर हत्या कर दी। सदमे के कारण उनके ससुर की भी मौत हो गई। साली को जिंदा जला दिया। हमें मारपीट कर अपाहिज बनाया, मेरी और संपत्ति की रक्षा करें। ये कहना कल्याणपुर थाने के अकबरपुर गांव के सेना से रिटायर इंजीनियर अरुण देव सिंह और उनकी पत्नी सुमन सिंह का है । ये महिला आयोग की अध्यक्ष के सामने गुहार लेकर पहुंचे। बुजुर्ग कहते है कि उन्होंने अब हमें अपाहिज बना दिया है। कहीं से कोई मदद नहीं मिल रही है। प्रशासनिक स्तर पर सहायता नहीं मिल रही है। पीड़ित की बात सुनने के बाद आयोग ने इस मामले में एसपी से पूरी घटना पर रिपोर्ट मांगी है। ताकि पीड़ित को न्याय दिलाया जा सके।

हाई कोर्ट बेंच की मांग को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

पीएम की जनसभा में जाने से पुलिस ने रोका, कई नजरबंद

मेरठ, 22 फरवरी (एजेंसियां)। हाई कोर्ट बेंच की मांग को लेकर प्रधानमंत्री की जनसभा में पहुंचने और वहां आवाज उठाने की घोषणा करने वाले मेरठ बार संगठन के पदाधिकारियों और अन्य प्रमुख अधिवक्ताओं को पुलिस बल ने रात में ही घर में नजरबंद कर दिया था।

रविवार को मेरठ बार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं में कचहरी परिसर में एकत्र होकर बेंच की मांग को लेकर नारेबाजी की। उन्होंने जनसभा के लिए जाने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान पुलिस से उनकी तकरार हुई। अब अधिवक्ता पैदल ही बेगमपुर की ओर बढ़ रहे हैं पुलिस उन्हें रोकने का प्रयास कर रही है।

पश्चिम उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति ने प्रधानमंत्री के मेरठ आगमन के दौरान उनसे मिलने का समय मांगा था जो कि नहीं मिला। इससे नाराज होकर केंद्रीय संघर्ष समिति ने रविवार को जनसभा स्थल पर पहुंचकर हाईकोर्ट बेंच की मांग उठने की घोषणा की थी। घोषणा के तुरंत बाद पुलिस बल ने रात में ही मेरठ बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और अन्य प्रमुख अधिवक्ताओं को घर पर ही नजर बंद कर लिया था।

बेगम पुल की ओर वकीलों का मार्च

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ता कचहरी परिसर में मेरठ बार एसोसिएशन के कार्यालय पर एकत्रित हुए और वहां हाई कोर्ट बेंच की मांग को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद अधिवक्ता ने जनसभा स्थल की ओर जाने की घोषणा की। पुलिस ने उन्हें कचहरी के गेट पर रोकने का प्रयास किया तो अधिवक्ताओं की उनसे नोक झोंक हुई। इसके बावजूद अधिवक्ता नहीं रुके और पैदल ही बेगम पुल की ओर बढ़ने लगे। पुलिस उन्हें रोकने का प्रयास कर रही है।

इंजेक्शन लगते ही दो बुखार पीड़ितों की मौत, झोलाछाप डॉक्टर घटना के बाद फरार

कानपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में बिल्हौर कस्बे के रहमतनगर और बोझा गांव में दो बुखार पीड़ितों की गलत इंजेक्शन लगाने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजन ने ग्रामीणों संग मिलकर झोलाछाप क्लीनिक संचालकों पर गलत इलाज का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रही थी लेकिन खबर लिखे जाने तक परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। थानाक्षेत्र के बोझा गांव के दिनेश गौतम (58) को दो दिन से बुखार आ रहा था।

परिजन उन्हें भौसाना गांव स्थित मेडिकल स्टोर व क्लीनिक संचालक के पास लेकर गए थे। बड़े भाई अविनाश का आरोप है कि रुपये ऐंठने और बुखार जल्दी उतारने के लिए मेडिकल स्टोर संचालक चमन ने दिनेश को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद दिनेश की मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए और परिजन संग हंगामा करने लगे। इसी दौरान क्लीनिक संचालक चमन मौके से भाग गया। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन परिजन खबर लिखे जाने तक आरोपी झोलाछाप क्लीनिक संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े थे।वहीं चौबेपुर कस्बे के रहमतनगर निवासी सत्तार (35 वर्षीय) भी बुखार से पीड़ित थे। परिजन उन्हें मेडिकल स्टोर व क्लीनिक संचालक आशीष कुमार के पास लेकर गए थे।

बड़े भाई हारून का आरोप है कि आशीष के गलत इंजेक्शन लगाने से सत्तार की मौत हो गई। इस पर परिजन हंगामा करने लगे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास करती रही। लेकिन वे देर रात तक कार्रवाई की मांग कर हंगामा करते रहे। वहीं क्लीनिक संचालक आशीष मौके से गायब था। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस परिजन व ग्रामीणों को समझाकर शवों को पोस्टमॉटर्म के लिए भेजने का प्रयास कर रही है।

गोधरा कांड के बाद मोदी का आलोचक था

आरिफ मोहम्मद खान बोले, गुजरात जाकर बदली राय

पटना, 22 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि 2002 में 'गोधरा त्रासदी के कारण हुई अशांति' के बाद, वह गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक थे, लेकिन लोगों से बातचीत करने के बाद उनकी राय बदल गई। आरिफ मोहम्मद खान यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में पत्रकार-लेखक आलोक मेहता की पुस्तक 'रिवोल्यूशनरी राजः नरेन्द्र मोदीज 25 इयर्स' के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि गोधरा कांड के बाद अगर उन्होंने गुजरात में चार महीने नहीं बिताए होते, तो मोदी के प्रति उनका नजरिया नहीं बदलता।

उन्होंने कहा कि 2002 में, गोधरा त्रासदी के बाद हुए दंगों के बाद, मैं मोदी का आलोचक था। और मैंने पहले भी कहा है कि अगर मैंने उन दंगों के बाद गुजरात में चार महीने से अधिक समय न बिताया होता, अगर मैंने विभिन्न समुदायों के लोगों से बातचीत न की होती, तो शायद मेरी यही सोच बनी रहती।'आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि मोदी को बेहद अनुचित तरीके

से बदनाम किया जा रहा है। खान ने कहा, वह सबसे गलत समझे जाने वाले व्यक्ति हैं, जिन पर बहुत ही अनुचित आरोप लगाए गए। चार महीने बाद, इस स्थिति के बारे में मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। और मैंने अपने विचार दूसरों के साथ साझा करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि वह निस्संदेह दृढ़ निश्चयी और संकल्पित व्यक्ति हैं, और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो कभी जल्दबाजी नहीं दिखाते। ऐसा लगता है कि वह कभी आराम नहीं करते।

और वह हमेशा अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में लगे रहते हैं।'सीएम से लेकर पीएम बनने तक की यात्रापीएमकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस किताब की प्रस्तावना लिखी है। इस पुस्तक में पीएम मोदी के पिछले 25 वर्षों के सफर का विस्तृत वर्णन है। इसमें उनके मुख्यमंत्री से लेकर भारत के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा को शामिल किया गया है। आरिफ मोहम्मद खान ने प्रधानमंत्री को मुस्लिम महिला (विवाह संबंधी अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 का श्रेय भी दिया, जो भारत में तीन तलाक की प्रथा को अपराध घोषित करता है। खान ने कहा, मुझे उम्मीद है,

और मुझे पूरा विश्वास है कि 50 साल बाद, न केवल इस देश में बल्कि दुनिया भर में लोग यह समझेंगे कि नरेंद्र मोदी ने कितना अद्भुत और महान काम किया है। क्योंकि दुनिया के अन्य हिस्सों में, तीन तलाक को वैध नहीं माना जाता है। भारत में, यह पहली बार 2019 में लागू हुआ। इस कार्यक्रम में तेल और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन के सिंह और पूर्व मंत्री के जे अल्फोंस उपस्थित थे। एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 'कुछ बहुत ही उल्लेखनीय' दौर से गुजर रहा है।

15,593 सरकारी किताबें गायब, जांच में हर रोज नए खुलासे; कार्रवाई की जद में कई अफसर'

बहराइच, 22 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में सरकारी किताबें कबाड़ी को बेचने के मामले में हर दिन नए तथ्य सामने आ रहे हैं। अब जांच में यह बात लगभग साफ हो गई है कि बेसिक शिक्षा विभाग के भंडार गृह से करीब 15,593 किताबें नदारद हैं। बड़ा सवाल यह है कि कबाड़ी की दुकान पर मिलीं किताबें क्या इसी गोदाम की थीं या फिर किसी और जगह से लाई गई थीं। इसी बिंदु पर जांच अब भी उलझी हुई है। 16 फरवरी को मुरादाबाद का एक ट्रक लखीमपुर की ओर से बहराइच लाया गया था।

जानकारी मिली कि उसमें परिषदीय विद्यालयों की लाखों रुपये की किताबें भरी थीं। मामला सामने आते ही जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने जांच समिति गठित कर दी। जांच में पाया गया कि जिला मुख्यालय स्थित पुस्तकों के भंडार गृह में किताबों की सही तरीके से रिसीविंग नहीं की गई थी और न ही सुरक्षा का समुचित इंतजाम था। गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद अनुचर आलोक कुमार और शफीक अहमद को निलंबित कर दिया गया।

ब्राहमण समाज को जुटाने की तैयारी! आजमगढ़ में राजभर समाज के दो बड़े नेताओं की रैली

आजमगढ़, 22 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में आज राजभर समाज के दो बड़े नेताओं की रैली है। जिसको लेकर स्थानीय राजभर समाज में संशय की स्थिति हो गयी है। दोनों का एक ही समाज पर दावा है। इस रैली को लेकर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता अनिल राजभर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि माहुल की धरती पर लाखों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। सिर्फ पूर्वांचल या उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने से महाराजा सुहेलदेव को मानने वाले श्रद्धालु आ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव के सपनों का हिंदुस्तान आज प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है।

जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, वहां विकास और सांस्कृतिक विरासत को सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम की अयोध्या की रक्षा के लिए महाराजा सुहेलदेव ने सैयद सालार मसूद का पराभव किया था। आज उसी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। सरकार कमजोर वर्गों के महापुरुषों का सम्मान और महिमामंडन कर रही है। इसे चुनावी दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। ओम प्रकाश राजभर ने अनिल राजभर के कार्यक्रम को लेकर कहा कि हमारा आयोजन महाराजा सुहेलदेव की जयंती मनाने के लिए किया गया है। यदि कोई दल या संगठन अपना कार्यक्रम करना चाहता है तो भाजपा को उससे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, "मैंने उनसे कहा था कि यदि कार्यक्रम करना है तो दो-चार दिन आगे-पीछे कर लें।"

मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम की घोषणा दो महीने पहले कर दी गई थी और यह आजमगढ़ की जनता की मांग पर आयोजित हो रहा है। वाराणसी में मंच से कहे गए एक शब्द को लेकर सोशल मीडिया पर हुई चर्चाओं पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न किसी पार्टी और न किसी नेता का नाम लिया। कुछ स्थानीय लोगों ने उपद्रव की कोशिश की थी, जिन्हें प्रशासन ने तीन बार हटाया। बाद में सख्ती करनी पड़ी। ब्राह्मण समाज के ओम प्रकाश राजभर के कार्यक्रम में जुटने पर कहा मंत्री अनिल राज भर ने कहा कि भाजपा के काम को पूरा प्रबुद्ध वर्ग देख रहा है और समर्थन दे रहा है। इसमें किसी को एतराज नहीं होना चाहिए।

ओम प्रकाश राजभर की रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज समझदार है, उसे समझाने की जरूरत नहीं है। समय के साथ सब सामान्य हो जाएगा और कोई राजनीतिक समस्या नहीं होगी। समाजवादी पार्टी के गढ़ में सेंधमारी की तैयारी को लेकर मंत्री ने कहा कि वह आजमगढ़ के प्रभारी मंत्री हैं और पूरी जिम्मेदारी से कह रहे हैं कि इस बार आजमगढ़ में भारतीय जनता पार्टी जीत दर्ज करेगी। कमल खिलेगा और भाजपा मजबूती से आगे बढ़ेगी और बीस पड़ेगी।

4.1 तीव्रता के भूकंप से कांपा नेपाल का कोशी प्रांत स्थानीय लोगों में दहशत

काठमांडू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल का कोशी प्रांत रविवार सुबह भूकंप के झटकों से हिल गया। नेशनल अर्थक्वेक मॉनिटरिंग एंड रिसर्च सेंटर के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 दर्ज की गई। यह भूकंप सुबह 7:31 बजे आया। इसका केंद्र संखुवासभा जिले के रिताक क्षेत्र में था। भूकंप के चलते स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। संखुवासभा नेपाल की राजधानी काठमांडू से 475 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। भूकंप की झटके पड़ोसी जिलों ताप्लेजुंग और भोजपुर में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी नुकसान या क्षति की कोई तत्काल रिपोर्ट नहीं आई है। इससे पहले 11 जनवरी को लमजुंग जिले के पास बन्सर के पास 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। नेपाल में कुछ महीनों या दिनों के अंतराल पर लगातार भूकंप का झटका लग रहा है। इसकी वजह है कि नेपाल दुनिया के सबसे अधिक भूकंप-प्रवण देशों में 11वें स्थान पर है। यह हिमालय क्षेत्र में स्थित होने के कारण टेक्टॉनिक प्लेटों की गतिविधियों से अक्सर प्रभावित होता है,

'सरकार के लिए भी शर्म'

महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर संजय राउत का बीजेपी पर हमला

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने इस मुद्दे पर सरकार को घेर लिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष नहीं है। यह देश की सरकार के लिए भी शर्म की बात है। संजय राउत ने निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जहां संभव हो, वहां नेता प्रतिपक्ष देने से बचा जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को लोकसभा से बाहर निकालने का काम किया जाता है। इसे निर्लज्जता कहते हैं।

'विपक्ष को उसका स्थान न देना गलत'

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता में आना और फिर विपक्ष को उसका स्थान न देना गलत है। अगर नेता प्रतिपक्ष दिया जाएगा तो वह सरकार को घेर लेगा, इसी डर से यह पद नहीं दिया जा रहा है। सरकार डरपोक है। उन्होंने आगे कहा कि भास्कर जाधव के नाम पर मुहर लगा दी गई, लेकिन यह तय करने वाले आप कौन हैं? नेता प्रतिपक्ष का पद न देने के लिए साजिश की जा रही है। इतिहास में इसकी नोंद होगी।

विधानसभा अध्यक्ष को लेकर कही बड़ी बात

संजय राउत ने आगे कहा कि विधानसभा अध्यक्ष निष्पक्ष निर्णय लेंगे या नहीं, इस पर भी संदेह है। जमीन से जुड़े मामलों में जिन पर सवाल हैं, उनसे क्या उम्मीद की जाए? उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना चाहिए। लोकतंत्र और संविधान ने अधिकार दिए हैं, लेकिन परंपराएं तोड़ी जा रही हैं।

राज्यसभा सीट को लेकर क्या बोले संजय राउत

राज्यसभा सीट को लेकर संजय राउत ने कहा, मेरी और आदित्य ठाकरे की भूमिका अलग नहीं है। हमारे 20 विधायक हैं, कांग्रेस और एनसीपी के 10-10 हैं। जो भी चुना जाएगा, वह महाविकास आघाड़ी का सांसद होगा।

मंदिर के बाबा ने दो प्रवासी लड़कियों के साथ की अश्लील हरकतें, आरोपी पुलिस रिमांड पर

हमीरपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महिला पुलिस थाना के तहत एक मंदिर के बाबा पर दो प्रवासी लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप लगा है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने बाबा को गिरफ्तार कर लिया। पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शनिवार को आरोपी को हमीरपुर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को सोमवार तक पुलिस रिमांड दी। पीड़ित लड़कियों का मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में मेडिकल करवाया।

उत्तर प्रदेश निवासी महिला ने बताया कि वह कुछ वर्षों से हमीरपुर में रह रही है। बीते दिन जब वह एक मंदिर में गई तो वहां पर लड़की को आवाज दी। लड़की मंदिर से बाहर निकली और अपने साथ हुई हरकतों की सूचना दी। इसके बाद अन्य परिचित लड़की ने भी आरोपी पर गलत हरकतें करने का आरोप लगाया। महिला ने शिकायत महिला पुलिस थाना को दी।

उपराष्ट्रपति के दौरे से पहले कश्मीर में कड़ी सुरक्षा

शहर से हाईवे तक चाक-चौबंद इंतजाम

श्रीनगर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के कश्मीर दौरे से पहले कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। श्रीनगर शहर से श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हर जगह सुरक्षा कर्मियों की पैनी नजर है। उपराष्ट्रपति 26 फरवरी को कश्मीर यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने आ रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनके दौरे के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्ण समन्वय के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। श्रीनगर शहर के कई इलाकों में घेराबंदी व तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीमों द्वारा इलाकों में संदिग्धों की तलाशी ली जा रही है जिसमें लोग और वाहन शामिल हैं। सुरक्षा अभ्यास के तहत दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे ऑपरेशन एक हाई-प्रोफाइल दौरे से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम के तौर पर उठाए जा रहे हैं। लोगों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है और चेकिंग प्रक्रिया के दौरान यात्रियों की भी वेरिफिकेशन की जा रही है।

रमजान के पाक महीने में मौलाना पर चाकू से हमला

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के शिरडी शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। श्रीरामनगर–कनकुरी रोड इलाके में रविवार करीब 8 बजे वॉकिंग के दौरान एक मौलाना पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया, हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। घायल मौलाना का नाम दानिश नफीस चौधरी है, जो देवबंद से एक महीने के लिए शिरडी आए थे।

उन्हें श्रीरामनगर स्थित मस्जिद में रमज़ान के महीने में तरावीह नमाज़ अदा कराने के लिए नियुक्त किया गया था। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, नमाज़ में करीब 15 मिनट का समय शेष था, इसलिए वह पास के पूनम नगर स्थित श्रीगणेश कुंड क्षेत्र में टहल रहे थे। तभी बाइक पर सवार तीन अज्ञात युवक वहां आए और उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमला करने के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। घटना की खबर फैलते ही मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और रमज़ान के दौरान हुई इस वारदात को लेकर नाराज़गी जताई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर मुस्लिम समाज की ओर से पुलिस को ज्ञापन भी सौंपा गया। घायल मौलाना को इलाज के लिए शिरडी के साईं बाबा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परिजनों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश तेज कर दी है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और रात से ही अतिरिक्त पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर विश्वास न करें और सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश साझा न करें। स्थानीय नागरिकों ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में 590 करोड़ घोटाले का शक, हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में गड़बड़ी

चंडीगढ़, 22 फरवरी (एजेंसियां)। स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा में 590 करोड़ की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में खुलासा किया कि शाखा के चार कर्मचारियों पर इस संदिग्ध घोटाले में संलिप्त होने का शक है। लाइवमिंट की खबर के मुताबिक, बैंक का कहना है कि, प्रारंभिक आंतरिक जांच में कुछ कर्मचारियों द्वारा धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों के संकेत मिले हैं। मामले में अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं की संभावित मिलीभगत की भी जांच की जा रही है।

कैसे हुआ घोटाले का खुलासा?

बैंक ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब हरियाणा सरकार के एक विभाग ने अपना खाता बंद करने और उसमें मौजूद धनराशि को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। खाता बंद करने की प्रक्रिया के दौरान खाते में दर्ज बैलेंस और विभाग द्वारा बताए गए बैलेंस में अंतर पाया गया। इसके बाद 18 फरवरी से हरियाणा सरकार से जुड़ी अन्य इकाइयों ने भी अपने खातों को लेकर बैंक से संपर्क किया। जांच के दौरान इन खातों में भी इसी तरह की विसंगतियां सामने आईं। बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल चंडीगढ़ शाखा में संचालित हरियाणा सरकार से जुड़े एक विशेष समूह के खातों तक सीमित है। शाखा के अन्य ग्राहकों के खातों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है।

कितनी राशि संदिग्ध?

संबंधित खातों के सामंजस्य के दौरान लगभग 590 करोड़ की राशि संदिग्ध पाई गई है। हालांकि, कथित फ्रॉड की सटीक समयावधि अभी स्पष्ट नहीं है। बैंक ने कहा है कि इसका निर्धारण स्वतंत्र बाहरी जांच के बाद किया जाएगा।

किन पर है संदेह?

फाइलिंग के मुताबिक, प्रथम दृष्टया संलिप्त व्यक्ति चंडीगढ़ शाखा में तैनात वे कर्मचारी हैं जो हरियाणा राज्य सरकार से जुड़े खातों को संभाल रहे थे। बैंक ने यह भी संकेत दिया है कि इस मामले में अन्य बाहरी व्यक्तियों या काउंटरपार्टी की संभावित भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। बैंक का कहना है कि वास्तविक वित्तीय प्रभाव का आकलन आगे की जांच, दावों के सत्यापन और संभावित रिकवरी के बाद ही किया जाएगा।

बैंक ने अब तक क्या कार्रवाई की?

नियामकीय और कानूनी कदम उठाए हैं। बैंक ने अपने नियामक को मामले की सूचना दे दी है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। अन्य संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी शिकायत भेजी जा रही है। जांच एजेंसियों को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया है। बैंक ने एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो मामले की फोरेंसिक ऑडिट करेगी। साथ ही वैधानिक ऑडिटरों को भी सूचित कर दिया गया है।

आंतरिक कार्रवाई

बैंक की तरफ से चार संदिग्ध अधिकारियों को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है। दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक, सिविल और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। 20 फरवरी को फ्रॉड मामलों की निगरानी के लिए गठित बोर्ड की विशेष समिति की बैठक बुलाई गई। 21 फरवरी को ऑडिट कमेटी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक कर मामले की जानकारी साझा की गई। बैंक ने कुछ लाभार्थी बैंकों को रिकॉल अनुरोध भेजकर संदिग्ध खातों में उपलब्ध राशि पर लियन मार्क करने का अनुरोध किया है।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक से मारपीट: विधायक उमेश शर्मा ने जताया अफसोस

देहरादून, 22 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने शनिवार को शिक्षा निदेशालय में हुई घटना पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा है कि, ये घटना जाने अनजाने में हुई है। वह घटना से संबंधित सभी पक्षों से माफी मांगते हैं। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने बयान जारी करते हुए कहा कि वो अपने क्षेत्र में एक विद्यालय के लिए डेढ़ बीघा जमीन दान देने वाले परिवार के साथ, विद्यालय का नामकरण संबंधित दानदाता पदम सिंह रावत के नाम पर करने की मांग को लेकर शिक्षा निदेशालय गए थे।

इस दौरान उनके साथ संबंधित परिवार के लोग भी थे, चूंकि यह प्रकरण काफी समय से लंबित था, तो बातचीत के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा कि वो जनप्रतिनिधि होने के नाते, विवाद शांत कराने का भरसक प्रयास करते रहे, इस बीच जाने अनजाने में यह घटना हो गई, जिस पर वो खेद व्यक्त करते हैं। विधायक उमेश शर्मा काऊ ने कहा कि उन्हें जनहित के कार्यों में हमेशा अधिकारी, कर्मचारियों का सहयोग मिला है, उन्होने भी हमेशा अधिकारी कर्मचारियों को उचित सम्मान दिया है।

शरद पवार फिर से हुए अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) शरद पवार आज पुणे के रूबी अस्पताल पहुंचे। यहां पर उन्होंने रूटीन चेक-अप कराया। उल्टी की शिकायत की वजह से उन्हें डिहाइड्रेशन हो गया था। ऐसे में डॉक्टरों ने उन्हें अगले दो दिनों तक पुणे के रूबी अस्पताल रहने की सलाह दी।

फिलहाल वो हॉल क्लिनिक में भर्ती रहेंगे। उनका ब्लड टेस्ट और सीटी स्कैन भी कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, सभी रिपोर्ट सामान्य (नॉर्मल) आई हैं। शरद पवार के साथ उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी अस्पताल में मौजूद हैं। 85 साल के नेता को

पिछले हफ्ते उसी हॉस्पिटल में लाया गया था, क्योंकि उन्हें सांस लेने में दिक्कत और लगातार खांसी की शिकायत थी। आगे की जांच से पता चला कि नेता को सीने में इन्फेक्शन था। इस वजह से उन्हें कुछ दिनों तक सुपरविजन में रखा गया था। वरिष्ठ नेता शरद पवार को पिछले शनिवार को उनके घर वापस लाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें तीन से चार दिन आराम करने की सलाह दी थी।

लिक्विड की है कमी

डॉ। पुरवेज ग्रांट चीफ कार्डियोलॉजिस्ट ने कहा कि शरद पवार को आज हल्के डिहाइड्रेशन के कारण रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया। उन्हें लिक्विड की जरूरत है। उनकी हालत स्थिर है। वे 2 दिन तक रूबी हॉल क्लिनिक में रहेंगे और फिर उन्हें घर भेज दिया जाएगा।

सभी को किया शुक्रिया

शरद पवार के हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा था कि वो वह घर पर आराम करेंगे और उसके बाद अपना रोज का काम फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने पवार की तरफ से रूबी हॉल क्लिनिक के सभी डॉक्टरों का शुक्रिया भी अदा किया था। सुले ने आगे लिखा कि शरद पवार की सेहत के बारे में पूछने के लिए सभी का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। वह रूबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों, नर्सों और सपोर्टिंग स्टाफ का भी दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। जिन डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और उनकी देखभाल की।

बंगाल चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम: तारीखों के ऐलान से पहले तैनात होंगी केंद्रीय बलों की कंपनियां

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। हालांकि चुनाव की घोषणा से पहले ही चुनाव आयोग केंद्रीय बलों की तैनाती शुरू करने जा रहा है। यह राज्य के इतिहास में एक अभूतपूर्व कदम है। केंद्रीय बलों की तैनाती दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण में 1 मार्च को 240 कंपनियों की टुकड़ी राज्य में पहुंचेगी। इसके बाद शेष बलों की तैनाती 10 मार्च को की जाएगी। आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य प्रशासन को पत्र भेजकर सूचित किया है कि चुनाव से पहले राज्य में 480 कंपनियों की केंद्रीय बलों की तैनाती की जाएगी। सीईओ कार्यालय में सोमवार को केंद्रीय बलों की शीघ्र तैनाती को लेकर बैठक होने वाली है। एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होने वाली है और इसके अगले ही दिन केंद्रीय बलों की तैनाती शुरू होने जा रही है। 2021 के विधानसभा चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की 1100 कंपनियां तैनात की गई थीं और आठ चरणों में मतदान संपन्न हुआ था। चुनाव आयोग ने राज्य प्रशासन को संवेदनशील और जोखिम वाले बूथों की पहले से पहचान करने को कहा था। बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान कई स्थानों पर हिंसा की कई घटनाएं देखने को मिली हैं। विपक्ष ने सभी मामलों में पुलिस की निष्क्रियता के गंभीर आरोप लगाए हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों से पता चला है कि इस बार भी चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में हिंसा मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। हालांकि आदर्श आचार संहिता से पहले केंद्रीय बलों की तैनाती राज्य में अभूतपूर्व है। आयोग के कुछ वरिष्ठ चुनाव अधिकारियों ने कहा कि बलों की शीघ्र तैनाती से उन्हें इलाके पर नियंत्रण और आम लोगों में विश्वास पैदा करने में मदद मिलेगी।

खाकी वर्दी में रील बनाना पड़ेगा भारी! महाराष्ट्र पुलिस ने जवानों के लिए जारी किए सख्त निर्देश

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के इस दौर में जिसे देखो वह रील बनाने में लगा हुआ है। ऐसे में वर्दीधारियों के लिए वर्दी की गरिमा और सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। महाराष्ट्र पुलिस फोर्स के 51,000 जवानों को यूनिफॉर्म में रील, मिनी-व्लॉग या अन्य सोशल मीडिया वीडियो पोस्ट करने से तुरंत रोका गया है। यह आदेश 19 फरवरी को जारी किया गया। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त डिसिप्लिनरी एक्शन की चेतावनी भी दी गई है।

क्या है पूरा मामला

स्पेशल ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर दत्तात्रेय कांबले द्वारा जारी सर्कुलर में स्पष्ट कहा गया है कि कई कर्मचारी यूनिफॉर्म में सोशल मीडिया कंटेंट बनाकर अपलोड कर रहे थे। इन वीडियो में अक्सर ऑफिस की लोकेशन, सरकारी वाहन और आधिकारिक उपकरण दिखाई दे रहे थे। सर्कुलर में यह भी उल्लेख किया गया कि कुछ मामलों में ड्यूटी से जुड़ी

संवेदनशील जानकारियां या बैकग्राउंड अनजाने में सामने आ रहे थे। इससे विभाग की छवि और सुरक्षा दोनों पर असर पड़ सकता है।

अधिकारियों के अनुसार, ऐसे वीडियो से प्राइवेसी और ऑपरेशनल सिक्योरिटी को खतरा हो सकता है। सरकारी परिसरों, हथियारों या रणनीतिक गतिविधियों की झलक सार्वजनिक होना सुरक्षा जोखिम माना गया है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए "खाकी स्वैग" जैसे ट्रेंड को भी इस फैसले के बाद रोक लगने की संभावना है। विभाग का मानना है कि वर्दी की गरिमा और अनुशासन बनाए रखना प्राथमिक जिम्मेदारी है।

निगरानी और सख्त कार्रवाई

इस आदेश के अनुपालन के लिए मुंबई पुलिस सोशल मीडिया लैब को अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में रिपोर्ट तैयार कर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इस मुद्दे को पहले विधानसभा में कुछ विधायकों द्वारा उठाया गया था। अब विभागीय स्तर पर स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि भविष्य में यूनिफॉर्म में सोशल मीडिया पोस्ट पूरी तरह नियंत्रित किए जा सकें।

युवती ने ठुकराया शादी का प्रस्ताव, सनकी युवक ने लड़की के घर में लगाई आग

कुल्लू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जिला कुल्लू के उपमंडल आनी की ग्राम पंचायत कुठेड़ के कटाहर गांव में एक युवक ने शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने से आक्रोशित होकर लड़की के घर में आग लगा दी। गनीमत रही कि पड़ोसियों की सतर्कता के कारण लड़की के परिवार के सदस्य मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकल आए। पीड़ित राजेश कुमार, पुत्र कृष्ण लाल निवासी कटाहर (तांदी) ने पुलिस को बताया कि पंकज शर्मा नामक युवक उनकी बेटी से शादी करने का दबाव बना रहा था। जब परिवार ने इस रिश्ते से इनकार कर दिया, तो उसने दो दिन पहले ही दूरभाष के माध्यम से धमकी दी थी। आरोपित ने साफ शब्दों में कहा था कि यदि उसकी शादी राजेश की बेटी से नहीं करवाई गई, तो वह पूरे परिवार को घर के अंदर ही आग लगाकर राख कर देगा। रात उसने अपनी इस खौफनाक धमकी को अंजाम दे डाला।

स्टालिन के अधिकार छीने जाने वाले बयान पर भाजपा का पलटवार, डीएमके सरकार पर लगाए ये आरोप

चेन्नई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में केंद्र बनाम राज्य की बहस एक बार फिर तेज हो गई है। भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह राज्य में अधिकार छीने जाने की कृत्रिम कहानी गढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि यह सब प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। नामक्कल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। तमिलिसाई ने कहा कि मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि केंद्र सरकार कृत्रिम आर्थिक योजना और आर्थिक मंदी ला रही है। लेकिन हकीकत यह है कि राज्य में किसी के अधिकार नहीं छीने जा रहे। उन्होंने कहा कि स्टालिन ऐसा माहौल बना रहे हैं जैसे तमिलनाडु के साथ अन्याय हो रहा हो, जबकि वित्तीय नीतियां पूरे देश में एक जैसी लागू होती हैं।

उन्होंने इसे माया और मृगमरीचिका बताया। तमिलिसाई ने कहा कि राज्य के विकास के लिए डबल इंजन सरकार ही समाधान है। उनका कहना है कि जब केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होती है, तो विकास की गति तेज होती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा केंद्र में सत्ता में है और अब तमिलनाडु में भी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जनता की समस्याओं का ठोस समाधान देगा।

केंद्र से टकराव पर सवाल

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री पर केंद्र सरकार के साथ लगातार टकराव की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में अलग-अलग राज्यों के लिए अलग वित्तीय नीति नहीं होती। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के लिए एक ही नीति लागू होती है। ऐसे में यह कहना कि राज्य के साथ भेदभाव हो रहा है, सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा इस तरह के बयानों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

राजनीतिक माहौल गरम

तमिलिसाई ने यह बयान पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र के लिए सुझाव लेने के बाद दिया। उनका कहना है कि भाजपा राज्य में मजबूत विकल्प बनकर उभर रही है। दूसरी ओर डीएमके सरकार का कहना है कि वह राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठा रही है। इस बयानबाजी से तमिलनाडु की सियासत में गर्मी बढ़ गई है और आने वाले चुनावों से पहले माहौल और तीखा होने की संभावना है।

महिलाओं-बच्चों, मस्जिद-मदरसों पर हमला, 20 से ज्यादा की मौत

पाक की बमबारी पर भड़का तालिबान बदला लेने की धमकी

इस्लामाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सात ठिकानों पर हमले किए हैं। इसे लेकर अफगानिस्तान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। अफगानिस्तान की ओर से कहा गया है कि इस हमले में दर्जनों लोगों की मौत हुई है। अपनी जान गंवाने वालों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अफगानिस्तान ने हमले का बदला लेने की धमकी दी है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के हमलों का समय पर, उचित और सोच-समझ कर जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान के हमलों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर आतंकी समूहों को निशाना बनाने का दावा किया है, जिन्हें वह पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराता है। पाकिस्तान के हमलों में अब तक 20 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है।

समय पर और उचित जवाब दिया जाएगा: अफगानिस्तान

पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बमबारी से बढ़ा तनाव

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के हवाले से खबर दी है।

इसके मुताबिक, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने पक्तिका और नंगरहार प्रांतों में पाकिस्तानी सेना के हमलों के जवाब में समय पर, उचित और सोची-समझी प्रतिक्रिया देने की चेतावनी दी है।

मंत्रालय की ओर से इन हमलों को अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून, अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों और इस्लामी मूल्यों का स्पष्ट उल्लंघन बताया है।

साथ ही मंत्रालय ने कहा कि नागरिक और धार्मिक केंद्रों पर हमले पाकिस्तानी सेना की खुफिया और सुरक्षा विफलताओं का साफ प्रमाण हैं और यह भी कहा कि आक्रामकता के ये बार-बार किए गए कृत्य उनकी विफलताओं को कभी नहीं छुपा पाएंगे।

वहीं अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगान इलाकों का उल्लंघन किया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने नंगरहार और पक्तिका प्रांतों में नागरिकों पर बमबारी की है, जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों लोग शहीद हो गए। मुजाहिद के अनुसार, पाकिस्तानी जनरल अपने देश में सुरक्षा संबंधी विफलताओं की भरपाई ऐसे अपराधों के जरिए कर रहे हैं।

खुफिया जानकारी के आधार पर हमले: तरार

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने लिखा कि सेना ने पाकिस्तानी तालिबान (जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से भी जाना जाता है) और उसके सहयोगी संगठनों के सात ठिकानों पर खुफिया जानकारी के आधार पर हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाके में इस्लामिक स्टेट समूह के एक सहयोगी संगठन को भी निशाना बनाया गया। तरार ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। पाकिस्तान ने पिछले साल अक्टूबर में अफगानिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए हमले किए थे।

आत्मघाती हमलों के जवाब में पाक की एयर स्ट्राइक

यह ताजा घटनाक्रम अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में आत्मघाती हमलावर द्वारा विस्फोटकों से भरी गाड़ी को एक सुरक्षा चौकी की दीवार से टकराने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। विस्फोट के कारण परिसर का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें 11 सैनिक और एक बच्चा मारे गए थे। अधिकारियों ने बाद में बताया कि हमलावर एक अफगान नागरिक था। सीमा पर हुए इन ताजा हमलों से कुछ घंटे पहले उत्तर-पश्चिम में स्थित पास के बन्नू जिले में एक अन्य आत्मघाती हमलावर ने एक सुरक्षा काफिले को निशाना बनाया, जिसमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल सहित दो सैनिक मारे गए। हिंसा के बाद, पाकिस्तान की सेना ने चेतावनी दी थी कि वह कोई संयम नहीं बरतेगी और दोषियों के खिलाफ अभियान उनके ठिकाने की परवाह किए बिना जारी रहेगा। इस भाषा से इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़ते तनाव का संकेत मिलता है।

तरार ने किया पाकिस्तान के पास 'पुख्ता सबूत' का दावा

तरार ने कहा कि पाकिस्तान के पास पुख्ता सबूत हैं कि हाल के हमले अफगानिस्तान स्थित अपने नेतृत्व और आकाओं के इशारे पर काम करने वाले आतंकवादियों द्वारा किए गए थे। इन हमलों में इस महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती हमला भी शामिल है

ग्रीस के समुद्र में ओवरलोडेड नाव पलटी, 5 प्रवासियों की मौत व 20 लापता

ग्रीस, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रीस के सबसे बड़े द्वीप क्रीट के दक्षिण में तड़के प्रवासियों से भरी एक लकड़ी की नाव पलट गई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 20 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। ग्रीक प्रसारक ईआरटी के अनुसार, हादसा काला लिमेना से करीब 15 समुद्री मील (27 किमी) दूर हुआ। बताया गया कि राष्ट्रीय खोज एवं बचाव केंद्र द्वारा भेजे गए एक वाणिज्यिक जहाज के पास पहुंचते ही नाव में सवार लोग सीढ़ी पकड़ने के लिए एक तरफ इकट्ठा हो गए, जिससे अत्यधिक भीड़ के कारण नाव पलट गई।

पनामा ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज ने 20 लोगों को बचाया। हेलेनिक तटरक्षक बल और यूरोपीय संघ की सीमा एजेंसी फ्रोंटेक्स ने तीन शव बरामद किए, जबकि दो अन्य शव बाद में समुद्र में मिले। बचे हुए लोगों ने बताया कि नाव में लगभग 50 लोग सवार थे। खोज और बचाव अभियान जारी है, जिसमें तटरक्षक पोत, वाणिज्यिक जहाज, हेलीकॉप्टर और सैन्य विमान तैनात हैं। इससे पहले इसी महीने ग्रीस-तुर्की सीमा पर स्थित एवरॉस नदी के पास दो प्रवासियों के शव मिले थे। अधिकारियों के अनुसार, अत्यधिक ठंड के कारण हाइपोथर्मिया से उनकी मौत की आशंका है।

चीनी पर्यटकों से भरी बस बर्फ में धंसी, 8 की मौत

कीव, 22 फरवरी (एजेंसियां)। रूस में चीनी पर्यटकों को ले जा रही एक बस बैकाल झील की बर्फ में धंस गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर इगोर कोबजेव ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में लिखा कि हुई इस घटना में जमी हुई झील को पार कर रही बस से एक चीनी पर्यटक बचने में कामयाब रहा।

गवर्नर ने बताया कि मृतकों में सात चीनी पर्यटक और बस का चालक शामिल हैं। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि बचाव दल ने अभियान शुरू करने से पहले पानी के भीतर के कैमरों का इस्तेमाल किया। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि बस बर्फ में बनी करीब तीन मीटर चौड़ी दरार (आइस फिशर) में गिर गई और देखते ही देखते पानी में डूब गई। बचाव दल ने अंडरवॉटर कैमरे की मदद से झील के भीतर जांच की। करीब 18 मीटर गहराई में बस मिली। जांच के दौरान आठ लोगों के शव बरामद किए गए।

इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक पर्यटक बस के पूरी तरह डूबने से पहले बाहर निकलने में सफल रहा। हालांकि, बाकी लोग बस के अंदर ही फंसे रह गए और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। अधिकारियों ने मृतकों की राष्ट्रीयता का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया, लेकिन गवर्नर ने कहा कि वे विदेशी नागरिक थे। उन्होंने यह भी बताया कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के वाणिज्य दूतावास को इस घटना की सूचना दे दी गई है।

लेबनान में इस्राइली हमला: 10 आतंकियों की मौत

बेरूत, 22 फरवरी (एजेंसियां)। इस्राइल ने आज एक बार फिर से हिजबुल्ला पर हमला कर दिया है। इस्राइली हमले में हिजुबल्ला के 10 आतंकियों की मौत हो गई है। इस्राइली डिफेंस फोर्सेज ने लेबनान स्थित हिजबुल्ला कमांड सेंटर को निशाना बनाया। खुद आईडीएफ ने इस हमले की जानकारी दी है। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान में हमास के भी एक ठिकाने पर हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। नवंबर 2024 में इस्राइल और लेबनान के बीच हुए सीजफायर के बाद ये अब तक के सबसे घातक हमलों में से एक था।

आईडीएफ ने क्या कहा

आईडीएफ की ओर से मामले में एक बयान जारी किया गया है, जिसमें आईडीएफ ने बताया कि उन्होंने बेका घाटी के बालबेक इलाके में हिजबुल्ला की मिसाइल फोर्स से जुड़े तीन कमांड सेंटर पर हमला किया है। हमले में हिजबुल्ला के मिसाइल ग्रुप के ऑपरेटिव्स बड़ी संख्या में मारे गए। कथित तौर पर ये आतंकी इस्राइल के खिलाफ रॉकेट फायर और आतंकी हमलों की योजना पर काम कर रहे थे। कमांड सेंटर में होने वाली गतिविधियां नवंबर 2024 में हुए सीजफायर समझौते का उल्लंघन है।

हिजबुल्ला ने स्वीकारा इस्राइली हमला

हिजबुल्ला ने हमले में आठ आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी है। हिजबुल्ला के अनुसार, इस्राइली हमले में हुसैन मोहम्मद यागी भी मारा गया, वह कमांडर था। हिजबुल्ला ने कहा कि ये लोग लेबनान और उसके लोगों की रक्षा करते हुए इस्राइल के हमले में मारे गए। हिजबुल्ला के वरिष्ठ अधिकारी महमूद कमाती ने इस्राइली हमले को नया नरसंहार बताया है।

अलग हमले में हमास के भी दो आतंकी मारे गए

लेबनानी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइल के एक ड्रोन ने दक्षिणी शहर सिडोन के पास बने एक फलस्तीनी रिफ्यूजी कैंप को भी निशाना बनाया। इस हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। आईडीएफ के अनुसार, इस हमले में हमास के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया था। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मारे गए दोनों लोगों की पहचान हमास के सदस्यों के रूप में हुई है।

अमेरिकी सैनिक ने गोद ली थी ईरानी बच्ची, अब 52 साल बाद देश से क्यों निकाला जा रहा?

वॉशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसकी के बाद से अमेरिका में निर्वासनों कानूनों को सख्त कर दिया गया है। 1970 के दशक में एक अमेरिकी सैनिक ने ईरान के एक अनाथालय से एक बच्ची को गोद लिया था, आज करीब 52 साल बाद उसे अमेरिकी प्रशासन से निर्वासन की धमकी का सामना कर पड़ रहा है। अमेरिकी सैनिक ने 4 साल की उम्र में इस महिला को गोद लिया था और एक ईसाई की तरह बढ़ा किया।

अब महीला की उम्र 50 साल है और ईरान वापस भेजे जाने का डर सता रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति के बीच उसके लिए यह खतरा और भी बढ़ गया है। यह समस्या हजारों अंतरराष्ट्रीय गोद लिए गए बच्चों के साथ हो रही है, जिनके अमेरिकी माता-पिता ने उन्हें नागरिकता दिलाने की सही कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं की थी। महिला 1970 के दशक में सिर्फ 4 साल की थी जब एक अमेरिकी युद्ध वयोवृद्ध (वेटरन) ने उसे ईरान के एक अनाथालय से गोद लिया था। वह उसे अमेरिका ले आया और उसने उसे एक ईसाई की तरह पाला। महिला खुदको अमेरिकी नागरिक मानती है।

उसने कभी कोई अपराध नहीं किया, वह एक कंपनी में नौकरी करती है, टैक्स भरती है और कैलिफोर्निया में अपना घर है। फिर भी उसको ईरान वापस भेजा जा सकता है। हाल ही में उसे अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग से एक पत्र मिला, जिसमें उसे निर्वासन की कार्यवाही का सामना करने का आदेश दिया गया।

संसद का सामना क्यों नहीं करते राष्ट्रपति?

ट्रंप टैरिफ को कोर्ट से रद्द करवाने वाले नील कात्याल ने साधा निशाना

न्यूयॉर्क, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अदालती झटके के बाद अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर 15 फीसदी टैरिफ दुनिया भर के देशों पर लगा दिया है। ट्रंप टैरिफ ऑर्डर को अदालत में चुनौती देकर जीत हासिल करने वाले भारतीय मूल के वकील नील कात्याल ने नए आदेश को लेकर उनकी आलोचना की है। कात्याल ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति को अब टैरिफ लगाना है तो उन्हें संसद से मंजूरी लेनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ खारिज करने के बाद उन्हें कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

अगर उन्हें टैरिफ सही लगता है तो वो संसद क्यों नहीं जाते। संविधान यही कहता है कि राष्ट्रपति को ऐसे फैसलों में संसद की मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रेसिपोकल टैरिफ को असंवैधानिक बताकर खारिज कर दिया था। इसके बाद ट्रंप ने सेक्शन 122 का इस्तेमाल कर सभी देशों पर 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर दिया था, जिसे 10 घंटों के भीतर बढ़ाकर 15 फीसदी करने की घोषणा भी कर दी। नील कात्याल और उनके सहयोगी प्रतीक शाह ने ट्रंप के टैरिफ ऑर्डर के मामले में जोरदार तरीके से पैरवी की थी।

भारतीय मूल के नील कात्याल प्रतिष्ठित अमेरिकी वकील और कानूनी विशेषज्ञ हैं। वो ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिका के पूर्व कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल भी रहे हैं। यह अमेरिका के न्याय विभाग में एक बहुत ही प्रभावशाली पद होता है, जो सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखता है। सुपरस्टार लॉयर कहे जाने वाले कात्याल के नाम अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक बार बहस की है।किसी भी अन्य भारतीय-अमेरिकी या अल्पसंख्यक वकील की तुलना में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में सबसे ज्यादा बार पैरवी की है।

तुर्की नाटो की छतरी के नीचे कभी भी बना सकता है परमाणु बम भारत को चिंता करनी चाहिए

अंकारा/वॉशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो ने एक बार लिखा था कि एक हिंदू बम है, एक यहूदी बम है और एक ईसाई बम है। एक इस्लामिक बम जरूर होना चाहिए। भारत के 1974 के न्यूक्लियर टेस्ट के बाद उन्होंने कहा था कि हम पत्ते और घास खाएंगे भूखे भी रहेंगे लेकिन हम अपना एक बम जरूर बनाएंगे। भारत के तो परमाणु हथियार बनाने की वजह चीन था जिसने 1962 में हमला किया था और लद्दाख के 38,000 वर्ग किलोमीटर हिस्से पर कब्जा कर लिया था लेकिन पाकिस्तान की वजह मजहब, इस्लामिक दुनिया का नेता बनने जैसा मकसद था।

अमेरिका से भारी तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दागी सय्याद-3 जी मिसाइल

समंदर में भड़की विद्रोह की आग

तेहरान, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से परमाणु वार्ता के बीच जारी भयंकर तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सय्याद-3जी मिसाइल दाग कर खलबली मचा दी है। इस मिसाइल का परीक्षण इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी के स्मार्ट कंट्रोल ऑफ द स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ने अभ्यास के दौरान किया है।

सय्याद-3 जी मिसाइल को शहीद सय्याद शिराजी युद्धपोत से लॉन्च किया गया, जो शहीद सोलेमानी-क्लास का तीसरा जहाज है। यह क्लास जनरल कासिम सोलेमानी के नाम पर है, जिनकी 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर ड्रोन हमले में हत्या कर दी गई थी। यह मिसाइल सय्याद-3 का नौसैनिक वैरिएंट है, जिसमें वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (वीएलएस) है।

इसकी रेंज लगभग 150 किलोमीटर बताई जाती है। यह फाइटर जेट्स, ड्रोन्स, पैट्रोल एयरक्राफ्ट और कुछ क्रूज मिसाइलों को स्वतंत्र रूप से डिटेक्ट और नष्ट कर सकती है। शहीद सय्याद शिराजी जहाज पर छह ऐसी मिसाइलों के लिए बड़े वीएलएस साइलो हैं, जिससे ये जहाज मोबाइल एयर डिफेंस हब बन जाते हैं। इससे जहाजों के चारों ओर 150 किमी का एयर डिफेंस बबल बनता है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में ईरान की समुद्री रक्षा क्षमता को मजबूत करता है।

ईरान ने यह परीक्षण ऐसे वक्त में किया है, जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ बढ़ते तनाव चरम पर है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि उसके क्षेत्र पर एक भी हमला हुआ या गोलीबारी की गई तो वह अमेरिकी संपत्तियों और हितों पर भारी और निर्णायक जवाबी कार्रवाई करेगा।

आईआरजीसी अधिकारियों ने कहा कि यह मिसाइल शहीद सोलेमानी-क्लास जहाजों के लिए क्षेत्रीय एयर डिफेंस छत्र प्रदान करती है, जो ईरान की समुद्री रणनीति में नया मोड़ है। यह विकास ईरान की असीमित युद्ध क्षमता को बढ़ाता है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका क्षेत्र में सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है।

पूरे मिडिल ईस्ट पर इजरायल का हक? अमेरिकी एम्बेसडर के बयान से भड़का मुस्लिम वर्ल्ड

वॉशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी एम्बेसडर माइक हकबी के एक बयान ने पूरे मिडिल ईस्ट में खलबली मचा दी है। हकबी ने एक इंटरव्यू के दौरान कह दिया कि इजरायल का 'बाइबिल' के हिसाब से पूरे इलाके पर हक है और अगर वह इस पर कब्जा कर ले, तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। इस बयान के बाद अरब देशों ने मोर्चा खोल दिया है और इसे 'खतरनाक' बताया है। दरअसल, माइक हकबी ने मशहूर पॉडकास्टर टकर कार्लसन को एक इंटरव्यू दिया था। इस बातचीत में कार्लसन ने बाइबिल के एक हिस्से का जिक्र किया, जिसमें लिखा है कि ईश्वर ने अब्राहम के वंशजों को मिस्र (इजिप्ट) की नील नदी से लेकर सीरिया और इराक की यूफ्रेट्स नदी तक की जमीन देने का वादा किया था। कार्लसन ने बताया कि आज के नक्शे के हिसाब से इसमें इजरायल के साथ जॉर्डन, सीरिया, लेबनान और सऊदी अरब-इराक के बड़े हिस्से आ जाते हैं।

जब कार्लसन ने पूछा कि क्या इजरायल का इन सब पर हक है, तो एम्बेसडर हकबी ने कहा कि अगर वे यह सब ले लेते हैं, तो यह बिल्कुल ठीक होगा। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी बात को थोड़ा संभालते हुए कहा कि इजरायल असल में यह सब मांग नहीं रहा है और उनका पिछला बयान थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर दिया गया था। उन्होंने यह भी साफ किया कि इजरायल वह जमीन है जिसे ईश्वर ने अब्राहम के जरिए अपने चुने हुए लोगों को दिया था।

मुस्लिम देशों ने जताई कड़ी आपत्ति

यूएई के विदेश मंत्रालय के अनुसार, 12 से ज्यादा मुस्लिम देशों और तीन बड़े संगठनों (ओआईसी, अरब लीग और जीसीसी) ने एक साझा बयान जारी कर इसकी आलोचना की है। बयान में कहा गया है कि हकबी की बातें अंतरराष्ट्रीय

कानूनों और संयुक्त राष्ट्र (संयुक्त राष्ट्र) के चार्टर के खिलाफ हैं। सऊदी अरब ने इसे 'गैर-जिम्मेदाराना' बताया, जबकि जॉर्डन ने इसे अपनी संप्रभुता पर हमला करार दिया। मिस्र ने साफ कर दिया कि इजरायल का किसी भी अरब जमीन पर कोई हक नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह इंटरव्यू इजरायल में रिकॉर्ड किया गया था। इस दौरान टकर कार्लसन ने दावा किया कि तेल अवीव एयरपोर्ट पर उनके साथ 'अजीब' बर्ताव किया गया। हालांकि, इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि उनके साथ सिर्फ रूटीन सिक्योरिटी चेक हुआ था। इजरायल के पूर्व पीएम नफ्ताली बेनेट ने तो कार्लसन को 'फर्जी' तक कह दिया। हकबी ने भी सोशल मीडिया पर साफ किया कि सिक्योरिटी चेक सबके लिए बराबर होता है। फिलहाल फिलीस्तीन अथॉरिटी ने कहा है कि हकबी का यह बयान डोनाल्ड ट्रंप की उस पॉलिसी के खिलाफ है जिसमें वे वेस्ट बैंक को इजरायल में मिलाने के विरोध में थे। यह पूरा विवाद ऐसे समय में हुआ है जब गाजा में तनाव पहले से ही बहुत ज्यादा है। हकबी ने बाकी बातों पर सफाई तो दी, लेकिन जमीन वाले कमेंट पर अब तक दोबारा कुछ नहीं कहा है।

चीन ने हिंद महासागर में 6 महीने में छठी बार भेजा जासूसी जहाज

मालदीव की तरफ बढ़ रहा 'दा यांग हाओ', क्या है मकसद?

बीजिंग/माले, 22 फरवरी (एजेंसियां)। चीन का एडवांस रिसर्च जहाज हिंद महासागर में एक बार फिर से दाखिल हो चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक दा यांग हाओ नाम के इस जहाज ने मालदीव और मॉरीशस के पोर्ट लुइस को अपना गंतव्य स्थान बताया है। यह जहाज समुद्री रिसर्च के लिए एक ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल से लैस है। अक्टूबर 2025 के बाद से इस इलाके में आने वाला यह छठा चीनी जासूसी जहाज है। इसीलिए सवाल ये हैं कि आखिर चीन हिंद महासागर में क्या तलाश रहा है? अकसर जब भारत किसी मिसाइल का परीक्षण करने वाला होता है तब भी चीन उसके बारे में जानकारियां जुटाने अपने जासूसी जहाजों को हिंद महासागर में भेज देता है।

चीन एक सामान्य वैज्ञानिक रिसर्च के लिए जहाजों को नहीं भेजता है। बल्कि इसके पीछे रणनीतिक कारण और जासूसी होता है। वो हिंद महासागर का मानचित्रण कर रहा है। हिंद महासागर में चप्पे-चप्पे पर क्या है, उसकी जानकारी जुटा रहा है।

दा यांग हाओ रिसर्च जहाज की क्षमताएं क्या हैं?

दा यांग हाओ, चीन के सबसे एडवांस जासूसी जहाजों में शामिल है। ये एक अत्याधुनिक महासागर सर्वेक्षण जहाज है। ये एयूवी यानि ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल से लैस रहता है, जो छोटी मानवरहित पनडुब्बियां होती हैं। ये समंदर के अंदर 6000 मीटर की गहराई तक जा सकती हैं और रिसर्च कर सकती हैं। यह समुद्र के नीचे की जमीन का हाई-रिजॉल्यूशन नक्शा बना सकता है। इसमें उन्नत सोनार और ऐसे उपकरण लगे हैं जो समुद्री पानी की लवणता, तापमान और गहराई में ध्वनि की गति को मापने का काम करते हैं। इसका फायदा चीन को उस वक्त हो सकता है जब युद्ध छिड़ने की आशंका हो। उसके पास पहले से ही हिंद महासागर की जानकारियां होंगी और वो अपनी पनडुब्बियों को उस हिसाब से ऑपरेट कर सकता है।

हिंद महासागर में पहुंचने का मकसद क्या हो सकता है?

चीन हर बार जब हिंद महासागर में अपने जासूसी जहाजों को भेजता है तो वो इसके पीछे वैज्ञानिक शोध को वजह बताता है। वो खनिज की खोज करने की भी बात करता है। दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर में चीन के पास 'पॉलीमेटालिक सल्फाइड' की खोज के लिए लाइसेंस है। जहाज का लक्ष्य इन संसाधनों का पता लगाना भी हो सकता है। मालदीव में चीन समर्थक सरकार होने की वजह से वहां इन जहाजों को पोर्ट एक्सेस आसानी से मिल रहा है।

भारत के लिए चिंता की बात क्या हो सकती है?

चीन के ये रिसर्च जहाज गहरे समंदर के नीच कई तरह का डेटा हासिल करते हैं, जैसे तापमान, घनत्व और सटीक नक्शा। इससे चीनी पनडुब्बियों के लिए हिंद महासागर के रास्तों को सुरक्षित बनाने में मदद मिलती है। इससे उन्हें भारतीय और अमेरिकी रडार से बचने में भी आसानी होती है। इसके अलावा अक्सर देखा गया है कि जब भारत ओडिशा तट से अपनी मिसाइलों का परीक्षण करने के लिए नोटम जारी करता है तो ऐसे चीनी जहाज आसपास मंडराने लगते हैं ताकि वे डेटा इंटरसेप्ट कर सकें। अक्टूबर 2025 से अब तक चीन अपने 6 जासूसी जहाजों को हिंद महासागर में भेज चुका है, जिससे पता चलता है कि वो इस क्षेत्र में कितनी आक्रामकता के साथ पांव फैलने की कोशिश कर रहा है।

जगन्नाथ मंदिर, हैदराबाद

तेलंगाना राज्य की राजधानी हैदराबाद में स्थित जगन्नाथ मंदिर एक आधुनिक मंदिर है, जो ओड़िया समुदाय द्वारा बनाया गया था। यह मुख्यतः भगवान जगन्नाथ को समर्पित है। यह मंदिर बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 (बारह) के पास स्थित है जो अपने वार्षिक रथयात्रा उत्सव के लिए प्रसिद्ध है जिसमें हजारों की संख्या में भक्तगण शामिल होते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर की रचनाकृति पुरी (ओडिशा) के मूल जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति है। इस मंदिर को पुरी मंदिर की ही शैली में बनाया गया है। हालांकि, दोनों मंदिरों का आकार अलग-अलग है। इस मंदिर का सबसे आकर्षक हिस्सा इसका शिखर है जिसकी ऊंचाई लगभग 70 फीट है। बलुआ पत्थर के उपयोग के कारण मंदिर का रंग लाल है (लगभग 600 टन ओडिशा से लाए गए थे जो इस पूरी वास्तुकला का निर्माण करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है) और लगभग 60 पत्थर के नक्काशीदारों को इस मंदिर को तराशने का आशीर्वाद मिला है। बुरी आत्माओं को भगाने के लिए मंदिर के बाहर कामुक मूर्तियाँ भी पाई जाती हैं। गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ के साथ उनके भाई-बहन भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा विराजमान हैं।

यह मंदिर 'कलिंग कल्चरल ट्रस्ट' द्वारा बनाया गया है और इसे मार्च 2009 में प्रतिष्ठित किया गया। हैदराबाद में वर्तमान स्थान पर मंदिर का विचार 1992 में उड़िया के एक छोटे समूह द्वारा भगवान जगन्नाथ की सर्वोच्च अभिव्यक्ति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के प्रतीक के प्रति गहरी श्रद्धा रखने के लिए रखा गया था।

परिणामस्वरूप 2004 में भव्य मंदिर का निर्माणकार्य शुरू हुआ। 100 से भी अधिक समर्पित श्रमिकों ने लगभग पांच वर्षों तक मेहनत की और यह कार्य मार्च 2009 में पूरा हुआ। भगवान गणेश, अंजनेय स्वामी, मां विमला, मां लक्ष्मी, भगवान शिव, हनुमान और नवग्रहों के लिए मुख्य मंदिर का निर्माण किया गया। जगन्नाथ मंदिर के निर्माण के इतिहास, दशा, अवतार और विभिन्न रूपों और अवस्थाओं में भगवान और देवी के रहस्यों और चमत्कारों से युक्त चाहरदीवारी पर पौराणिक और धार्मिक भित्ति चित्र शिक्षाप्रद और ज्ञानवर्धक हैं। इसके अलावा मंदिर की रोशनी को कलात्मक रूप से नियोजित किया गया है जो रात में काफी शानदार दिखता है।

चिलकुर बालाजी: हैदराबाद के तिरुपति

हैदराबाद की भव्यता से कुछ कदम दूर, प्रकृति की गोद में स्थित श्री चिलकुर बालाजी मंदिर भक्तों के लिए एक दिव्य शांति का केंद्र है। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह पावन स्थल अपनी अनूठी आध्यात्मिक छटा के कारण "हैदराबाद का तिरुपति" कहलाता है। विशेष हो जाता है जब विशेष पूजा-अनुष्ठानों और घंटों की मधुर ध्वनि से मंदिर गूंज उठता है। मन्दिर के एक पुजारी के अनुसार मंदिर का इतिहास लगभग 500 साल पुराना माना जाता है और इसकी स्थापना से जुड़ी एक रोचक कथा प्रचलित है कहा जाता है।

एक बार एक बहुत बड़े भक्त ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन की इच्छा से तिरुपति जाने का फैसला किया। लेकिन यात्रा के दौरान वह बीमार पड़ गए और हैदराबाद के पास चिलकुर नामक जगह पर रुक गए। उस रात भगवान बालाजी ने उनके सपने में आकर कहा कि उन्हें तिरुपति जाने की जरूरत नहीं है। भगवान ने कहा कि वह स्वयं इसी स्थान पर विराजमान होकर भक्त का कल्याण करेंगे। अगली सुबह भक्त ने सपने के अनुसार उस स्थान की खुदाई की और वहां पर भगवान वेंकटेश्वर की एक अत्यंत मनोहारी मूर्ति प्राप्त की। इसी मूर्ति की स्थापना करके इस मंदिर का निर्माण करवाया गया इस घटना के बाद से ही यह मान्यता फैल गई कि जो भक्त तिरुपति जाने का सामर्थ्य नहीं रखते उनके लिए भगवान स्वयं चिलकुर में प्रकट हुए हैं। इसीलिए इसे "हैदराबाद का तिरुपति" कहा जाने लगा।

मंदिर की विशेषताएं और आकर्षण

यह मंदिर शहर की भीड़-भाड़ से दूर, हरी-भरी पहाड़ियों और प्रकृति की गोद में बसा है। यहां का शांत और सुकून भरा माहौल दर्शनार्थियों को तुरंत आत्मिक शांति प्रदान करता है मंदिर दक्षिण भारतीय शैली में बना हुआ है जिसमें एक सुंदर गोपुरम और विशाल प्रांगण है।

मनोकामना पूर्ति

इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह मानी जाती है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है खासकर विवाह और नौकरी से जुड़ी मन्नतें। तिरुपति की तरह यहां भी मंदिर तक पहुंचने के लिए एक छोटी सी पहाड़ी चढ़नी पड़ती हैं इसे वादी कहते हैं। यह चढ़ाई भक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

मंदिर में दर्शन करने का अनुभव अद्वितीय है। भक्तों का कहना है कि यहां की शांति और सकारात्मक ऊर्जा सभी तनावों को दूर कर देती हैं। मंदिर परिसर में बैठकर प्रकृति की सुंदरता को निहारना और आरती में शामिल होना एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

कैसे पहुंचें और समय

हैदराबाद से लगभग 33 किमी दूर शमशाबाद मार्ग पर चिलकुर गांव में स्थित है यहां निजी वाहन, टैक्सी या बस से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सुबह लगभग 6:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और शाम को 4:00 बजे से रात 8:00 बजे तक यहां दर्शन किए जाते हैं।

होली के पावन पर्व से पहले घर से बाहर कर दें ये 5 चीजें

होली का पर्व साल 2026 में 4 मार्च के दिन मनाया जाएगा। हालांकि, होली की तैयारियां कुछ दिनों पहले से ही शुरू हो जाती है। हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोग होली से पहले ही घर की साफ-सफाई करके व्यवस्थित करने लग जाते हैं। होली से पहले की जाने वाली सफाई में आपको घर से कुछ चीजों को बाहर निकाल देना चाहिए, वास्तु के अनुसार इन चीजों का घर में होना शुभ नहीं माना जाता। इन चीजों के घर में होने से होली की पूजा के शुभ परिणाम आपको प्राप्त नहीं होती। आइए जान लेत हैं इन चीजों के बारे में।

होली से पहले घर से बाहर कर दें ये चीजें

सूखे पौधे- अगर आप होली की पूजा का शुभ लाभ पाना चाहते हैं और घर में सकारात्मक बदलाव चाहते हैं तो होली से पहले आपको तुलसी, मनी प्लांट आदि के सूखे पौधे घर से बाहर कर देने चाहिए। सूखे पौधे घर में नकारात्मकता फैलाते हैं और वास्तु के अनुसार भी इनका घर में होना शुभ नहीं माना जाता।

फटे-पुराने जूते चप्पल- होली के पावन पर्व से पहले आपको घर से फटे-पुराने जूते चप्पलों को बाहर कर देना चाहिए। अगर आप इन्हें घर में रखते हैं तो नकारात्मकता और मानसिक शांति का सामना आपको करना पड़ सकता है।

टूटा कांच- घर में टूटा हुआ कांच, शीशा आदि रखना भी शुभ नहीं होता। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो टूटा कांच सकारात्मक ऊर्जा को घर में आने से बाधित करता है। टूटा कांच वास्तु दोष भी उत्पन्न कर सकता है। ऐसे में होली के पावन पर्व से पहले आपको टूटा हुआ कांच भी घर से बाहर कर देना चाहिए।

टूटी मूर्तियां- होली के दिन देवी-देवताओं की विशेष पूजा की जाती है। इसलिए होली से पहले आपको देवी-देवताओं की खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को भी घर से बाहर कर देना चाहिए। इन मूर्तियों को आप जल में प्रवाहित कर सकते हैं, पीपल के पेड़ के पास रख कर आ सकते हैं या किसी मंदिर में रख कर आ सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक सामान- घर में अगर आप खराब पड़ी मशीनों या किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक सामान को रखते हैं तो इसकी वजह से राहु का बुरा असर घर पर पड़ सकता है। इसलिए होली से पहले खराब पड़े इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों को भी आपको बाहर कर देना चाहिए या फिर इन्हें ठीक करवा देना चाहिए।

2026 में 12 नहीं, 13 महीनों का होगा हिंदू नववर्ष

जहां पूरी दुनिया में नया साल 1 जनवरी को मनाया जाता है। वहीं हिंदू धर्म में नववर्ष की शुरुआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है। इस साल यह 19 मार्च को पड़ रही है। इस बार हिंदू नववर्ष की शुरुआत के साथ नव संवत्सर 2083 शुरू होगा। यह संवत्सर धार्मिक और पंचांग की दृष्टि से काफी खास माना जा रहा है। इस बार विक्रम संवत में 12 नहीं, 13 महीने होंगे।

ऐसे में यह जानना जरूरी है कि नव संवत्सर 2083 में क्या खास रहेगा? किस ग्रह का प्रभाव ज्यादा होगा? 13 महीने होने से आम लोगों की जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा?

नव संवत्सर 2083 कब और किस दिन से शुरू होगा?

बीएचयू के एस्ट्रोलॉजर प्रो. विनय पांडे के अनुसार, विक्रम संवत 2083 की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होगी। यह गुरुवार, 19 मार्च को पड़ेगी। 19 मार्च को ही देश के अलग-अलग हिस्सों में गुड़ी पड़वा और उगादी का पर्व मनाया जाएगा। इसके साथ ही चैत्र नवरात्रि की भी

शुरुआत होगी। यह हर साल चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि से ही शुरू होती है। चैत्र नवरात्रि इस बार 19 से शुरू होकर 27 मार्च तक चलेंगे।

क्यों खास है विक्रम संवत 2083?

विनय पांडे के अनुसार, विक्रम संवत 2083 इसलिए खास माना जा रहा, क्योंकि इस साल हिंदू कैलेंडर में एक अधिक महीना जुड़ जाएगा। यानी यह संवत्सर सामान्य 12 महीनों का नहीं, 13 महीनों का होगा। इस एक महीने को अधिक मास कहा जाता है। इसे मलमास या पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है।

प्रो. पांडेय के अनुसार, भारतीय कालगणना पद्धति में हम चैत्र-वैशाख आदि महीनों का व्यवहार चंद्र मान से, तो वर्ष का व्यवहार सौर मान से करते हैं। इसलिए सौर और चंद्रमा मान में सामंजस्य बैठाने के लिए हर तीसरे साल में एक अतिरिक्त महीना जुड़ जाता है। यही वजह है, विक्रम संवत 2083 धार्मिक और पंचांग की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पोलियो को मात देकर कैसे हवा से बातें करने लगी

धाविका विल्मा रुडोल्फ ?

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली विकलांग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के पति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया कि तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है ?

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली विकलांग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के पति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े।

तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन-सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो। लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली- सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। दृढ़ निश्चय सफलता की नींव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको चौंका दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमरीकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।

पूर्णिमा की रात क्यों बेचैन हो उठता है मन?

क्या सच में चंद्रमा बदल देता है व्यवहार?

रात के आसमान को देखते हुए अक्सर मन में एक सवाल उठता है-हम पृथ्वी पर रहते हैं, हमारी रोजमर्रा की चिंताएं, फैसले और भावनाएं यहीं बनती-बिगड़ती हैं, फिर लाखों-करोड़ों किलोमीटर दूर घूमते ग्रह हमारे जीवन पर असर कैसे डाल सकते हैं? ज्योतिष मानने वाले कहते हैं कि ग्रह-नक्षत्र केवल खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि ऊर्जा के स्रोत हैं जो मनुष्य के शरीर, मन और भाग्य को प्रभावित करते हैं। वहीं विज्ञान का नजरिया अलग है, लेकिन कुछ प्राकृतिक घटनाएं-जैसे चंद्रमा का ज्वार-भाटा पर प्रभाव-इस चर्चा को और रोचक बना देती हैं। नवग्रहों को लेकर फैली धारणाओं और वास्तविक समझ के बीच की दूरी आज भी कायम है। तो आखिर ग्रहों की चाल और मानव जीवन के बीच यह रिश्ता कैसे समझा जाए?

ग्रहों की ऊर्जा और जीवन का संतुलन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पृथ्वी पर जीवन को चलाने के लिए तीन मुख्य ऊर्जाएं जरूरी मानी गई हैं-ध्वनि, ऊष्मा और प्रकाश। ध्वनि ऊर्जा हम वातावरण और शरीर की गतिविधियों से पा लेते हैं, लेकिन प्रकाश और ऊष्मा के लिए मनुष्य पूरी तरह सूर्य पर निर्भर है। यही कारण है कि सूर्य को जीवनदाता कहा जाता है। ज्योतिष की परंपरा में

नवग्रह-सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु-मानव जीवन की अलग-अलग प्रवृत्तियों से जोड़े जाते हैं। मान्यता है कि इन ग्रहों से आने वाली ऊर्जा शरीर की जैविक और मानसिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करती है। उदाहरण के तौर पर सूर्य को आत्मबल और स्वास्थ्य से, चंद्रमा को मन और भावनाओं से, मंगल को रक्त और साहस से जोड़ा जाता है।

चंद्रमा का घटता-बढ़ता प्रकाश और मन का उतार-चढ़ाव

चंद्रमा पृथ्वी का सबसे निकटतम खगोलीय पड़ोसी है, इसलिए उसके प्रभाव को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होती है। खगोलीय गणना बताती है कि चंद्रमा प्रतिदिन लगभग 12 अंश सूर्य से दूर या पास होता है। जब वह सूर्य से दूर जाता है तो उसका प्रकाशित हिस्सा कम होता जाता है और अमावस्या की रात लगभग अदृश्य हो जाता है। वहीं सूर्य के करीब आते-आते वही चंद्रमा पूर्णिमा की रात पूर्ण चमक में दिखता है। ज्योतिष में कहा जाता है कि जितना अधिक चंद्रमा का प्रकाश पृथ्वी पर परावर्तित होता है, उतना ही मनुष्य के मन और व्यवहार पर उसका प्रभाव बढ़ता है। ग्रामीण इलाकों में आज भी बुजुर्ग कहते मिल जाते हैं कि पूर्णिमा के दिनों में बेचैनी, अनिद्रा या भावनात्मक उतार-चढ़ाव ज्यादा महसूस होते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान में इस पर मतभेद हैं, लेकिन यह धारणा लोकविश्वास का हिस्सा बनी हुई है।

ज्वार-भाटा से जुड़ा उदाहरण

समुद्र में आने वाला ज्वार-भाटा चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से जुड़ा है-यह विज्ञान द्वारा प्रमाणित तथ्य है। इसी उदाहरण को आधार बनाकर ज्योतिष में कहा जाता है कि जब चंद्रमा विशाल समुद्र के जल को प्रभावित कर सकता है, तो मानव शरीर-जिसमें लगभग 60 प्रतिशत पानी होता है-उससे अछूता कैसे रह सकता है। इसी तर्क के आधार पर चंद्रमा को शरीर के जल तत्व और मंगल को रक्त से जोड़ा जाता है। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि इन दोनों ग्रहों की स्थिति मनुष्य के स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर असर डालती है।

संत गुरु दादू दयाल: अवतरण से नारायणा धाम तक

भक्तिकाल युग में संत गुरु दादू दयाल जी महाराज का अहमदाबाद की साबरमती नदी के तट पर अवतरण हुआ। मान्यता है कि भगवान ब्रह्माजी के तीसरे पुत्र ऋषि सनद जी ने दादू रूप में धरती पर अवतार लिया। वर्तमान में इनका मुख्यधाम गांव नारायणा, जिला दूदू, जयपुर में है। गुरु-शिष्य परम्परा में वर्तमान आचार्य श्री-श्री 1008 श्री ओम प्रकाश दास जी महाराज (21वें) गद्दी पर सुशोभित हैं।

इसी कड़ी में मार्केंडेश्वर नगर (हरियाणा) के मोहल्ला खतरवाड़ा में लगभग 300 वर्ष पहले से गुरु दादू महाराज की समाधि स्थापित है। दादू जी का भक्त परिवार, पूर्व में जो खोसान के नाम से जाना जाता रहा है, वर्तमान में उसकी पहचान दादू परिवार से है। समस्त दादू परिवार पिछले कई वर्षों से दादू जी महाराज का जन्मोत्सव फाल्गुन माह की पंचमी को बड़ी धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। गुरु दादूवाणी इतिहास में मालूम हुआ है कि लगभग 350 वर्ष से पहले यह परिवार जिला झुंझुनू राजस्थान के बगड़ गांव में रहता था, प्राकृतिक आपदा के कारण वहां से इस परिवार ने पलायन किया था, आज भी बगड़ गांव में गुरु दादू जी महाराज का भव्य स्थान है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 23 फरवरी - 2026

राजनीति से ऊपर लोकतंत्र

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूची से सुनिश्चित होती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को न्यायिक निगरानी में कराने का निर्देश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह फैसला केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए संदेश देता है कि मतदाता सूची की शुद्धता पर कोई समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। सीजेआई की पीठ ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच समन्वय की कमी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। पुनरीक्षण का कार्य समयबद्ध और निष्पक्ष ढंग से पूरा होना चाहिए। यह पहली बार है जब किसी राज्य में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए न्यायिक अधिकारियों की निगरानी तय की गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि न्यायपालिका चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर कितनी गंभीर है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में हाल के वर्षों में चुनावों को लेकर कई विवाद सामने आए हैं। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप, प्रशासनिक पक्षपात के दावे और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं ने वातावरण को तनावपूर्ण बनाया है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप लोकतांत्रिक विश्वास बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण का कार्य किसी राजनीतिक दबाव के कारण टाला नहीं जा सकता। चुनाव आयोग ने अदालत में कहा कि उसे राज्य सरकार की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था। यदि यह तथ्य सही है, तो यह स्थिति बहुत गंभीर है, क्योंकि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। उसकी निष्पक्षता और स्वायत्तता पर सवाल उठना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। न्यायपालिका का मानना है कि प्रशासनिक कमियों का बहाना बनाकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को रोका नहीं जा सकता। यह फैसला केवल पश्चिम बंगाल के लिए नहीं, बल्कि उन सभी राज्यों के लिए एक चेतावनी है जहां मतदाता सूची को लेकर विवाद उठ रहे हैं। बिहार और अन्य राज्यों में भी पुनरीक्षण के दौरान आपत्तियां आई थीं, लेकिन अदालत ने समय पर हस्तक्षेप कर प्रक्रिया को संतुलित रखा। इससे यह स्पष्ट है कि मतदाता सूची की शुद्धता राष्ट्रीय मुद्दा है, न कि केवल क्षेत्रीय विवाद। मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है। यदि इसमें त्रुटियां हों, तो चुनाव की निष्पक्षता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। फर्जी नाम, मृत मतदाताओं का रिकॉर्ड, या पात्र नागरिकों का नाम न होना ये सभी लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हैं। इसलिए पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी, तकनीकी रूप से सुदृढ़ और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होनी चाहिए। न्यायिक निगरानी का निर्णय एक सकारात्मक पहल है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं हो सकता। दीर्घकालिक समाधान के लिए आवश्यक है कि राज्य सरकारें और चुनाव आयोग बेहतर तालमेल स्थापित करें। डिजिटल तकनीक, आधार सत्यापन और स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही को मजबूत करना समय की मांग है। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि अल्पकालिक लाभ के लिए मतदाता सूची पर प्रश्नचिन्ह लगाना अंततः लोकतंत्र को कमजोर करता है। अंततः, सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्देश लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक ठोस कदम है। यह संदेश स्पष्ट है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता सर्वोपरि है। यदि राज्य और आयोग मिलकर पारदर्शी ढंग से पुनरीक्षण पूरा करते हैं, तो इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सच-झूठ का फर्क खत्म

सुरेश कश्यप

हर रोज़ डिजिटल पेमेंट्स के जरिए लाखों लोग अपना पैसा खो देते हैं। शिकायतें करने पर भी अक्सर कुछ नहीं होता। ऊपर से अब एआई के कारण और कितनी भयानक घटनाएं होंगी? एआई अब ऐसे यथार्थ जैसा दिखने वाले चित्र और वीडियो बना रहा है कि सच और झूठ के बीच की रेखा लगभग मिट जाती है। लगता है यह प्रसन्नता से अधिक खतरा बन गया है।

मैंने अभी हाल में फेसबुक पर ऐसा वीडियो देखा जिसमें प्रधानमंत्री साफ़-साफ़ और शुद्ध तेलुगु में बोल रहे थे, पर वह नकली था। लेकिन लोगों का इस पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा है।

यह मायावी सृजन, जो किसी को भी चकित कर दे, कृत्रिम बुद्धि का कमाल है: जो है उसे नहीं दिखा सकता और जो नहीं है उसे सच जैसा बना देता है। विनाश और विकास-दोनों का अनुभव एक साथ आता है। इससे हमेशा भ्रम की स्थिति बनी रहेगी। अपरिचित व्यक्तियों को अपने फ़ोन न दें। अपने फ़ोन को अनजान हाथों में सौंपें तो समझो आपका बेडा गर्क होते देर नहीं लगेगी। अपने चेहरे की सुरक्षा रखें-मास्क पहनें, चेहरे पर तेल या क्रीम लगा लें या दस्ताने (ग्लव्स) का उपयोग करें। नहीं पता कब कौन सी निगाह आपकी छवि कैद कर ले-किसी होटल, मॉल या थिएटर में आईने में छिपी छोटी सी कैमरे की आँख आपकी पहचान पकड़ सकती है। इसके बाद आपका जो होगा वह किसी से बताते भी नहीं बनेगा।

इसी तरह आपकी आवाज़, आपकी फिंगरप्रिंट या अन्य बायोमेट्रिक डेटा भी रिकॉर्ड हो सकते हैं। एक बार पहचान का दुरुपयोग हो गया तो आपकी संपत्ति पर बड़ा संकट आ सकता है; आपके नाम पर बिना आपकी जानकारी के ऋण भी लिया जा सकता है। आजकल बहुत सी धोखाधड़ी घर बैठे ऑनलाइन ऑर्डर, ऑनलाइन पेमेंट और छल-कपट के ज़रिए हो रही है। नए लोगों से बातचीत बंद कर देना सबसे सुरक्षित है। अगर किसी का मोबाइल आपको वीडियो बना रहा है तो उसे रोक दें। अनजान नंबर से आने वाली कॉल में तुरंत अपनी जानकारी साझा न करें — पहले उनसे उनके विवरण पूछें। अपरिचित कॉल का उत्तर दस सेकंड से अधिक समय तक न दें।

हाँ/ना/ओके जैसे छोटे शब्द कभी-कभी खतरनाक हो सकते हैं -इन शब्दों से आप अनजाने में किसी चीज़ के लिए सहमति दे बैठते हैं और फिर धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं।

चुप रहना या अपनी आवाज़ को अस्पष्ट रखना बेहतर है; स्वर बदलकर बोलें या मुँह पर हाथ रख कर बोलें। फोन पर लंबी बातचीत से बचें। बुकिंग, कैंसिलेशन या गैस डिलीवरी जैसी स्थितियों में ओटीपी देने में सावधानी बरतें। पेमेंट क्यूआर कोड के साथ सतर्क रहें। पिन नंबर अक्सर बदलते रहें। फोन पर इंटरनेट और लोकेशन केवल तभी ऑन रखें जब ज़रूरत हो, फिर बंद कर दें। घर के बुज़ुर्गों को इन बातों की सख़्ती से समझाइश दें।

अगर हम इस आधुनिक मायाविश्व में बदल गए और एआई पर रोक न लगाई गई तो हम फँस जाएंगे। हमें मजबूत सुरक्षा जानकारी और जागरूकता रखनी चाहिए। एआईदुनिया भर में मानव विकास और ज्ञान में सहायक होना चाहिए - पर हमें ठगा नहीं जाना चाहिए।

कांग्रेस ने सुधार नहीं किए तो इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगी

अशोक भाटिया

देखा जाय तो कांग्रेस 2014 से लगातार गलतियों पर गलतियां कर रही है । हाल कि गलती से जो हाल में उसकी किरकिरी हुई है उससे उसके ही साथी दल नाराज है और कांग्रेस से किनारा कर रहे है । बताया जाता है कि दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इंडिया समिट 2026' में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के किए गए शर्टलेस प्रदर्शन की जमकर निंदा हो रही है। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने भी इस प्रदर्शन की आलोचना की।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने झांसी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सामने ऐसा नहीं करना चाहिए था। यूथ कांग्रेस को विदेशी डेलीगेट्स के सामने अपमान करने से बचना चाहिए था । उन्होंने इशारों-इशारों में आगे कहा, 'अब जो और हंगामा (कांग्रेस यूथ का प्रदर्शन) हुआ है, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। भाजपा सरकार झूठ बोलती है धोखा देती है। वह अलग बात है कि हमारे बीच मतभेद हैं, हम आंतरिक लड़ाई लड़ सकते हैं। अब तो पूरा देश जान चुका है कि बीजेपी झूठ बोलती है, लेकिन ऐसा प्रदर्शन नहीं होना चाहिए था जिससे विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सामने देश का अपमान हो।' इससे पहले बहुजन समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कृत्य की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि अगर यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन समिट के दौरान ऐसा आचरण देश की गरिमा और छवि को धूमिल करने वाला था, ऐसा नहीं करना ही उचित होगा। मायावती ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा, 'नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' जिसमें देश और विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे और इवेंट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्ख़ियों में था। इस दौरान जिन भी लोगों द्वारा अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताए जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय और निन्दनीय है।'उन्होंने आगे लिखा, 'अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिन्ता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा और छवि को ना बिगाड़ा जाये तो

इसके बाद वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया और पूर्व आंध्र मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने भी कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दुनिया के सामने हमें एकजुट होकर नजर आना जरूरी है। उन्होंने लिखा, ₹कल एआई समिट में यूथ कांग्रेस ने हम सभी को शर्मिंदा किया है। हमारी राजनीति किस दिशा में जा रही है। किसी को भी कभी हमारे देश को ऐसे नीचा नहीं दिखाना चाहिए। राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुनिया के सामने हमें आपस में एकजुट होकर ही रहना चाहिए। भाजपा समेत तमाम पार्टियों ने भले ही इस मुद्दे पर सरकार का साथ दिया हो, लेकिन कांग्रेस पार्टी अभी भी अपनी गलती न मानते हुए अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हुई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से कहा गया है कि भारत एक लोकतंत्र है और लोकतंत्र में, विरोध करने का अधिकार सभी का होता है, सभी को अपनी राय रखने का अधिकार होता है।पार्टी का कहना है कि यह प्रदर्शन 'लाखों गुस्साए बेरोजगार युवाओं की आवाज थी। इस विरोध प्रदर्शन का निशाना 'समझौता करने वाले' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। कांग्रेस ने कहा कि यूथ कांग्रेस एआई समिट के खिलाफ नहीं हैं, और वे अब और चुप नहीं बैठेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि देश में पिछले 12 सालों से दरारों को छिपाया जा रहा है। आज देश के नौजवानों ने उन दरारों पर चिपकाए गए इश्तेहारों को फाड़ दिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गाँधी कहना है कि आज यूथ कांग्रेस ने नौजवानों के रोष, गुस्से को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के जरिये एआई समिट में दर्ज कराया। खेड़ा ने कहा कि मीडिया का एक धड़ा इसको लेकर शोर मचा रहा है कि बहुत गलत जगह विरोध प्रदर्शन किया है। इससे देश की बदनामी हो गई। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि विरोध प्रदर्शन कहां किया जाता है? उन्होंने कहा कि विरोध वहीं होता है जहां लोगों को दिखता है। कांग्रेस नेता ने शायराना अंदाज में सरकार पर तंज कसा। दरअसल कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या नेतृत्व की कमी है। राहुल गांधी को युवा नेता के तौर पर पेश किया गया, लेकिन वे जनता से जुड़ने में नाकाम रहे। उनकी सबसे बड़ी गलती यह रही कि वे राजनीति को गंभीरता से नहीं ले सके। 2014 में "आलू से सोना बनाने" वाला बयान हो या चुनाव प्रचार के दौरान छुट्टियां मनाना ऐसे कई मौके आए जब राहुल की छवि एक गैर-गंभीर नेता की बनी। वे न तो पार्टी संगठन को मजबूत कर पाए और न ही चुनावी रणनीति में कोई नया प्रयोग किया।राहुल गांधी की दूसरी बड़ी गलती थी, युवा नेताओं को आगे न बढ़ाना। ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिमंता बिस्वा सरमा जैसे कई युवा नेता कांग्रेस छोड़कर चले गए क्योंकि उन्हें पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिला। कांग्रेस पार्टी का पूरा ढांचा गांधी परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है। पार्टी में लोकतांत्रिक तरीके से नेता नहीं चुने जाते। चाहे कोई कितना भी मेहनत करे, अगर वह गांधी परिवार के करीब नहीं है तो उसे महत्वपूर्ण पद नहीं मिलता। इस "रॉयल फैमिली" वाली छवि ने पार्टी को बहुत नुकसान पहुंचाया है। आम जनता को लगता है कि यह पार्टी सिर्फ एक परिवार की संपत्ति है।

1990 के दशक तक कांग्रेस का हर गांव, हर मोहल्ले में मजबूत संगठन था। लेकिन आज वह संगठन लगभग खत्म हो चुका है। कांग्रेस कार्यकर्ता अब सक्रिय नहीं रहे। दूसरी तरफ, भाजपा ने आरएसएस के माध्यम से जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा कर लिया है। कांग्रेस के पास न तो कार्यकर्ता हैं और न ही उन्हें प्रेरित करने का कोई विचार। मोदी सरकार ने राष्ट्रवाद, विकास और हिंदू पहचान के मुद्दों को बहुत प्रभावी तरीके से उठाया। कांग्रेस इसका कोई प्रभावी जवाब नहीं दे पाई। पार्टी ने अपनी राजनीति में कोई नई सोच नहीं विकसित की। वे न तो विकास के मुद्दे पर भाजपा को चुनौती दे पाए और न ही अपनी धर्मनिरपेक्षता की बात को नए तरीके से पेश कर पाए। हर चुनाव में कांग्रेस सिर्फ "मोदी विरोध" करती दिखी, लेकिन अपना कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं रख पाई। आज के दौर में गठबंधन की राजनीति बहुत जरूरी है, लेकिन कांग्रेस इसमें बहुत कमजोर साबित हुई है। बिहार में ही देखें तो राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर काफी विवाद हुआ।

कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया क्योंकि उन्हें लगता है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन से फायदा नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस दोनों ही कांग्रेस को गंभीर सहयोगी नहीं मानते। भाजपा ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार में बहुत निवेश किया है। हर मंच पर भाजपा के समर्थक सक्रिय हैं। लेकिन कांग्रेस इस मोर्चे पर बहुत पीछे है। युवा वोटरों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया सबसे जरूरी माध्यम है, और यहां कांग्रेस की मौजूदगी नगण्य है। 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोलगेट घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, यूपीए-2 सरकार के दौरान हुए इन घोटालों ने कांग्रेस की छवि बुरी तरह खराब कर दी। हालांकि बाद में कई मामलों में आरोपी बरी हो गए, लेकिन जनता के मन में जो नकारात्मक छवि बन गई, वह आज तक बनी हुई है। कांग्रेस इस छवि को बदलने में नाकाम रही।

काशी के विकास पर वैचारिक टकराव?

सुरेश गांधी

भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी सदियों से आध्यात्मिक विमर्शों का केंद्र रही है। यहां धर्म, दर्शन और समाज पर बहसें नई नहीं हैं, लेकिन हाल के दिनों में एक कथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द के बयान ने धार्मिक और राजनीतिक विमर्श को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। उन्होंने कहा कि "भारत में राजनीति नहीं, पॉलिटिक्स हो रही है", "राजा नहीं है तो राजनीति का अर्थ नहीं", "संत तनख्वाह नहीं ले सकता", और "आधुनिकता के नाम पर काशी के मंदिर-घाट तोड़े जा रहे हैं, जो भविष्य में फिर स्थापित होंगे।" उनके इन कथनों को कई लोगों ने परोक्ष रूप से योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी की ओर संकेत माना। खासकर काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के व्यापक पुनर्विकास के संदर्भ में यह विवाद और तेज हुआ। ऐसे में सवाल है, क्या उनके तर्क शास्त्रीय और तथ्यात्मक आधार पर सही हैं? क्या "राजनीति" और "पॉलिटिक्स" का यह विभाजन वैध है? क्या संत का सरकारी पद या वेतन लेना अनुचित है? और क्या काशी में वास्तव में "विध्वंस" हुआ है या "पुनरुद्धार"? कथित शंकराचार्य का मुख्य तर्क यह है कि "राजनीति" शब्द का अर्थ राजा की नीति से है, इसलिए जब राजतंत्र समाप्त हो गया तो राजनीति भी समाप्त हो गई और अब विदेशी "पॉलिटिक्स" चल रही है। क्या यह व्याख्या सही है? संस्कृत में "राजनीति" शब्द का अर्थ केवल राजा की व्यक्तिगत नीति नहीं बल्कि राज्य संचालन की नीति है। अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने राजनीति को राज्य संचालन का विज्ञान बताया। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में "राजा" शब्द का अर्थ सत्ता का प्रतिनिधि था, न कि केवल वंशानुगत शासक। आधुनिक लोकतंत्र में "राजा" की जगह जनता सर्वोच्च है। इसलिए लोकतंत्र में राजनीति समाप्त नहीं होती बल्कि उसका स्वरूप बदलता है। दूसरी ओर "पॉलिटिक्स" शब्द ग्रीक शब्द पोलिस से आया है, जिसका अर्थ नगर-राज्य है। इसलिए "राजनीति" और "पॉलिटिक्स" मूलतः समानार्थी अवधारणाएँ हैं। यह कहना कि "राजा नहीं तो राजनीति नहीं", शास्त्रीय और आधुनिक दोनों दृष्टि से अधूरा तर्क है। कथित शंकराचार्य का दूसरा तर्क था कि "संत तनख्वाह नहीं ले सकता", और जो सरकारी वेतन लेता है वह संत नहीं। यह तर्क सीधे तौर पर योगी आदित्यनाथ की ओर संकेत माना गया, जो एक संन्यासी परंपरा से आते हैं और साथ ही लोकतांत्रिक पद पर भी हैं।

भारतीय इतिहास में धर्म और शासन का संवाद हमेशा रहा है : आदि शंकराचार्य स्वयं विभिन्न राजाओं के संरक्षण में धर्मसंस्थाओं का संगठन करते रहे। मध्यकाल में मठों और अखाड़ों को राजाओं से अनुदान मिलता था। अनेक संत समाज सुधार और शासन व्यवस्था दोनों से जुड़े रहे। संन्यास का अर्थ व्यक्तिगत वैराग्य है, राजकीय दायित्व से दूरी आवश्यक शर्त नहीं। भारत में कोई व्यक्ति यदि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से मुख्यमंत्री बनता है तो उसे वेतन मिलता है, यह व्यक्तिगत नहीं बल्कि संवैधानिक पद का मानदेय है।

इसलिए प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि "संत वेतन ले सकता है या नहीं", बल्कि यह कि क्या वह पद की मर्यादा निभा रहा है? सबसे बड़ा विवाद काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र के पुनर्विकास को लेकर है। कथित शंकराचार्य ने कहा कि "मंदिर-विग्रह और घाट तोड़े जा रहे हैं।" वास्तविक तथ्य यह है कि श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण के दौरान : सैकड़ों प्राचीन मंदिरों की पहचान की गई, कई मंदिर जो मकानों के भीतर छिप गए थे, उन्हें पुनर्स्थापित किया गया, पुरातत्व विशेषज्ञों की निगरानी में संरचनात्मक संरक्षण किया गया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 40 से अधिक प्राचीन मंदिर संरक्षित रूप में सामने आए। यह प्रक्रिया "डिमॉलिशन" नहीं बल्कि "डी-एन्क्रोचमेंट और रिस्टोरेशन" थी। वैसे भी काशी में परिवर्तन नया नहीं है। पिछले एक शताब्दी में कई बड़े बदलाव हुए :- 1. औपनिवेशिक काल : ब्रिटिश प्रशासन ने घाटों की संरचनात्मक मरम्मत कराई। कई सड़कें बनाई गईं। 2. स्वतंत्रता के बाद मंदिर मार्गों का विस्तार हुआ। धार्मिक पर्यटन का विकास शुरू हुआ। 3. आधुनिक काल : गंगा घाटों का संरक्षण, शहरी पुनर्विकास, कॉरिडोर परियोजना. यह कहना कि "अब पहली बार परिवर्तन हुआ", तथ्यात्मक रूप से गलत है।

कथित शंकराचार्य ने कहा कि "पुराणों के अनुसार सब अपने स्थान पर पुनः स्थापित होगा।" ध्यान देने योग्य बात यह है कि पुराण प्रतीकात्मक भाषा में लिखे गए हैं। उन्हें शाब्दिक रूप से आधुनिक निर्माण विवादों पर लागू करना कठिन है। धर्मग्रंथ आस्था का मार्गदर्शन करते हैं, शहरी नियोजन का नक्शा नहीं। उनके बयान में "विदेशी पॉलिटिक्स" और "सरकारी संत" जैसे शब्दों का प्रयोग यह संकेत देता है कि यह केवल दार्शनिक चर्चा नहीं बल्कि राजनीतिक टिप्पणी भी है। लोकतंत्र में यह अधिकार सभी को है, परंतु जब धार्मिक पद का उपयोग राजनीतिक संकेत देने के लिए किया जाता है, तब विवाद स्वाभाविक है।

शंकराचार्य पद अत्यंत प्रतिष्ठित है। इस परंपरा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने की थी, जिनका उद्देश्य था : वेदांत का प्रचार, धार्मिक एकता, दार्शनिक संवाद. इस पद से अपेक्षा की जाती है कि भाषा संयमित हो, तथ्य स्पष्ट हों, समाज में विभाजन नहीं संवाद हो. यदि कोई व्यक्ति बार-बार राजनीतिक संकेतों के साथ बयान देता है तो उसके कथनों पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत की परंपरा में संत तीन भूमिकाओं में रहे : आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सामाजिक सुधारक, नैतिक सलाहकार. लेकिन संत सीधे राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा कम ही बने। आज का विवाद इसी संतुलन से जुड़ा है।

मतलब साफ है राजनीति और पॉलिटिक्स का अंतर भाषाई है, वैचारिक नहीं, संत द्वारा वेतन पर टिप्पणी शास्त्रीय रूप से निर्णायक नहीं. काशी में व्यापक पुनर्विकास हुआ है, केवल विध्वंस नहीं. फिरहाल, काशी केवल एक शहर नहीं, यह भारतीय सभ्यता का प्रतीक है। यहां परिवर्तन भी होगा और परंपरा भी रहेगी। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना ने जहां आधुनिक सुविधाएं दीं, वहीं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का प्रयास भी किया।

जगमगाते महानगरों के भीतर पनपती खामोश महामारी

आरके जैन

पहले शहरों को उम्मीदों की फैक्ट्री कहा जाता था। यहाँ रोशनी कभी बुझती नहीं, सपने थकते नहीं और भीड़ ठहरती नहीं। फिर भी इस अनवरत चहल-पहल के बीच एक गहरी खामोशी जन्म ले रही है। 1.4 अरब लोगों के देश में, जहाँ हर प्लेटफॉर्म, हर चौराहा, हर बाज़ार भीड़ से अटा है, वहीं दिलों के भीतर सूनापन फैलता जा रहा है। ऊँची इमारतों की जगमगाती खिड़कियाँ बताती हैं कि लोग मौजूद हैं, पर मौजूदगी और अपनापन अलग बातें हैं। शहरों ने हमें कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा किया, मगर दिलों के बीच फासले बढ़ा दिए। यही फासला अब महामारी की तरह फैल रहा है। सर्वे बताते हैं कि 61 प्रतिशत भारतीय अकेलापन महसूस करते हैं, और युवाओं में यह दर सबसे अधिक है। अकेलापन अब केवल निजी कमजोरी नहीं, हमारी सामाजिक बनावट की दरार है। महानगरों की दौड़ ऐसी है कि रिश्ते रास्ते में छूट जाते हैं। सुबह की सिटी बस या मेट्रो में सैकड़ों चेहरे साथ चलते हैं, पर कोई नज़र किसी पर ठहरती नहीं। सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स जुड़ते हैं, पर कठिन समय में सहारा देने वाला हाथ नहीं मिलता। डिजिटल जुड़ाव ने संवाद का आभास रचा, मगर उसकी संवेदना छीन ली। इमोजी हँसते हैं, पर असली मुस्कान की गर्माहट गायब है। यह बनावटी निकटता भीतर के शून्य को और गहरा करती है-मानो भीड़ के बीच खड़ा व्यक्ति अपने ही अस्तित्व से दूर हो गया हो।

आज का शहर प्रतिस्पर्धा की प्रयोगशाला बन गया है, जहाँ हर व्यक्ति खुद को साबित करने की दौड़ में सांस ले रहा है। नौकरी की अस्थिरता, बढ़ती महँगाई, किराए का बोझ और करियर की अनिश्चितता मन पर अदृश्य दबाव बनाते हैं। आर्थिक सुरक्षा की खोज में लोग भावनात्मक सहारे से समझौता कर बैठते हैं। रिश्ते समय चाहते हैं, और समय सबसे महँगी पूँजी हो चुका है। परिवार सिमटते गए, पड़ोसी अपरिचित होते गए, दोस्तियाँ औपचारिकताओं में बदलती गईं। नतीजा यह कि इंसान सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता रहा, पर भीतर की सीढ़ियाँ दरकती रहीं। उपलब्धियों के शोर में दिल की धीमी आवाज़ कहीं खोती चली गई। भारत जैसे देश में, जहाँ सामूहिकता परंपरा की पहचान रही है, वहाँ भी यह बदलाव साफ दिखता है। कभी आँगन में दादी की कहानियाँ गूँजती थीं, मोहल्ले की चौपालें सजती थीं और त्योहार मिलन का बहाना बनते थे। अब त्योहार इंस्टाग्राम स्टोरी बन गए हैं, परिवार व्हाट्सऐप ग्रुप तक सिमट गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल जीवनशैली ने ले ली है। स्वतंत्रता तो बढ़ी है, पर सहारा कम हो गया है। आधुनिकता ने विकल्पों की भरमार दी, मगर उसी ने स्थायित्व छीन लिया। बदलते सामाजिक ढाँचे में व्यक्ति स्वायत्त तो हुआ, पर भीतर से और अधिक अकेला। यही विरोधाभास शहरों की गहरी त्रासदी बन चुका है। रोज़गार और बेहतर भविष्य की तलाश में लाखों लोग अपने कस्बों और गाँवों से दूर आ बसे हैं। इस बदलाव ने अवसर तो दिए, पर पहचान की मिट्टी छीन ली। नए शहर में सब कुछ नया होता है-भाषा की लय, व्यवहार की शैली, जीवन की रफ्तार। व्यक्ति रोज़ाना अनुकूलन करता है, पर भीतर कहीं जड़ों की तलाश बनी रहती है। त्योहारों पर घर न पहुँच पाने की कसक, अपनों की आवाज़ से दूरी और साझा स्मृतियों का अभाव मन को अनकहा बोझ दे जाता है। नए संबंध बनते हैं, पर पुराने जैसा सहज भरोसा नहीं पनपता। यह विस्थापन बाहर से उपलब्धि लगता है, भीतर से रिक्तता का कारण बन जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के आँकड़े इस सच को और तीखा कर देते हैं। अवसाद, चिंता और अनिद्रा की समस्याएँ तेज़ी से फैल रही हैं। विडंबना यह कि भीड़ से भरे शहरों में भी लोग अपनी पीड़ा चुपचाप ढोते हैं; मदद माँगना अब भी कमजोरी माना जाता है। सफलता की चमक के पीछे संघर्ष की छाया दिखती नहीं। कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमग इमारतों में बैठे अनेक लोग भीतर से दरके होते हैं। वे पेशेवर मुस्कान ओढ़े रहते हैं, पर निजी जीवन में संवाद का अभाव झेलते हैं। समाज ने उपलब्धियों को सराहा, पर भावनात्मक संतुलन को अनदेखा किया। यही असंतुलन अब धीमे-धीमे महामारी का रूप ले चुका है। शहरों की बनावट भी इस अकेलेपन को गहरा करती है। गेटेड सोसायटी सुरक्षा तो देती हैं, पर ऊँची दीवारें संवाद के रास्ते बंद कर देती हैं। पड़ोसी वर्षों तक एक-दूसरे का नाम तक नहीं जानते। पार्कों में लोग साथ-साथ चलते हैं, पर अपनी-अपनी दुनिया में गुम रहते हैं। सार्वजनिक स्थल सिमट रहे हैं, और निजी स्क्रीन फैलती जा रही हैं। बच्चे मैदानों से ज्यादा मोबाइल पर समय बिताते हैं। बुजुर्ग अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे झाँकते हैं, पर बातचीत का अवसर दुर्लभ है। भौतिक विकास ने सुविधाएँ बढ़ाईं, पर मानवीय स्पर्श घटा दिया। यही स्पर्शहीनता दिलों को भीतर से बंजर बना रही है। फिर भी इस अँधेरे में आशा की लौ टिमटिमा रही है। कई शहरों में सामुदायिक पहलें जन्म ले रही हैं, जहाँ लोग पुस्तक क्लबों, कला कार्यशालाओं और सामाजिक समूहों के जरिये फिर से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद शुरू हुआ है। नई पीढ़ी अपनी भावनाएँ व्यक्त करने में पहले से अधिक निर्भीक दिखती है।

जलपान के बाद लठियाएंगे

डॉ. सुरेश कुमार

कबाड़ागंज से लगभग दो कोस दूर, विकासखंड के उस दफ्तर में सन्नाटा ऐसा था जैसे किसी ने लोकतंत्र की आत्मा पर रजाई डाल दी हो। मेज पर धरी फाइलों के बीच एक ऐसी फाइल दबी थी, जिसका शीर्षक था-ग्राम कल्याण हेतु अदृश्य शक्तियों का विनियोग। साहब, यानी हमारे आधुनिक कुबेर, कुर्सी पर इस तरह विराजमान थे जैसे कोई कछुआ अपनी खोल में घुसकर ब्रह्मांड के रहस्यों पर विचार कर रहा हो। अचानक टेलीफोन की घंटी बजी। यह घंटी नहीं थी, साक्षात यमराज का बुलावा था। ऊपर से आदेश था-आज रात ठीक बारह बजे, उस फाइल का रहस्योद्घाटन होगा। खबर है कि विदेशी जासूस उसे उड़ाने आ रहे हैं। दफ्तर में केवल तीन प्राणी थेः एक साहब, दूसरा चपरासी घसीटा, और तीसरा वह खटमल जो साहब की कुर्सी के हत्थे में पिछले तीन पंचवर्षीय योजनाओं से निवास कर रहा था। घसीटा ने बीड़ी का कश खींचते हुए कहा, साहब, जासूस आएगा तो क्या हम उसे जलपान कराएंगे या सीधे लठियाएंगे? साहब ने अपनी प्रशासनिक गरिमा को फालिज की मार से बचाते हुए कहा, मूर्ख, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। फाइल में वह नक्शा है जिससे पता चलेगा कि गाँव की वह सड़क कहाँ गई जो कागजों पर तो बन गई, पर जमीन पर आज भी पाताल लोक का मार्ग ढूंढ रही है।

जैसे-जैसे रात गहराती गई, रोमांच का पारा चढ़ने लगा। दफ्तर की खिड़की खड़खड़ाई। घसीटा ने टॉर्च जलाई, पर रोशनी ने केवल मकड़ी के जालों को और डरावना बना दिया। तभी एक साया कमरे में दाखिल हुआ। वह काला लबादा ओढ़े था, आँखों पर चश्मा था और चाल ऐसी कि हवा भी रास्ता बदल ले। साया सीधे उस मेज की ओर बढ़ा जहाँ वह 'रहस्यमयी फाइल' रखी थी। साहब डर के मारे मेज के नीचे घुस गए, जहाँ उनकी मुलाकात उसी पुराने खटमल से हुई। घसीटा ने बहादुरी का परिचय देते हुए अपनी धोती कस ली। ठहरो! घसीटा चिल्लाया, इस फाइल को हाथ लगाया तो समझो विकासखंड का सत्यानाश हो जाएगा! काला साया रुका। उसकी आवाज भारी और यंत्रवत थी, मुझे वह नक्शा चाहिए। वह रहस्य, जिसे तुमने दुनिया से छिपा रखा है। साहब मेज के नीचे से बोले, ले जाओ भाई! ले जाओ! वैसे भी उस सड़क का ठेका जिस ठेकेदार ने लिया था, वह अब खुद को साधु घोषित कर चुका है। तुम नक्शा लेकर भी सिर्फ गड्ढे ही पाओगे। पर जासूस अड़ा रहा। उसने फाइल झपटी। घसीटा और जासूस के बीच हाथापाई शुरू हुई। टॉर्च गिर गई। अंधेरे में केवल 'धप-धप' और 'साँय-साँय' की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था जैसे भारत और चीन का युद्ध इसी दस-बाई-दस के कमरे में सिमट आया हो। अचानक एक जोरदार धमाका हुआ! साहब चिल्लाए, बम गिर गया! लोकतंत्र खत्म! तभी बिजली आ गई। कमरे का दृश्य कुछ ऐसा था कि विधाता भी अपनी कलम रोक दें। काला साया जमीन पर गिरा था। उसका लबादा उतर चुका था। वह कोई जासूस नहीं, बल्कि पास के गाँव का 'भुलई' था, जो रात के अंधेरे में अपनी पेंशन की फाइल ढूंढने आया था। और वह धमाका? वह धमाका बम का नहीं, बल्कि साहब की मेज पर रखे उस पुराने 'ग्लोब' के फटने का था, जिसे घसीटा ने जासूस के सिर पर दे मारा था।

पर असली तमाशा तो अब शुरू हुआ। जब भुलई के हाथ से वह 'अदृश्य शक्ति' वाली फाइल गिरी और खुली, तो उसमें से कोई नक्शा नहीं निकला। उसमें से निकले 'चूहे मारने की दवा के तीन साल पुराने बिल' और एक प्रेम पत्र, जो साहब ने अपनी जवानी में ब्लॉक प्रमुख की साली को लिखा था और जिसे वे 'अति गोपनीय' मानकर सरकारी फाइल में दबाए बैठे थे। साहब मेज के नीचे से बाहर निकले, अपनी कमीज झाड़ी और बड़ी ठसक से बोले, ₹देखा घसीटा! इसे कहते हैं काउंटर-इंटेलिजेंस। हमने दुश्मन को चूहे मारने की दवा के बिल में उलझा दिया ताकि वह असली भ्रष्टाचार तक न पहुँच सके।

सक्सेसफुल बिजनेसमैन के लिए जरूरी स्किल्स

क्या आप जानना चाहते हैं वो कौन सी स्किल्स हैं जिनके बल पर आप भी एक सफल उद्यमी, बिजनेसपर्सन या आंत्रप्रेन्योर बन सकते हैं?

लोगों से प्रॉपर डील करना

सभी व्यापार अंततः लोगों से संबंधित होते हैं, और लोगों द्वारा लोगों के लिए किए जाते हैं। किसी आंत्रप्रेन्योर की लाइफ में लोग उसके कस्टमर और कर्मचारियों/सहयोगियों के रूप में आते हैं। मेरे अनुसार किसी भी बिजनेस के जबरदस्त सफल होने के लिए मेन स्किल है लोगों से प्रॉपर तरीके से डील करना। एक आंत्रप्रेन्योर को सभी को खुश रखना होता है। बड़े स्तर पर इसमें ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट, मीडिया मैनेजमेंट को शामिल किया जा सकता है। एक आंत्रप्रेन्योर को अपने जीवन में कई ऐसे डिसीजन लेने पड़ सकते हैं, जो कुछ को अच्छे न लगें, और इसी प्रकार की स्थितियों को मैनेज करने की स्किल बिजनेस के लिए जरूरी है। विश्व के लगभग सभी सफल उद्यमियों में यह स्किल पाई जाती है। इसके मूल में होती है लोगो की भलाई के लिए सोच, अच्छी कम्युनिकेशन और इंटर-पर्सनल स्किल्स और पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज। यदि आपके पास यह स्किल्स हैं तो निश्चित ही आप के पास एक तगड़ा नेटवर्क बनने लगेगा और अपने व्यापार को तेजी से फैला पाएंगे।

लोगों की लाइफ को बेहतर बनाने का उत्साह

लम्बे समय में, वही व्यापारी बहुत अधिक सफल हो सकता है, जो यह सोचता है कि मेरे प्रोडक्ट्स लोगों के जीवन को किस तरह बेहतर बनाएंगे। लोगों की बेहतरी को सोच कर डिजाइन किए गए प्रोडक्ट्स हमेशा मार्केट में सफल होते हैं। हालांकि, यह इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए सतत फीडबैक के आधार पर प्रोडक्ट्स में डेवलपमेंट/बदलाव करते रहना पड़ते हैं, कई बार तो यह प्रक्रिया कई सालों या हमेशा चलती रहने वाली भी होती है।

लॉजिकल, क्रिएटिव थिंकिंग और क्विक लर्निंग

किसी भी उभरते मुद्दे पर लॉजिकली सोच कर निर्णय लेना एक आंत्रप्रेन्योर के लिए सांस लेने के समान है अर्थात उसे यह हर पल करना होता है। इससे व्यवसाय की समस्याओं को हल करने और व्यवसाय के विकास के लिए रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसमें सूचनाओं को एकत्र करना, तर्कों का मूल्यांकन, काम में विसंगतियों को खोजना सभी शामिल है। अक्सर उद्यमियों को चुनौतीपूर्ण और अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, इसमें किसी वेंचर कैपिटलिस्ट का आगे की फंडिंग से इंकार से लेकर टीम के किसी सदस्य का प्रोजेक्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार काम करने से इनकार तक, कुछ भी हो सकता है।

योजना का क्रियान्वयन करना

अमेरिकी मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, लेखक और सिलिकॉन वैली वेंचर कैपिटलिस्ट गाये कावासाकी के अनुसार 'योजनाएं बनाना आसान है, क्रियान्वन कठिन।'बनाए गए प्लान्स को एग्जिक्यूट करने के लिए आपको चाहिए दिमाग से सोचने वाली, कार्य करने की इच्छा रखने वाली उत्साही वर्कफोर्स। इसके बाद बारी आती है को-ऑर्डिनेशन की, अर्थात किसी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न टीम्स को मिला कर किस प्रकार काम करना है। मैनेजमेंट थिंकर्स अब इसके लिए 'डिपेंडेंसी' से होते हुए 'इंडेपेंडेन्सी' का सफर तय करते हुए 'इंटर-डिपेंडेंसी' पर पहुंचे हैं।

फाइनेंशियल मैनेजमेंट

किसी भी व्यवसाय का अंतिम लक्ष्य धन कमाना होता है। इसके लिए फायनेंशियल स्किल्स जरूरी हैं। इसमें बजट बनाना, फायनेंस का ट्रैक रखना, निवेश किए धन की वापसी कि समय पर निगरानी रखना, जरूरत पड़ने पर फंडिंग की व्यवस्था करना, कैलकुलेटेड रिस्क लेना इत्यादि शामिल है। वेंचर केपिटल, मर्जर्स और एक्विजिशन पर लिखने वाले रिचर्ड हेरोक के अनुसार लगभग हमेशा ही पूंजी जुटाना जितना आपने सोचा हो उससे कठिन होता है, और हमेशा इसमें समय लगता है। इसलिए इस बारे में योजना बनाएं।

इन सेक्टर में हैं जॉब की बढिया संभावनाएं

भविष्य में भारत की विकास दर भी पॉजेटिव रहने की उम्मीद है , अब उसमें लगातार वृध्दि हो रही है. जहां कई सेक्टर्स मंदी के चपेट आ गये थे, वहीं कुछ ऐसे सेक्टर भी हैं, जिन्होंने अवसर खोज लिया. हेल्थकेयर सेक्टर, ई-कामर्स सेक्टर और आईटी सेक्टर में काफी अच्छी ग्रोथ देखने को मिल रही है. इन तीनों ही सेक्टर में जॉब्स के अवसर भी बढे हैं. आइये जानते हैं कि इन सेक्टर में क्या हैं करियर की संभावनाएं.

ई-कॉमर्स सेक्टर

वर्तमान मे काम चलते लोगों की निर्भरता ई-कॉमर्स कंपनियों पर काफी बढ़ गई. इस वजह से ऑनलाइन ग्रॉसरी और ई-रिटेल शॉप्स के लिए बड़े अवसर पैदा हुए हैं. लॉकडाउन में ई-कॉमर्स को छूट मिलने के बाद इन कंपनियों ने अपनी नेटवर्क चेन को ज्यादा मजबूत करने का काम किया. मैनपावर की कमी को इन्होंने अच्छे से हैंडल किया. हालांकि शुरुआत में कुछ दिक्कतें आईं, लेकिन बाद में ई कॉमर्स कंपनियों ने इसकी रिकवरी कर ली. आज के समय में ई-कॉमर्स कंपनियों में वृद्धि ने लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में अधिक तकनीकी-सक्षम प्लेटफार्मों को भी मजबूत किया है. इस क्षेत्र में नौकरी करने वाले नए लोग अपने वेतन में 16 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं. इस क्षेत्र में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सैकड़ों डिलीवरी स्टार्ट-अप और हाइपरलोकल स्टार्ट-अप भी अब मैदान में उतर गए हैं जिससे इस फील्ड की जॉब्स में एकाएक बढ़ोतरी हुई है.

हेल्थकेयर सेक्टर

कोविड से जहां कई सेक्टर को बहुत नुकसान हुआ, वहीं हेल्थकेयर सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ. इस सेक्टर में लगातार अच्छी ग्रोथ हुई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब्स की भी भरमार है. एक अनुमान के मुताबिक 2023 में इस क्षेत्र में काम करने वाले नए लोग अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं. फार्मा कंपनियों ने भी इस आपदा को अवसर में बदला है. कोविड के चलते लोग अपनी हेल्थ को लेकर पहले से कहीं ज्यादा सजग हो गए हैं. जरा भी सर्दी, खांसी या वायरस पर लोगों ने डॉक्टर से से कंसल्ट किया और दवाओं का सहारा लिया. दवाओं के साथ हेल्थ सप्लीमेंट, फेस मास्क, सैनिटाइजर, इम्यूनिटी बढ़ाने वाली दवाएं, हाइजीन से जुड़े प्रोडक्ट की जमकर डिमांड आई और ऑनलाइन दवाओं की सप्लाई में भी बढ़ोतरी हुई. लैब और टेस्टिंग की सुविधा में विकास होने के साथ बूस्ट भी किया है, जिससे निजी अस्पतालों को भी काफी फायदा हुआ है. इसके चलते आने वाले समय में इस फील्ड में जॉब्स की बेहतरीन संभावनाएं हैं.

आईटी सेक्टर

कोविड आने के बाद सबसे पहले और सबसे ज्यादा निगेटिव असर आईटी सेक्टर पर पड़ा. खासकर लॉकडाउन के बाद एक बार को तो यह सेक्टर पूरी तरह बंद ही हो गया था, लेकिन इससे उबरते हुए इस सेक्टर ने ऐसा रास्ता निकाला जिससे आज ये सेक्टर सबसे ज्यादा फायदे में है. तमाम आईटी कंपनियों ने डिजिटल मॉडल बेहतर तरह से जो उनकी सफलता का प्रमुख कारण बन गया. लगभग सभी आईटी कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम मॉडल को अच्छे से लागू किया. इसके चलते उनके बिजनेस में गिरावट नहीं आई. इससे एक तरफ तो उनके खर्चे कम हो गए तो दूसरी तरफ ऑनलाइन क्लाइंट बढ़ते रहे.

साइबर सिक्योरिटी की डिमांड ने भी इसमें भमिका निभाई. इस फील्ड में जॉब करने वाले प्रोफेशनल अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 25 फीसदी की बढ़त की उम्मीद कर सकते हैं. हेल्थ-टेक, एड-टेक और गेमिंग इंडस्ट्री की रिक्रूटमेंट में अचानक तेजी आई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब के अवसर भी काफी बढ़ गए हैं.

12वीं आर्ट्स के बाद बनाएं करियर लाखों में होगी सैलरी

10वीं बोर्ड परीक्षा के बाद स्टूडेंट्स के सामने कई ऑप्शन होते हैं. वह चाहें तो 11वीं-12वीं की पढ़ाई साइंस (बायो/ मैथ या दोनों), कॉमर्स या आर्ट्स स्ट्रीम से कर सकते हैं. 12वीं आर्ट्स स्ट्रीम से पढ़ाई करने वाले छात्र ग्रेजुएशन में सामान्य ऑनर्स डिग्री लेने के अलावा भी कई कोर्स कर सकते हैं. आर्ट्स स्ट्रीम बहुत विस्तृत है. इसमें कई विषय होते हैं . आपकी जिस भी विषय में रुचि हो, उसी में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर सकते हैं. आर्ट्स स्ट्रीम के कई कोर्स ऐसे हैं, जिनमें अच्छी जॉब और बेहतरीन सैलरी के ऑप्शन मिलते हैं। आप इनमें से किसी में भी करियर बना सकते हैं.

बीए के बाद हैं कई ऑप्शन

आर्ट्स स्ट्रीम से 12वीं करने के बाद ज्यादातर स्टूडेंट्स बीए की पढ़ाई करते हैं. आप चाहें तो सोशियोलॉजी या अपनी पसंद के अन्य विषयों में बीए कर सकते हैं . देश की कई यूनिवर्सिटी में बीए कोर्स की पढ़ाई होती है.

लॉ में बनाएं करियर

लॉ के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए उससे जुड़ा कोर्स करना जरूरी है. 12वीं बाद बीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स करके वकील बन सकते हैं . इसके लिए क्लैट परीक्षा देकर देश के बेस्ट लॉ इंस्टीट्यूट में भी एडमिशन हासिल कर सकते हैं.

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स 12वीं में आर्ट्स सिर्फ इसीलिए लेते हैं ताकि ग्रेजुएशन के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी कर सकें. एसएससी , बैंक की नौकरी , यूपीएससी सिविल सर्विस आदि जॉब्स में आर्ट्स विषय से जुड़े कई सवाल होते हैं. सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी ज्यादा रहती है.

यूपीएससी में सहायक कमांडेंट के 349 पदों पर भर्ती, स्नातक की डिग्री वाले करें आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में सहायक कमांडेंट 2026 परीक्षा की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस भर्ती अभियान के तहत सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी में सहायक कमांडेंट के पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

कुल 349

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 मार्च 2026 (शाम 6:00 बजे तक)

पात्रता के लिए कट-ऑफ तिथि (आयु) 1 अगस्त 2026

लिखित परीक्षा की तिथि 19 जुलाई 2026

क्या है जरूरी दस्तावेज और अंतिम तिथि?

ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को वैध ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, स्कैन की गई फोटो और हस्ताक्षर, तथा फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आई डी / पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस) का विवरण देना होगा। आवेदन की सुविधा केवल 12 मार्च 2026 शाम 6:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी और किसी अन्य माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

यूपीएससी CAPF परीक्षा 19 जुलाई को आयोजित की जाएगी, जिसमें पेपर 1 और पेपर 2 शामिल होंगे। लिखित परीक्षा के बाद चयनित अभ्यर्थियों को फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST), फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (PET), मेडिकल परीक्षण और इंटरव्यू/पर्सनैलिटी टेस्ट की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।

New Registration पर क्लिक कर अपना पंजीकरण करें और यूनिवर्सल रजिस्ट्रेशन नंबर (URN) प्राप्त करें।

रजिस्ट्रेशन के बाद लॉगिन करें।

Common Application Form (CAF) भरें और आवश्यक व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरण दर्ज करें।

परीक्षा-विशिष्ट मॉड्यूल में परीक्षा केंद्र का चयन करें और आवेदन शुल्क जमा करें।

स्कैन की गई फोटो, हस्ताक्षर और पहचान पत्र की जानकारी अपलोड करें।

सभी विवरण जांचकर फॉर्म सबमिट करें।

नये फैशन की दुनिया में नजर आ रहा है खादी

मेडइन भारत के बढ़ते क्रेज के चलते इन दिनों खादी के कपड़े काफी पॉपुलर हो चुके हैं। सिर्फ पुरुष ही नहीं महिलाएं भी अब खादी को काफी तवज्जो दे रही हैं। यह एक ऐसा फैब्रिक है , जिसे किसी भी मौसम में पहना जा सकता है, ये स्किन फ्रेंडली होने के साथ- साथ अपने ट्रेडिशनल से जुडने का भी मौका देते हैं। बदलते फैशन ट्रेंड्स को देखते हुए अब खादी में साड़ी-कुर्ते से आगे बढ़कर टॉप, प्लाजो, स्कर्ट्स, जैकेट्स, डेनिम्स के भी कई ऑप्शन उपलब्ध हैं। चलिए जानते हैं त्यौहारों के इस मौसम में किस तरीके से आप खादी को बना सकते हैं अपने फैशन का हिस्सा

खादी की साड़ी

अगर आप सॉफ्ट और लाइटवेट साड़ी की तलाश में हैं तो खादी की साड़ी से बेहतर ऑप्शन कोई हो ही नहीं सकता। इन बेहतरीन साड़ी को पहनकर आपको रिच लुक तो मिलेगी साथ ही आपको कंफर्ट के साथ भी कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं करना पड़ेगा। खादी के ट्रेंड को बढ़ावा देने में कई हस्तियां भी शामिल हैं। ऐसे में घर में पूजा हो या फिर किसी फेस्टिवल में खूबसूरत दिखना हो तो खादी की साड़ी पर एक बार भरोसा जरूर करें।

खादी के ब्लाउज

अब साड़ी की बात हो तो ब्लाउज़ का जिक्र ना हो ऐसा तो हो नहीं सकता। आप चाहें तो खादी की साड़ी के साथ मैंचिंग या फिर किसी भी कलर का प्लेन खादी का ब्लाउज पहन सकती हैं। बढ़िया फ़ैब्रिक और स्टाइलिश लुक वाले यह खूबसूरत खादी ब्लाउज आपके बजट में आसानी से फिट हो जाएंगे। यह पहनने में जितने आरामदायक होते है उतना ही इनका रख-रखाव भी आसान है।

खादी की क्रॉप टॉप

खादी एक बहुत ही सादा कपड़ा है इसलिए इसे जरदोजी एम्ब्राइडरी या फिर ब्लॉक प्रिंट के साथ और खूबसूरत बनाया जा सकता है। इन दिनों खादी की क्रॉप टॉप भी बेहद पसंद की जा रही है, इसे आप प्रिंट वाली स्कर्ट्स या जींस के साथ कैरी कर सकती हैं। इसे पहनकर आपको बढ़िया ट्रेंडी लुक मिल जाएगा।

खादी की पेंट और पजामा

ढीले कपड़े पहनना आजकल

का स्टाईल बन गया है, तभी तो इन दिनों लड़कियां खादी की पेंट और पजामे को बेहद पसंद कर रही हैं। मार्केट में इसके इतने डिज़ाइन हैं कि आप उन्हें देखने के बाद खुद को इसे खरीदने से रोक ही नहीं पाएंगी। इसके अलावा खादी डेनिम का भी खूब ट्रेंड देखने को मिल रहा है। इसके साथ खादी स्टोल रैप कर आप अपने लुक को डिफरेंट बना सकती हैं।

खादी के स्कार्फ या दुपट्टे

आजकल सूट या कुर्तों के साथ दुपट्टा पहनना भी फैशन का हिस्सा है। खादी के प्रिंटेड स्कार्फ या दुपट्टे किसी भी साधारण ड्रेस में जान डालने का काम कर सकते हैं। इन्हें आप किसी किसी भी कलर के कुर्ते के साथ पेयर करें, यह हर किसी के साथ कमाल ही लगते हैं। या फिर जींस और टॉप

के साथ कोई खूबसूरत सा स्कार्फ लीजिए जो आपको धूप से तो बचाएगा ही साथ ही स्मार्ट लुक भी देगा।

खादी के स्टाइलिश कुर्ते

बोरिंग लाइट कलर में मिलने वाले खादी के कपड़ों में अब कैजुअल अटायर से लेकर ट्रेडिशनल आउटफिट तक में खूब वैरायटी vaदेखने को मिलती है। अब लड़कियां खादी के कुर्तो को साधारण तरीके से नहीं बल्कि स्टाइलिश तरीके से पहनती हैं। अगर आपके वॉर्डरोब में भी डिज़ाइनर खादी कुर्ता है तो कभी भी बाहर जाने से पहले टेंशन लेने की जरुरत नहीं पड़ेगी। ज्यादातर लड़कियां खादी के कुर्ते को कोलापुरी चप्पल या फ्लैट सैंडल के साथ पहनना पसंद करती हैं।

खादी श्रग

पूरे लुक को निखारने में श्रग भी आपकी मदद कर सकता है, यह कुछ अधूरी लगने वाली पोशाकों को पूरा करने में काफी काम आता है। अपने लुक को ट्रेंडी ट्विस्ट देने के लिए सिंपल टॉप के साथ खादी श्रग पहनें। बाजार में तरह-तरह के पैटर्न और स्टाइल में खादी के श्रग उपलब्ध हैं।

रेलवे में 5349 पदों पर आज से पंजीकरण शुरू 10वीं-आईटीआई पास इस तारीख से पहले भरें फॉर्म

रेलवे भर्ती सेल, दक्षिण रेलवे ने वर्ष 2025-26 के लिए 5349 अप्रेंटिस रिक्तियों पर आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत आज से कर दी है। ये रिक्तियां विभिन्न मंडलों और कार्यशालाओं में भरी जाएंगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और 23 मार्च 2026 को समाप्त होगी।

आयु सीमा में कितनी छूट मिलेगी?

आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी। एससी/एसटी को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष, ओबीसी को 3 वर्ष और दिव्यांग (PwBD) अभ्यर्थियों को 10 वर्ष की छूट मिलेगी। भूतपूर्व सैनिकों को सेवा अवधि के साथ अतिरिक्त 3 वर्ष तक की छूट दी जाएगी, बशर्ते उन्होंने कम से कम छह माह की निरंतर सैन्य सेवा पूरी की हो।

कुल रिक्तियां 5,349

आवेदन की अंतिम तिथि 23 मार्च 2026

चयन प्रक्रिया 10वीं कक्षा और आईटीआई अंकों के आधार पर मेरिट

प्रशिक्षण अवधि 1 वर्ष

मासिक वजीफा (10वीं पास) 6,000 रुपये

मासिक वजीफा (आईटीआई पास) 7,000 रुपये

नौकरी का प्रकार शिक्षुता (केवल प्रशिक्षण, स्थायी नौकरी नहीं)

रेलवे में अप्रेंटिस के क्या फायदे हैं?

रेलवे प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण पूरा कर राष्ट्रीय अप्रेंटिस प्रमाणपत्र (NAC) प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को भविष्य में लेवल-1 पदों (18,000 से 56,900 रुपये वेतनमान) की सीधी भर्ती में अधिकतम 20% रिक्तियों तक वरीयता दी जाएगी, बशर्ते वे आरआरबी/आरआरसी द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करते हों।

आवेदन शुल्क कितना है?

अप्रेंटिस भर्ती के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित है, जो नॉन-रिफंडेबल है। हालांकि एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी और महिला अभ्यर्थियों को शुल्क में छूट दी गई है। शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई या नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। भुगतान के बाद अभ्यर्थियों को स्टेटस अवश्य जांच लेना चाहिए।

आवेदन करने की प्रक्रिया क्या है?

भर्ती प्रक्रिया के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें:

वेस्टर्न रेलवे के आधिकारिक भर्ती पोर्टल (rrc-wr.com) पर जाएं।

आरआरसी डब्ल्यूआर अप्रेंटिस भर्ती 2026 के लिंक को खोजें।

व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरणों के साथ पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें।

स्कैन किए गए दस्तावेज अपलोड करें और 23 मार्च 2026 से पहले फॉर्म जमा करें।

भविष्य में संदर्भ के लिए पुष्टिकरण का प्रिंट आउट ले लें।

तापसी पन्नू ने खत्म किया कंगना से झगड़ा : बी-ग्रेड और सस्ती कॉपी कहा गया, अब बोलीं- मेरी तरफ से कोई लड़ाई नहीं

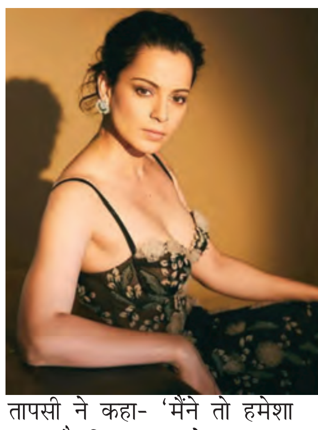

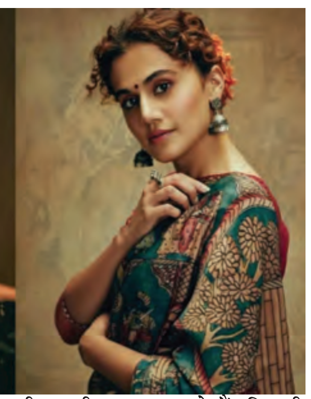

तापसी पन्नू ने हाल ही में कंगना रनोट से हुए झगड़े पर बात की है। एक समय में कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने तापसी पन्नू को कंगना की सस्ती कॉपी कहा था। जिसके जवाब में तापसी ने कहा था कि कंगना एक अच्छी एक्ट्रेस हैं और उनकी कॉपी होना भी अच्छी बात है। दोनों का झगड़ा तब काफी सुर्खियों में रहा था, हालांकि अब तापसी का कहना है कि उन्हें कंगना से दोस्ती करने में ऐतराज नहीं है, ये झगड़ा कभी उनकी तरफ से नहीं था। एक्ट्रेस ने ये भी कहा है कि उनके झगड़े से कुछ लोगों को फायदा पहुंचा है।

तापसी पन्नू से हाल ही में पूछा गया था कि क्या उनके और झगड़े से नेपोकिड्स को फायदा पहुंचा। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को कुछ न कुछ फायदा तो हुआ होगा। मेरी तरफ से कोई लड़ाई है नहीं। पर मुझे ये जरूर लगता है कि किसी ने कुछ जरूर जाकर वहां कुछ बोल दिया है, जो नहीं चाहता कि हम साथ आएं। क्योंकि अगर हम साथ आए तो उन्हें पता है कि बहुत जबरदस्त कुछ हो।'

अगर उनकी कंगना से दोस्ती करवाई जाए तो वो करेंगे। जवाब में तापसी ने कहा- 'मैंने तो हमेशा कहा है कि अगर वो आसपास मिलेंगी तो मैं जरूर जाकर बात करूंगी। टेक्निकली वो मेरी सीनियर हैं। मैं क्यों उनके पास जाकर हाय-हैलो क्यों नहीं करूं। उनका क्या जवाब होगा उसकी गारंटी मेरी नहीं है। अपने बिहेवियर की गारंटी मैं ले सकती हूं।'

कैसे शुरू हुआ था तापसी-कंगना का झगड़ा?

तापसी पन्नू से एक इंटरव्यू में पूछा गया था कि कंगना रनोट को किस प्रोडक्ट की जरुरत है। जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'डबल फिल्टर'। तापसी के बयान से कंगना और उनकी बहन काफी नाराज हुईं।कंगना की बहन रंगोली ने तब इसका जवाब देते हुए लिखा था, 'कुछ लोग कंगना को कॉपी करके ही अपनी दुकान चलाते हैं। पिछली बार मैंने तापसी जी को ये कहते हुए सुना कि कंगना को डबल फिल्टर की जरूरत है और तापसी जी आपको सस्ती कॉपी बनने से रुकने की जरूरत है।'

कंगना ने तापसी को बताया बी-ग्रेड एक्ट्रेस

इसके बाद कंगना ने रिपब्लिक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में तापसी और स्वरा भास्कर को बी-ग्रेड एक्टर बताया। साथ ही कहा था कि उन्हें (मूवी माफिया) कल तापसी पन्नू और स्वरा भास्कर जैसी 20 और जरूरतमंद आउटसाइडर्स मिल जाएंगी, जो कहेंगी सिर्फ कंगना को नेपोटिज्म से दिक्कत है। लेकिन हम करण जौहर से प्यार करते हैं।

कंगना के आरोपों पर चुप नहीं रहीं तापसी

इसके बाद हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में तापसी ने कहा था- यह देखकर दुख होता है कि कोई उस इंडस्ट्री में बाहरी लोगों का मजाक उड़ा रहा है, जिसने हमें बहुत कुछ दिया है। हां मुझे भी फिल्मों से निकाला गया और स्टार किड्स से रिप्लेस किया गया। लेकिन कंगना और उनकी बहन का मेरी कड़ी मेहनत को क्रेडिट न देना और मेरा नाम घसीटना भी उसी लेवल का हैरेसमेंट है। यह सब इसलिए, क्योंकि मैंने उनके सुर में सुर मिलाने से इनकार कर दिया।'

'क्योंकि मैंने आउटसाइडर्स के लिए झंडा उठाने वाली बनने से इनकार कर दिया। क्योंकि हम सभी उतने कड़वे नहीं हैं। क्योंकि मैंने किसी (सुशांत) की मौत का फायदा निजी बदले के लिए उठाने से इनकार कर दिया और मैंने उस इंडस्ट्री का मजाक बनाने से इनकार कर दिया, जिसने हमें रोटी और पहचान दी।'

तापसी पन्नू पर की गई कंगना रनोट की पुरानी पोस्ट।

इसके बाद से ही कंगना और तापसी एक-दूसरे पर कई बयान देती नजर आई थीं। इस समय अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने कंगना और तापसी की सुलह करवाने की कोशिश की थी, लेकिन बात नहीं बनी।

जूही चावला ने बेटी जान्हवी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं शेयर की खूबसूरत तस्वीर; लगाए 1000 पेड़

बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी बेटी को सोशल मीडिया हैंडल के जरिए जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस खास मौके पर जूही ने बेटी और पति जय मेहता के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही जूही ने बेटी के लिए एक खास नोट भी लिखा।

जूही चावला का पोस्ट

जूही ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जूही अपनी बेटी जान्हवी और पति जय मेहता के साथ नजर आ रही हैं। जूही ने बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कैप्शन में लिखा, 'मेरी प्यारी जान्हवी के लिए 1000 पेड़... मुस्कुराती रहो। चमकती रहो। लव यू। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें। जन्मदिन मुबारक।' बेटी के जन्मदिन पर 1000 पेड़ लगाने का उनका यह फैसला बहुत सराहनीय है। पहली फोटो में जान्हवी हल्के नीले ग्रेजुएशन गाउन में फूलों का गुलदस्ता लिए खड़ी हैं। जूही और जय उनके पास खड़े होकर खुशी से मुस्कुरा रहे हैं।

जूही चावला का परिवार

जूही और जय मेहता की शादी 1995 में हुई थी। दोनों की मुलाकात दोस्तों के जरिए हुई और फिर प्यार हो गया। जूही ने कई बार बताया है कि जय ने उन्हें बहुत प्यार और सहारा दिया, खासकर उनकी मां के निधन के मुश्किल समय में। दोनों ने सादा समारोह में शादी की और अब मीडिया से दूर रहते हैं। उनके दो बच्चे हैं बेटी जान्हवी और बेटा अर्जुन। दोनों ही पढ़ाई पर ध्यान देते हैं और सार्वजनिक जीवन से दूर रहते हैं।

जूही के बारे में

जूही ने 1984 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उन्होंने 1986 में फिल्म 'सुल्तानत' से बॉलीवुड में शुरुआत की, लेकिन असली पहचान 1988 में आमिर खान के साथ 'कयामत से कयामत तक' से मिली। इसके बाद 'हम हैं राही प्यार के', 'डर', 'यस बॉस', 'इश्क' जैसी कई हिट फिल्में कीं। उन्होंने 80 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम किया है। अब जूही फिल्मों के अलावा बिजनेस और पर्यावरण से जुड़े कामों में भी बहुत सक्रिय हैं।

आमिर खान ने 'पीके' को लेकर किए खुलासे क्यों पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे राजकुमार हिरानी

आमिर खान ने हाल ही में बताया कि उनकी फिल्म 'पीके' की मूल पटकथा अलग थी। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि राजकुमार हिरानी इससे संतुष्ट नहीं थे। यह फिल्म 2014 में रिलीज हुई थी।

आमिर खान का खुलासा

एक खबर के अनुसार, आमिर खान ने कहा, ''पीके' बहुत सफल रही, लेकिन राजू (राजकुमार हिरानी) और मैं दोनों ही इससे पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। हमने बदलाव किए क्योंकि 'ओएमजी' से कुछ समानताएं थीं। कहानी में एक एलियन था, जो इसे अलग बनाती थी, लेकिन फिर भी कुछ चीजें मिलती-जुलती थीं।' उन्होंने आगे कहा कि रिलीज से पहले दोनों ने बात की कि वे फिल्म से पूरी तरह खुश नहीं हैं, लेकिन यह उनका सबसे अच्छा प्रयास था।

'पीके' के बारे में

निर्देशक- राजकुमार हिरानी

मुख्य कलाकार- आमिर खान, अनुष्का शर्मा, सुशांत सिंह राजपूत (दिवंगत), बोमन ईरानी, सौरभ शुक्ला, संजय दत्त

फिल्म 'पीके' रिलीज के समय सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म बनी थी। तीन साल बाद 'बाहुबली 2' और 'दंगल' ने इसका रिकॉर्ड तोड़ा।

इन दिनों क्या कर रहे हैं आमिर खान

राजकुमार हिरानी और आमिर खान दादासाहेब फाल्के की बायोपिक पर साथ काम करने वाले थे, लेकिन रचनात्मक मतभेदों के कारण यह प्रोजेक्ट अभी रुका हुआ है।

आमिर खान को आखिरी फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ इमरान खान और वीर दास भी थे। बहरहाल, आमिर अपने प्रोडक्शन 'एक दिन' पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनके बेटे जुनैद खान और साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं।

मलाइका अरोड़ा ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग मनाया वैलेंटाइन्स डे! इटली से हर्ष मेहता के साथ तस्वीरें हुई वायरल

मलाइका अरोड़ा का नाम इन दिनों डायमंड मर्चेंट बिजनेसमैन हर्ष मेहता के साथ जुड़ रहा है। दोनों को कॉन्सर्ट में साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद से ही दोनों के लिंक-अप की खबरें सुर्खियों में हैं। इसी बीच अप रूमर्ड कपल की इटली से एक तस्वीर वायरल हुई है, जिसके साथ दावा किया जा रहा है कि दोनों ने साथ वैलेंटाइन्सडे सेलिब्रेट किया है।

सामने आई तस्वीर में हर्ष मेहता, मलाइका अरोड़ा के साथ सेल्फी क्लिक करते नजर आ रहे हैं। ब्लैक ओवरकोट पहनीं मलाइका अरोड़ा रोमांटिक अंदाज में हर्ष के साथ पोज करती नजर आई हैं। इस दौरान सेल्फी क्लिक कर रहे हर्ष ने भी ग्रे ओवरकोट पहन रखा है। वायरल फोटो का बैकड्रॉप इटली के फेम मॉन्यूमेंट का है।

कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा को हर्ष मेहता के साथ एक मुंबई में हुए एनरिक ग्लेसिया के कॉन्सर्ट में स्पॉट किया गया था। दोनों साथ कॉन्सर्ट में पहुंचे और कॉन्सर्ट के बीच इशारों में एक-दूसरे से बात करते नजर आए थे। इसके बाद दोनों कॉन्सर्ट के बाद एक साथ वहां से निकले।

इसके बाद हर्ष मेहता, मलाइका अरोड़ा के 50वें बर्थडे सेलिब्रेशन में भी मौजूद रहे। इस पार्टी में मलाइका के बेटे भी पहुंचे थे। मलाइका अरोड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से भी बर्थडे सेलिब्रेशन की इनसाइड तस्वीरें शेयर की थीं, हालांकि उन तस्वीरों में हर्ष की साफ झलक नहीं थीं। या तो उनका चेहरा क्रॉप किया गया था, या वो छिपे हुए थे।

मलाइका के बर्थडे में हर्ष मेहता।

कुछ दिनों बाद दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, हालांकि इस दौरान दोनों अलग-अलग एयरपोर्ट पहुंचे और मीडिया की नजरों से बचते दिखे थे। दोनों दुबई में हुए एक प्रॉपर्टी से जुड़े इवेंट में भी साथ पहुंचे थे, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

मलाइका बोलीं- लोगों का बातें करना पसंद है

हाल ही में द नम्रता जकारिया शो में मलाइका अरोड़ा ने हर्ष मेहता से नाम जुड़ने पर कहा था, "लोगों को बातें करना पसंद है। अगर आपको किसी के साथ स्पॉट किया जाता, आप बाहर जाते हैं तो यह एक डिस्कशन का प्वाइंट बन जाता है। मैं बिना वजह इन बातों को हवा नहीं देना चाहती।

मैं ऐसा नहीं करना चाहती क्योंकि इससे वास्तव में कोई फायदा नहीं होगा। यकीन मानिए, मैं जब भी बाहर निकली हूं, चाहे वह कोई पुराना दोस्त हो, गे फ्रेंड हो, शादीशुदा दोस्त हो, कोई पुराना दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो...मेरा नाम तुरंत उस इंसान से जुड़ जाता है। हम इस पर हंसते और मजाक बनाते हैं।"

हैदराबाद एयरपोर्ट पर दिखे विजय-रश्मिका : एक्ट्रेस ने कन्फर्म की शादी

दिल्ली का बैंड हायर किया, 230 गेस्ट शादी में होंगे शामिल

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी की खबरों से सुर्खियों में हैं। दावा किया जा रहा है कि कपल 26 फरवरी को उदयपुर में शादी करने वाले हैं। इसी बीच कपल को हैदराबाद एयरपोर्ट से रवाना होते हुए स्पॉट किया गया है। इससे पहले दोनों की शादी का एक कार्ड भी वायरल हो चुका है। हैदराबाद एयरपोर्ट में रश्मिका मंदाना टीका लगाई दिखीं। हालांकि इस दौरान उन्होंने मास्क से चेहरा कवर किया हुआ था। उन्होंने कूल हाफ स्लीव्स टी-शर्ट के साथ ब्लैक लोवर और ब्लैक शूज पहने हुए थे। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने डार्क ग्लासेस भी पहने थे।

विजय देवरकोंडा को ठीक उसी समय हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट पर विजय ने भी डार्क ग्लासेस और मास्क से चेहरा छिपाया हुआ था।

रश्मिका मंदाना ने कन्फर्म की शादी!

रश्मिका-विजय की शादी की कन्फर्मेशन दी है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्नलिस्ट सुभाष के.झा ने रश्मिका मंदाना को ऑनलाइन मैसेज के जरिए मुबारकबाद दी थी। इस पर एक्ट्रेस ने इनकार करने की बजाए शुक्रिया कहा, जिससे कन्फर्म है कि एक्ट्रेस शादी करने वाली हैं।

दिल्ली का बैंड हुआ हायर, वेडिंग प्लानर हैदराबाद से

रश्मिका-विजय ने शादी के लिए दिल्ली का एक पॉपुलर बैंड हायर किया है, जो इससे पहले कई सेलिब्रिटी वेडिंग में परफॉर्म कर चुका है। इसके अलावा वेडिंग प्लानर हैदराबाद से हायर हुआ है, जो एक मशहूर टेनिस प्लेयर की शादी भी प्लान कर चुके हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार, विजय-रश्मिका की शादी के लिए आईटीसी मोमेंटोज होटल बुक किया गया है। सभी मेहमान 24 फरवरी को होटल में चेक-इन करेंगे। ये बुकिंग 24-25-26 फरवरी के लिए हुई है। शादी में आने वाले सभी 230 गेस्ट इसी होटल में रहेंगे, जिसमें कुल 117 कमरे हैं।

इससे पहले विजय देवरकोंडा के हैदराबाद स्थित घर को भी लाइट्स से सजाया गया था। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि घर को शादी के लिए डेकोरेट किया गया है।

विजय-रश्मिका का वेडिंग कार्ड हुआ वायरल

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक कार्ड वायरल हुआ, जिस पर विजय देवरकोंडा का नाम लिखा था। कार्ड में लिखा गया है, परिवार के आशीर्वाद से रश्मिका और विजय 26.02.26 को एक छोटे और निजी समारोह में शादी करेंगे। वे अपनी नई जिंदगी की शुरुआत अपनों के साथ करना चाहते हैं और उनका आशीर्वाद उनके लिए बहुत मायने रखता है।

दावा- उदयपुर वेडिंग के बाद हैदराबाद में होगा रिसेप्शन

रिपोर्ट्स के अनुसार, उदयपुर में होने वाली शादी के बाद कपल 3-4 मार्च को हैदराबाद में रिसेप्शन देंगे, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियां शामिल होने वाली हैं। यह रिसेप्शन हैदराबाद या बंजारा हिल्स के किसी प्रीमियम स्थल पर होने की चर्चा है।

विजय-रश्मिका एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी के बंधन में बंधेंगे, जिसमें महज परिवार के लोग और कुछ करीबी ही शामिल होंगे। शादी में नो फोन पॉलिसी होगी, जिससे इनसाइड तस्वीरें लीक न हों। इसके अलावा शादी के लिए बड़ी सिक्योरिटी एजेंसी हायर किए जाने की भी खबर है।

अक्टूबर में हुई विजय-रश्मिका की सगाई

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 3 अक्टूबर को हैदराबाद में सगाई की है। ये एक प्राइवेट सेरेमनी थी, जिसमें कपल के परिवार के चंद लोग ही शामिल हुए थे। इसके बाद रश्मिका को कई मौकों पर एंगेजमेंट रिंग के साथ स्पॉट किया गया था, हालांकि कपल ने अब तक सगाई की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। सगाई की खबरों के बीच रश्मिका मंदाना ने कहा, 'मैं शादी कंफर्म या खारिज नहीं करना चाहूंगी। मैं बस इतना कहूंगी कि जब इस बारे में बात करने का समय आएगा, तब हम बात करेंगे।'

'पुष्पा 2' के लिए अल्लू अर्जुन तो 'कल्कि' के लिए अमिताभ फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ में इन एक्टर्स ने मारी बाजी

केरल के कोच्चि में 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ का आयोजन हुआ। यह अवॉर्ड सेरेमनी 21 फरवरी को कोच्चि के एडलक्स इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हुई। इसमें कई सेलेब्स को साउथ का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। अवॉर्ड पाने वालों में साउथ के स्टार अल्लू अर्जुन और बॉलीवुड के कलाकार अमिताभ बच्चन भी शामिल हैं।

मशहूर एक्टर अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2898 AD' में अपनी एक्टिंग के लिए तेलुगु में बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

अल्लू अर्जुन ने फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए तेलुगु में बेस्ट एक्टर (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

फिल्म 'आदुजीविथम' के लिए पृथ्वीराज सुकुमारन को बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स)- फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया।

मशहूर एक्टर ममूटी ने 'ब्रमायुगम' में अपनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए मलयालम में बेस्ट एक्टर (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

साई पल्लवी ने 'अमरन' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए तमिल में बेस्ट एक्ट्रेस (फीमेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

अरविंद स्वामी को 70वें फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ में 'मेयाझगन' के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) तमिल का फिल्मफेयर अवार्ड मिला है।

70वें फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ में 'अमरन' के लिए शिवकार्तिकेयन को तमिल में बेस्ट एक्टर (मेल) का अवार्ड मिला है।

श्री मुरली ने 'बघीरा' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए कन्नड़ में बेस्ट एक्टर (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

गौरीशंकर को फिल्म 'कैरेबेट' के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) कन्नड़ का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

आसिफ अली को 'किष्किंधा कांडम' के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स)- मलयालम का फिल्मफेयर अवार्ड मिला।

70वें फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ में 'कोट्टुकाली' के लिए अन्ना बेन को बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) तमिल का फिल्मफेयर अवार्ड मिला।

जरीन शिहाब ने 'आट्टम' में अपनी एक्टिंग के लिए मलयालम में बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

तेजा सज्जा ने 'हनु-मान' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) तेलुगु का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

कार्थी ने 'मेयाझगन' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए तमिल में बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

काजल अग्रवाल ने 'सत्यभामा' में अपनी एक्टिंग के लिए तेलुगु में बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

अंजलि

अंजलि ने 'गैंग्स ऑफ गोदावरी' में अपनी एक्टिंग के लिए तेलुगु में बेस्ट सपोर्टिंग रोल (फीमेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

लिजोमोल जोस

लिजोमोल जोस ने 'हर' में अपनी एक्टिंग के लिए मलयालम में बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (फीमेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

विजयराघवन

जाने-माने एक्टर विजयराघवन ने 'किष्किंधा कांडम' में अपनी एक्टिंग के लिए मलयालम में बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

प्रिया शतमर्शन

प्रिया शतमर्शन ने 'भीमा' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर इन ए सपोर्टिंग रोल (फीमेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

गोपाल कृष्ण देशपांडे

गोपाल कृष्ण देशपांडे ने 'ब्लिंक' में अपनी एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्टर इन ए सपोर्टिंग रोल (मेल) का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता है।

अंकिता अमर

अंकिता अमर को फिल्म 'इब्बानी तबिदा इलियाली' के

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ लंदन में नजर आईं कृति सेनन, हाथ में हाथ डाल कर बिताया क्वालिटी टाइम

अभिनेत्री कृति सेनन अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। अफवाहें हैं कि अभिनेत्री बिजनेसमैन कबीर बाहिया को डेट कर रही हैं। हालांकि ना तो कृति ने, ना ही कबीर ने आधिकारिक तौर से अपने रिश्ते को लेकर कुछ कहा है। उनके बार-बार पब्लिक में दिखने से उनकी डेटिंग की अफवाहों को बल मिल रहा है।

लंदन में कबीर के साथ दिखीं कृति

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में कृति सेनन और कबीर बहिया लंदन में एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए नजर आए। क्लिप में, दोनों सड़कों पर हाथों में हाथ डाले चलते दिख रहे हैं। कबीर ने मैचिंग पैंट के साथ ब्लू स्वेटशर्ट पहनी, जबकि कृति ने ब्राउन टी-शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनी है। उन्होंने अपने लुक को ब्राउन जैकेट और ब्लैक बूट्स से पूरा किया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि वीडियो पुराना है या अभी का है।

कब से शुरू हुईं डेटिंग की अफवाहें?

कृति के कबीर को डेट करने की अफवाहें तब शुरू हुई, जब उन्होंने ग्रीस में उनके साथ अपना 34वां जन्मदिन मनाया। उनके साथ कई फोटो और वीडियो ऑनलाइन सामने आए थे। उन्होंने ग्रीस से अपने दोस्तों के साथ भी फोटो शेयर की थीं, लेकिन उनमें कबीर नहीं थे। हालांकि कबीर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की थी, वह एक ही जगह की लग रही थीं।

कृति सेनन का वर्क फ्रंट

कृति सेनन को आखिरी बार फिल्म 'तेरे इश्क में' में देखा गया था। वह जल्द ही फिल्म 'कॉकटेल 2' का हिस्सा होंगी। इसमें रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है।

पार्टी नेताओं को मिलेगी कानूनी मदद

कांग्रेस ने शुरू किया बड़ा अभियान; आईटीआई को लेकर भरी हुंकार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में नई पहल की है। पार्टी में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के मकसद से रविवार को कई नई पहलों की घोषणा की गई। इनमें राज्य और जिला स्तर पर त्वरित कानून की प्रतिक्रिया दलों का गठन व मूल सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून को बहाल करने के लिए आवाज उठाना शामिल है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन और वरिष्ठ प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने ऐसे चार कार्यक्रमों का ऐलान करते हुए कहा कि युवा प्रतिभाएं, ऐसी पहलों के माध्यम से, जब भी आवश्यकता होगी जमीनी स्तर पर कानूनी सहायता प्रदान करने में मदद करेंगी और देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए पार्टी की आवाज को मजबूत करेंगी। सिंघवी ने कहा कि एआईसीसी के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग की नई पहल युवा वकीलों के साथ जुड़ाव को और बढ़ाएगी, ताकि पहले से मौजूद कानूनी नेटवर्क को पुनर्जीवित किया जा सके और सूचना के अधिकार अधिनियम के कमजोर होने के खिलाफ आवाज उठाने वालों को मंच प्रदान किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार द्वारा आरटीआई अधिनियम को धीरे-धीरे कमजोर किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह की पहली पहल कांग्रेस का 'लीगल फेलोज प्रोग्राम' है, जिसका उद्देश्य युवा वकीलों को कानून बनाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका देकर उन्हें पार्टी की मुख्यधारा में लाना है। सिंघवी ने कहा कि इस तीन महीने की फेलोशिप के बारे में विस्तृत जानकारी एआईसीसी के सोशल मीडिया पेज पर दी जाएगी, जिसके तहत 10 युवा वकीलों का चयन किया जाएगा, जो सांसदों को उनके दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य कांग्रेस सदस्यों की अगली पीढ़ी को संसद में विपक्ष की भूमिका को समझने का अवसर प्रदान करना है।

सिंघवी ने कहा कि विभाग 'न्याय नेता और नागरिक' नामक एक पॉडकास्ट सीरीज शुरू करेगा, जिसका उद्देश्य न केवल कानूनी क्षेत्र के दिग्गजों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को बल्कि युवा और उभरते अधिवक्ताओं को भी एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे बैठकर हमारे आसपास के विभिन्न सामाजिक और कानूनी मुद्दों पर अपने विचार रख सकें। सिंघवी ने कहा, ₹ऐसे युग में जहां असहमति को अक्सर खारिज कर दिया जाता है, 'न्याय नेता और नागरिक' तर्कसंगत संवैधानिक संवाद को बहाल करने का प्रयास करता है - कानून और नागरिकों को शासन के केंद्र में रखता है, जो कि सत्ताधारी शासन के हाथों कम होता जा रहा है।₹ उन्होंने कहा, पॉडकास्ट सीरीज में कम से कम 10 एपिसोड होंगे, और मुझे एआईसीसी विधि विभाग के अध्यक्ष के रूप में उद्घाटन एपिसोड में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जो निकट भविष्य में बहुत जल्द जारी किया जाएगा।

पार्टी एक त्वरित प्रतिक्रिया बल शुरू करेगी, जो जमीनी स्तर पर पार्टी और उसके नेताओं को कानूनी सहायता प्रदान करेगी। परियोजना को उनके दिल के बेहद करीब बताते हुए सिंघवी ने कहा, ₹हम वकीलों का एक डेटाबेस तैयार कर रहे हैं, जिसका एकमात्र मार्गदर्शक मंत्र है: प्रत्येक जिले में 5 वकील उपलब्ध होने चाहिए, ताकि पार्टी के किसी भी नेता को जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता प्रदान की जा सके।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा ₹कमजोर₹ कर दिए गए सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) को पुराने स्वरूप में बहाल करने के लिए, पार्टी इस संबंध में अपनी आवाज को मजबूत करने में मदद करने के वास्ते एक राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से युवा प्रतिभाओं से जुड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरटीआई अधिनियम, 2005, जिसे कभी नागरिकों को सार्वजनिक अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार देने वाला एक परिवर्तनकारी साधन माना जाता था, वर्षों से लगातार कमजोर होता जा रहा है और प्रशासनिक रूप से भी कमजोर हो गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ₹ऐसे समय में जब शासन में पारदर्शिता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, पार्टी का मानना है कि अधिनियम की मूल भावना और शक्ति को बहाल करने के लिए एक सुव्यवस्थित राष्ट्रीय संवाद शुरू करना अनिवार्य है।₹ इसमें देश भर की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी, जिनमें पूर्व सूचना आयुक्त, न्यायविद, नागरिक संस्थाओं के नेता, आरटीआई कार्यकर्ता, पत्रकार और नीति विशेषज्ञ शामिल हैं।

सीबीएससी 10वीं-12वीं के स्टूडेंट्स से पूछे जा रहे हैं आईआईटी-जेईई लेवल के सवाल? कोर्ट पहुंची शिकायत

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सीबीएसई 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान क्वेश्चन पेपर के अलग-अलग लेवल पर विवाद खड़ा हो गया है। बोर्ड परीक्षा में आईआईटी-जेईई लेवल के क्वेश्चन पेपर बनाने का आरोप लग रहा है। बोर्ड के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर की गई है।

देश-विदेश में स्थित परीक्षा केंद्रों पर करीब 43 लाख से अधिक छात्र सीबीएसई बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं। सीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू हुईं। पहले दिन से बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विवाद शुरू गया था। 17 फरवरी को 10वीं मैथ्स के पेपर से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मैथ्स के बाद 12वीं फिजिक्स और बाकी बैक-टू-बैक परीक्षाओं को लेकर बोर्ड का विरोध कर रहे हैं। आरोप है कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 10वीं-12वीं के छात्रों से आईआईटी-जीईई लेवल के सवाल पूछे जा रहे हैं। अब मामला कोर्ट तक पहुंच गया है।

टीचर प्रशांत किराड ने सीबीएसई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है। टीचर ने अपने यूट्यूब चैनल पर PIL दायर करने की जानकारी दी है। आरोप है कि अलग-अलग रीजन के क्वेश्चन पेपर का डिफिकल्टी लेवल एक जैसा नहीं रखा गया है, जिससे छात्रों के साथ भेदभाव हो सकता है।

टीचर प्रशांत किराड के हवाले से कहा गया, 'मैं यह वीडियो खास तौर पर सीबीएसई के लिए बना रहा हूं। हम बोर्ड के खिलाफ एक पीआईएल फाइल कर रहे हैं ताकि क्वेश्चन पेपर सेट करने के गलत तरीके के खिलाफ जवाब मांगा जा सके। पहले, यह क्लास 10 के बोर्ड एग्जाम के साथ हुआ था, जहां कुछ सेट आसान थे, जबकि दूसरों के लिए जीईई मेयन और एडवांस्ड-लेवल की जानकारी चाहिए थी। अब, यही बात क्लास 12 के फिजिक्स पेपर के साथ हुई है, जो उन स्टूडेंट्स के लिए बहुत गलत है जो दिन-रात पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें मुश्किल क्वेश्चन पेपर मिलता है, जबकि दूसरों के लिए यह बिना ज्यादा मेहनत के आसान हो जाता है।' एजुकेटर प्रशांत का कहना है कि सीबीएसई12वीं फिजिक्स और कुछ दिन पहले 10वीं के मैथ्स के पेपर में कुछ सेट बहुत आसान थे, जबकि कुछ का लेवल काफी हार्ड था। टीचर ने बोर्ड परीक्षा में जेईई मेन और जेईई एडवांस्ड के लेवल के सवाल देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जेईई मेन का एग्जाम अलग-अलग शिफ्ट में होता है। डिफिकल्टी लेवल को बराबर करने के लिए नॉर्मलाइजेशन की जाती है। टीचर ने बोर्ड पीरक्षाओं में भी नॉर्मलाइजेशन की मांग की है। उनका कहना है कि बोर्ड परीक्षा के कुछ सवाल एनसीईआरटी सिलेबस के बाहर से आ रहे हैं।

एक अलग मामले में 10वीं मैथ्स के पेपर में अलग-अलग चीजें देखने को मिलीं। सीबीएसई की क्लास और सब्जेक्ट एक लेकिन क्वेश्चन पेपर के पेज अनेक थे। दोनों क्वेश्चन पेपर 10वीं मैथ्स बेसिक के थे। एक सेट-1 और दूसरा-2। दोनों सेट में सवालों की संख्या 38 थी और परीक्षा की अवधि तीन घंटे। लेकिन दोनों सेट में क्वेश्चन पेपर के पेज में बड़ा अंतर देखने को मिला। जिसे देखकर स्टूडेंट और पेरेंट्स ने माथा पकड़ लिया। सेट-1 क्वेश्चन पेपर में 15 पेज थे, जबकि सेट-2 में 27 पेज का क्वेश्चन पेपर था। यानी दोनों में 12 पेज का बड़ा अंतर था। इससे स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और कुछ टीचर्स अलग-अलग सेट में काफी ज्यादा अंतर का आरोप लगा रहे हैं।

एजुकेटर प्रशांत किराड ने बिना डिफिकल्टी लेवल देखे इतने सारे सेट बनाने की जरूरत पर भी सवाल उठाया है। उनके मुताबिक, बोर्ड कई सालों से कई सेट बना रहा है, लेकिन किसी ने भी एक ही एग्जाम के कई सेट के डिफिकल्टी लेवल में इतना बड़ा अंतर नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि सीबीएसई एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करे जिसमें उन स्टूडेंट्स के लिए ग्रेस मार्क्स की घोषणा की जाए जिन्हें मुश्किल सेट देना पड़ा या टीचर्स को मार्किंग में ढील करने का निर्देश दिया जाए।'

कासगंज में पत्नी व 3 बच्चों की हत्या कर जान दी

बच्चों को जहर देकर पत्नी का गला काटा; 3 दिन घर में पड़ी रहीं लाशें

कासगंज, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कासगंज में पत्नी और बच्चों की हत्या के बाद पति फंदे से झूल गया। उसने पहले बच्चों को जहर दिया और फिर पत्नी का गला काट दिया। तीन दिन तक शव घर में पड़े रहे और किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई। पड़ोसियों के मुताबिक, घटना का पता उस वक्त चला, जब शनिवार शाम एक युवक शादी का कार्ड देने घर गया। उसने दरवाजा खटखटाया और नाम लेकर काफी देर तक बुलाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने आसपास के लोगों से पूछा। तब पता चला कि घर में पिछले तीन दिनों से कोई हलचल नहीं थी। शक के आधार पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छैनी-हथौड़े से लोहे का दरवाजा काटकर घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर पति का शव फंदे से लटका हुआ मिला। बगल में तीनों बच्चों के शव बेड पर थे।

उसके नीचे फर्श पर पत्नी का शव पड़ा हुआ था। बच्चों के मुंह से झाग निकल रहा था। मृतकों की पहचान श्यामवीर (50), उसकी पत्नी रामश्री (48), दोनों बेटियां प्राची (12), आकांक्षा (10) और बेटे गिरीश के रूप में हुई है।

पूरा मामला कासगंज कोतवाली क्षेत्र का है। रविवार सुबह परिवार का अंतिम संस्कार हुआ। पति-पत्नी को एक ही चिता पर जलाया गया। जबकि तीनों बच्चों को दफनाया गया।

श्यावीर के भाई देशराज ने सभी का क्रियाकर्म किए। डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि स्थानीय लोग घटना के पीछे आर्थिक तंगी को वजह बता रहे हैं। मामले की जांच जारी है। पड़ोसियों के अनुसार, परिवार बेटे की न्यूरो समस्या से परेशान था। घर के अंदर का दृश्य देखकर लग रहा था कि कई दिनों से चूल्हा नहीं जला था। वहां कोई बर्तन भी नहीं थे।

दबंगों ने दलित का छप्पर फूंका

लाठी-डंडे चले; 4 राउंड फायरिंग; 7 घायल

विधायक बोलीं- सख्त कार्रवाई हो

कानपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में दबंगों ने दलित परिवार के घर के बाहर छप्पर में आग लगा दी। खौफ पैदा करने के लिए चार राउंड हवाई फायरिंग की। दरअसल, ट्रैक्टर निकालने के दौरान छप्पर टूट गया। इस पर दलित परिवार ने आपत्ति की। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर छप्पर में आग लगा दी। घटना कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मढ़ापुर गांव की है। इस मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे दो पड़ोसी भी चोटिल हुए।

जानकारी मिलने के बाद विधायक सरोज कुरील ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

शीर्ष नक्सली देवजी ने किया 'आत्मसमर्पण'

तेलंगाना पुलिस के सामने डाले हथियार!

सुकमा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नक्सली संगठन के महासचिव टिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण की खबर है। बताया जा रहा है कि देवजी ने अपने साथी सीसीएम संग्राम के साथ पुलिस के सामने हथियार डाले दिए हैं। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। कुछ महीने पहले ही देवजी को संगठन का महासचिव बनाया गया था। इससे पहले पूर्व महासचिव नम्बाला केशव राव उर्फ बसवराजू पिछले साल मई को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारा गया था। अगर देवजी के

आत्मसमर्पण की आधिकारिक पुष्टि होती है, तो एक वर्ष के भीतर दूसरी बार संगठन शीर्ष नेतृत्व विहीन हो जाएगा। वहीं, सूत्रों का कहना है कि देवजी के साथ कई सशस्त्र कैडरों के भी आत्मसमर्पण करने की बात भी संभावना है।

इससे पूर्व 19 नवंबर 2025 में एक करोड रुपए से ज्यादा के इनामी खूंखार नक्सली माडवी हिड़मा को मारने के बाद नक्सलियों के टॉप लीडर देवजी को भी ढेर करने की खबर सामने आई थी। हालांकि आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई थी। छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर मारेडुमिल्ली के जंगलों में हुई मुठभेड़ में पोलित ब्यूरो मेंबर और नक्सल महासचिव देवजी समेत कुल सात नक्सली मारे आने की खबर सामने आई थी।

अब देवजी के तेलंगाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सरेंडर करने की खबर सामने आ रही है। हालांकि अभी भी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि वर्ष 2025 से अब तक बीच-बीच में देवजी के आत्मसमर्पण या मारे जाने की खबर सामने आती रही हैं।

देशभर के किसानों, वैज्ञानिकों और नीतिगत प्रयासों का अहम योगदान है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड का जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ श्रवण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक और प्रेरक प्रयासों को सामने लाने वाला सशक्त मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूती देता है और हर माह लोग इसके प्रसारण का इंतजार करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी ताकत को विश्व स्तर पर सराहा गया। 'मेड इन इंडिया' एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भी स्टार्टअप संस्कृति

और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती हो रही है और भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है। इसमें छत्तीसगढ़ सहित देशभर के किसानों, वैज्ञानिकों और नीतिगत प्रयासों का अहम योगदान है। मुख्यमंत्री ने अमूल के माध्यम से डेयरी प्रबंधन में एआई के उपयोग और 'सुश्रुत संहिता' जैसे प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण को भारतीय परंपरा और आधुनिक तकनीक के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण बताया।

कार्यक्रम में केरल की 10 माह की बालिका आलिन शेरिन अब्राहम के अंगदान के निर्णय का उल्लेख करते हुए इसे मानवता की मिसाल बताया गया। साथ ही डिजिटल फ्रॉड और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराधों से सावधान रहने, केवाईसी और बैंकिंग सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी महत्वपूर्ण बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' का प्रत्येक एपिसोड आत्मनिर्भर भारत, तकनीकी सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों को दर्शाता है और नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

चोरी के शक में बेकाबू भीड़ का कहर

युवक की पीट-पीटकर हत्या, मॉब लिंचिंग का केस दर्ज

रांची, 22 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के तेलियाही गांव में चोरी के संदेह में एक युवक की ग्रामीणों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी. घटना शनिवार (21 फरवरी) देर रात की बताई जा रही है. गांव के कुछ लोगों का आरोप था कि एक युवक गांव में खड़े ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करने की कोशिश कर रहा था. इसी शक के आधार पर उसे पकड़ लिया गया.

आरोप है कि इसके बाद भीड़ बेकाबू हो गई. युवक के हाथ-पैर बांध दिए गए और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से जमकर मारपीट की गई. मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश भी की, लेकिन गुस्साई भीड़ नहीं मानी.

पुलिस ने छुड़ाया, रास्ते में तोड़ा दम

सूचना मिलने के बाद पड़वा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर

पहुंची. पुलिस ने युवक को ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाया. उस समय उसकी हालत बेहद गंभीर थी. उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई.

मृतक की पहचान मुरमा गांव निवासी मनोज राम के बेटे पवन राम के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. दंडाधिकारी की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन ने माना है कि पहली नजर में यह मामला मॉब लिंचिंग का लग रहा है. पुलिस ने इस मामले में मॉब लिंचिंग से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज की है. एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है और बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है.

पुराने आरोपों की भी जांच

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि साल 2024 में मृतक पर कुछ लड़कियों पर टिप्पणी करने का आरोप लगा था. हालांकि पुलिस का कहना है कि फिलहाल पूरे मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है.

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है. एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है.

नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की खुदकुशी

गले में फंदा लगाकर छत से लगाई छलांग, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है। भांठागांव स्थित अवधपुरी इलाके में किराए के मकान में रह रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार युवक की पहचान रायगढ़ निवासी पुष्पेंद्र पटेल के रूप में हुई है। वह पढ़ाई के सिलसिले में रायपुर में रह रहा था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि उसने दो मंजिला इमारत से जीआई तार के सहारे छलांग लगाई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी आसपास के लोगों को तब हुई जब युवक को फंदे पर लटका देखा गया। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुरानीबस्ती थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल पुलिस आत्महत्या की आशंका के आधार पर जांच कर रही है, लेकिन अन्य संभावित पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। युवक के इस कदम के पीछे क्या कारण रहे, इसका पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों और परिचितों से भी पूछताछ करेगी।

घटना के बाद इलाके में शोक और स्तब्धता का माहौल है। यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव से गुजर रहा है, तो विशेषज्ञ की मदद लेना बेहद जरूरी है। समय पर परामर्श और संवाद कई दुखद घटनाओं को टाल सकता है।

नगर निकाय चुनाव से पहले मोरहाबादी डिस्पैच सेंटर में कर्मचारी की मौत

चालकों का हंगामा

रांची, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित डिस्पैच सेंटर में चुनाव ड्यूटी पर तैनात एक कर्मचारी की मौत से हड़कंप मच गया। खड़ी गाड़ी के अंदर कर्मचारी का शव मिलने के बाद पूरे परिसर में सनसनी फैल गई। घटना से आक्रोशित वाहन चालकों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए।

मृतक की पहचान चालक सुनील मुंडा के रूप में हुई है, जिन्हें नगर निकाय चुनाव के तहत वाहन सहित ड्यूटी में लगाया गया था।

बताया जा रहा है कि बीती रात उन्होंने चूड़ा खाकर गाड़ी में ही विश्राम किया था। सुबह काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर अन्य चालकों को संदेह हुआ। गाड़ी की जांच करने पर उन्हें अचेत अवस्था में पाया गया। तत्काल सूचना अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद उनकी मौत की पुष्टि हुई।

घटना के बाद मौके पर मौजूद वाहन चालकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। चालकों का आरोप था कि प्रशासन चुनाव कार्य के लिए उनकी गाड़ियों को जबरन अधिग्रहित कर लेता है, लेकिन खाने-पीने के लिए मिलने वाली खुराकी राशि समय पर नहीं दी जाती।

प्रदर्शन कर रहे चालकों ने दावा किया कि मृतक को भोजन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिलने के कारण भूख से मौत हुई है। उन्होंने चुनाव ड्यूटी में लगे चालकों के लिए उचित सुविधा और भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

स्थिति बिगड़ती देख प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तत्काल मोरहाबादी मैदान पहुंचे और चालकों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया। अधिकारियों ने मौके पर ही लंबित खुराकी राशि का भुगतान कराया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। प्रशासन ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद चुनाव व्यवस्था और कर्मियों की सुविधाओं को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

एलन मस्क को पीछे छोड़ एक युवती बनी दुनिया की सबसे अमीर! लेकिन अमीरी में एक शर्त भी शामिल

नई दिल्ली,22 फरवरी (एजेंसियां)। टेस्ला के मालिक और अमेरिकी कारोबार एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान नहीं रहे! यह खबर आपको चौंका सकती है। इंग्लैंड के शहर नॉटिंघम की रहने वाली सोफी डाउनिंग नाम की एक 29 साल की बिजनेस ओनर एक लोकल कॉफी शॉप के बिल के हिसाब से इतिहास की सबसे अमीर इंसान बन गई हैं। लेकिन इस अमीरी की एक शर्त है- ये पैसा सिर्फ 200 डिग्रीज़ कॉफ़ी पर ही खर्च किया जा सकता है।

यह अनोखी कहानी क्रिसमस के एक तोहफे से शुरू हुई। सोफी को एक वाउचर मिला, जिसे वो कॉफी शॉप के लिए 10 पाउंड का समझ रही थीं। लेकिन जब उन्होंने पिछले हफ्ते एक माचा लाते खरीदने की कोशिश की, तो मशीन में एक चौंकाने वाली राशि 63 क्वाड्रिलियन (63 के बाद 15 शून्य) पाउंड से भी ज्यादा दिखाई दी। सोचिए, दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क से भी ज्यादा अमीर! यह राशि एलन मस्क की कुल संपत्ति से करीब 1,00,000 गुना और पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के कुल मूल्य से 670 गुना ज्यादा है। फोर्ब्स के मुताबिक एलन मस्क की संपत्ति करीब 852 अरब डॉलर है।

कॉफी वाउचर ने बनाया 'क्वाड्रिलियन' लेडी

सोफी ने पहली बार 12 फरवरी को फ्लाइंग हॉर्स वॉक वाली ब्रांच में इस कार्ड का इस्तेमाल किया। जब स्क्रीन पर बैलेंस दिखाई दिया, तो वहां कॉफी बनाने वाला शख्स हैरान रह गया।

सोफी ने बताया, 'उसका चेहरा देखने लायक था, जैसे पूछ रहा हो कि ये क्या है?' 17 फरवरी को जब वो दोबारा कुछ खरीदने गईं, तो उन्होंने देखा कि बैलेंस अभी भी क्वाड्रिलियन में ही था। 200 डिग्री कॉफी की तरफ से इस गड़बड़ का कोई कन्फर्मेशन नहीं आया है। सोफी को लगता है कि शायद स्कैनिंग में कोई गलती हुई होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि गलत बारकोड स्कैन हो गया, जिसकी वजह से यह अविश्वसनीय बैलेंस बन गया।

खर्च करने का क्या है प्लान?

इतनी बड़ी रकम होने के बावजूद सोफी इसे पूरा खर्च करने का कोई इरादा नहीं रखतीं। उन्होंने मजाक में कहा, 'मैं चाहूं तो दुकान का सारा सामान खरीद सकती हूं, लेकिन मैं हद पार नहीं करना चाहती। अगर यह कोई और गिफ्ट कार्ड होता तो ज्यादा अच्छा होता।'

कागजों पर सबसे अमीर

सोफी के पास यह रकम असल में कैश नहीं है, लेकिन यह आज के डिजिटल सिस्टम की अजीब बातों को दिखाती है। बारकोड, स्कैनिंग की गलतियां और सॉफ्टवेयर की गड़बड़ कभी-कभी ऐसी संख्याएं बना सकती हैं जो असलियत में संभव नहीं हैं।

एक्सपट्र्स का कहना है कि यह एक दुर्लभ लेकिन दिलचस्प उदाहरण है कि कैसे टेक्नोलॉजी अजीब नतीजे दे सकती है। कागजों पर सोफी आज किसी भी इंसान से कहीं ज्यादा अमीर हैं।

4 घंटे में दिल्ली से पहुंच जाएंगे बनारस, शुरू होने वाला है बुलेट ट्रेन का काम! रास्ते में आएंगे ये शहर

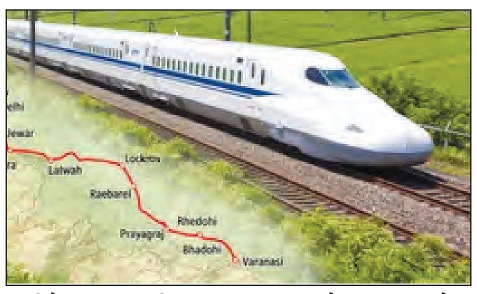

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से बनारस का सफर जो अभी 8 से 12 घंटे का समय लेता है, वह जल्द ही सिर्फ 4 घंटे में पूरा हो सकेगा।रेलवे बोर्ड ने दिल्ली-बनारस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण को हरी झंडी दे दी है।अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो अगले दो से तीन महीनों में इस बुलेट ट्रेन रूट पर जमीनी काम शुरू होने की पूरी संभावना है.

सात नए बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का खाका तैयार

देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए सरकार ने सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने का फैसला किया है।

हालिया बजट में वित्त मंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए 16 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश का अनुमान जताया था।इन अत्याधुनिक रेलवे ट्रैक्स पर 250 से 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ेंगी, जिससे महानगरों की दूरी काफी सिमट जाएगी.

दिल्ली-बनारस रूट पर क्यों है सरकार का खास फोकस?

दिल्ली-बनारस कॉरिडोर का काम सबसे पहले शुरू करने की तैयारी है।नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने इसके लिए क्षेत्रीय कार्यालय बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके पीछे एक बड़ी वजह 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी माने जा रहे हैं।बनारस प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र है, इसलिए आम जनता को राहत देने वाले इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी जा रही है.

किन शहरों से होकर गुजरेगी यह हाई-स्पीड ट्रेन?

इस 840 किलोमीटर से अधिक लंबे रूट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंप दी गई है।यह बुलेट ट्रेन दिल्ली के सराय काले खां से चलकर नोएडा, जेवर एयरपोर्ट, मथुरा, आगरा, लखनऊ और प्रयागराज होते हुए वाराणसी पहुंचेगी।इस रूट पर कुल 13 से 14 स्टेशन बनाए जाएंगे।सटीक निर्माण लागत तय करने के लिए फिलहाल लेजर तकनीक से सर्वे किया जा रहा है.

वैश्याराजू ज्वेलर्स का दिलसुखनगर में नए शोरूम का उद्घाटन

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ज्वेलरी कलेक्शन और रोमांचक शुरुआती ऑफर्स के साथ, वैश्याराजू ज्वेलर्स के दिलसुख नगर मेन रोड पर नए शोरूम का उद्घाटन मशहूर फिल्म एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने किया। इस शोरूम में पहली खरीदारी जामी भोजाराजू ने की, जिससे यह मौका और भी खास बन गया।

इस इवेंट में मैनेजिंग डायरेक्टर वैश्याराजू भद्रगिरी राजू ने बताया कि उन्हें हैदराबाद में अपनी दूसरी ब्रांच लॉन्च करने पर बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि शोरूम में शानदार डिज़ाइन और कलेक्शन की एक बड़ी रेंज है जो हर कस्टमर को पसंद आएगी। कस्टमर सभी 22के.टी. गोल्ड ज्वेलरी पर फ्लैट 60/0 वॉटेज (वीए) का फायदा उठा सकते हैं।

डब्ल्यूएस क्लैरिटी और एफई कलर वाले आईजी1-सर्टिफाइड डायमंड Rs' 49,500 प्रति कैरेट से शुरू हो रहे हैं। रेगुलर चांदी के आइटम पर कोई वेस्टेज नहीं, कोई मेकिंग चार्ज नहीं, और जीएसटी कंपनी देगी।

इसके अलावा, कस्टमर चांदी की खरीद पर 5,000 प्रति केजी तक का स्पेशल डिस्काउंट पा सकते हैं।

ये स्पेशल ऑफर सिर्फ़ कुछ समय के लिए ही उपलब्ध हैं। कस्टमर शोरूम में आकर इसके आकर्षक ऑफर और यूनिक डिज़ाइन के साथ एक्सक्लूसिव कलेक्शन देख सकते हैं। वैश्याराजू ज्वैलर्स अब दिलसुखनगर के लोगों के और भी करीब आ गया है। इस इवेंट में चेयरमैन वैश्याराजू फाल्गुनाराजू और डायरेक्टर वैश्याराजू नरेश राजू और वैश्याराजू किरणकुमार राजू भी शामिल हुए।

भारत ने बदली कच्चे तेल की रणनीति: प्रतिबंधों के बीच में सऊदी अरब को मिला फायदा, रूस से क्रूड फ्लो हुआ कम

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक दबाव के बीच भारत ने कच्चे तेल आयात की अपनी रणनीति में संतुलित बदलाव शुरू किया है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि सऊदी अरब फिर से भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जबकि रूस से आने वाला तेल घटा है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे और रिफाइनरियों का काम प्रभावित न हो। 1 से 18 फरवरी के बीच भारत का कुल कच्चा तेल आयात औसतन 48.5 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 52.5 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 8 प्रतिशत कम है। जहाजों के आंकड़ों के अनुसार रूस से आयात दिसंबर 2025 में 12.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह जनवरी में घटकर 12.2 लाख और फरवरी की शुरुआत में लगभग 10.9 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मार्च में यह 8 से 10 लाख बैरल प्रतिदिन के बीच रह सकता है।

प्रतिबंधों का सीधा असर

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ाई थी। एक समय रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया था और कुल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा दे रहा था। लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों के कारण अब रूसी तेल पर दबाव बढ़ गया है। भुगतान, शिपिंग और बीमा से जुड़ी दिक्कतों ने भी प्रवाह को प्रभावित किया है।

सऊदी की मजबूत वापसी

रूस से आयात घटने के बीच सऊदी अरब से आपूर्ति बढ़ी है। फरवरी में सऊदी से आयात 10 से 11 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच सकता है, जो नवंबर 2019 के बाद का उच्च स्तर है। मौजूदा रुझान के अनुसार फरवरी में सऊदी भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन सकता है। इसके बाद रूस और इराक का स्थान रहेगा।

लागत और विकल्प की चुनौती

विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी तेल कम होने से औसत लागत 2 से 3 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती है। वेनेजुएला से सीमित मात्रा में सस्ता तेल खरीदकर कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन वह रूस की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता। उत्पादन और लॉजिस्टिक सीमाओं के कारण वेनेजुएला की आपूर्ति सीमित है।विश्लेषकों का मानना है कि भारत पूरी तरह रूस से दूरी नहीं बना रहा है, बल्कि संतुलन बना रहा है। घरेलू ईंधन आपूर्ति और रिफाइनरी संचालन को ध्यान में रखते हुए रूस से न्यूनतम आवश्यक आयात जारी रह सकता है। जब तक भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप नहीं ले लेता, तब तक यह संतुलित नीति जारी रहने की संभावना है। अब भारत के लिए कीमत के साथ-साथ भू-राजनीतिक समीकरण भी उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं।

एक लाख करोड का फंड, सरकार ने किया बड़ा इंतजाम, ये अप्रूवल बदलेगा सीन

नई दिल्ली,22 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शहरी विकास के क्षेत्र में एक नई पहल की है। इसके तहत अब रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन , रियल एस्टेट डेवलपर्स और निजी संस्थाएं भी शहरी परियोजनाओं में हिस्सा ले सकेंगी। यह मुमकिन हुआ है अर्बन चैलेंज फंड से। इसे हाल ही में सरकार ने मंजूरी दी है। यह फंड 1 लाख करोड़ रुपये का है। इस फंड का उद्देश्य शहरों में जल और स्वच्छता जैसी ऐसी नागरिक सुविधाओं के विकास को रफ्तार देना है, जहां अब तक यह जिम्मेदारी सिर्फ नगर पालिकाओं की हुआ करती थी। इससे शहरी विकास का सीन बदलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत नागरिक और शहरी विकास परियोजनाएं अब सिर्फ नकदी संकट से जूझ रही नगर पालिकाओं की जिम्मेदारी नहीं रहेंगी। कई आरडब्ल्यूए मिलकर एक समूह बना सकते हैं। किसी नागरिक समस्या की पहचान कर सकते हैं। एक परियोजना प्रस्ताव तैयार कर सकते हैं। स्थानीय जल, स्वच्छता या सीवर लाइन बिछाने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए नागरिक एजेंसी को भेज सकते हैं।अगर किसी रियल एस्टेट डेवलपर के अपमार्केट (अच्छे लेवल का) अपार्टमेंट परिसर के पहुंच मार्गों पर जलभराव की समस्या है तो डेवलपर को कॉलोनी के बाहर एक परियोजना का प्रस्ताव देने और उसे पूरा करने की अनुमति दी जा सकती है। अर्बन चैलेंज फंड के तहत इस नए नजरिये में राज्य और केंद्र सरकार परियोजना की आधी लागत वहन करेंगी। जबकि बाकी रकम बाजार से जुटाई जाएगी।

1 लाख करोड़ का है यह फंड

यह फंड 1 लाख करोड़ रुपये का है। इससे शहरों को अलग-अलग परियोजनाओं के लिए राज्य सरकारों के समक्ष प्रस्ताव रखने और फिर इस फंड का फायदा उठाने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने की सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार ने अगले पांच सालों के लिए सालाना 20,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। राज्य सरकारें केंद्र के हिस्से का मिलान करेंगी। बाकी रकम बाजार से जुटाई जाएगी। फिर चाहे वह बैंक कर्ज के रूप में हो, निजी भागीदारी से हो या नगरपालिका और नागरिक बॉन्ड के जरिये हो।

कैसे होगा अर्बन चैलेंज फंड से फायदा?

अर्बन चैलेंज फंड के तहत शहरों को तीन मुख्य क्षेत्रों में परियोजनाओं के लिए समर्थन मिलेगा। इनमें शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, विकास के केंद्र के रूप में शहर और जल एवं स्वच्छता शामिल हैं। ईटी ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया, 'पूरा आइडिया विचार यह है कि शहरी बुनियादी ढांचे को केवल सार्वजनिक वित्त से पोषित नहीं किया जा सकता है। इसे बैंक योग्य परियोजनाओं के जरिये बाजार तक पहुंचना होगा।'

श्रम कानूनों पर विधि आयोग बोला- दशकों में किया गया सबसे व्यापक सुधार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। विपक्षी दलों और ट्रेड यूनियनों की आलोचना के बीच एक शीर्ष विधि आयोग अधिकारी ने चार नए श्रम कानूनों को दशकों में किया गया सबसे व्यापक और दूरगामी सुधार बताया है। विधि आयोग की सदस्य सचिव अंजू राठी राणा ने कहा कि ये कानून देश में अधिक समावेशी और भविष्य के अनुरूप श्रम बाजार बनाने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्षों से भारत में श्रम कानून क्रमिक रूप से विकसित होते रहे, जिससे अलग-अलग परिभाषाओं, विभिन्न मानकों और अनुपालन दायित्वों वाले अनेक कानून बन गए। चारों कानूनों का ढांचा वेतन, सुरक्षा मानकों और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों को एक साथ लाकर इस जटिलता को कम करने का प्रयास करता है।

विधि आयोग अधिकारी ने बताई श्रम कानूनों की खासियतें

अंजू राठी राणा ने बताया कि वेतन संहिता, 2019 केंद्र सरकार को फ्लोर वेज तय करने का अधिकार देती है और वेतन संबंधी परिभाषाओं को मानकीकृत करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 असंगठित, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता देती है। औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 ट्रेड यूनियन, स्थायी आदेश और औद्योगिक विवादों से जुड़े कानूनों को समेकित करती है, जबकि व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता सुरक्षा मानकों को एक आधुनिक ढांचे में लाती है।हालांकि विपक्ष और 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने इन संहिताओं को श्रमिक विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक बताते हुए आरोप लगाया है कि ये 'हायर एंड फायर' नीति को बढ़ावा देती हैं, यूनियन अधिकारों को सीमित करती हैं और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करती हैं।

विधायी एकीकरण केवल शुरुआत :विधि आयोग

राणा ने कहा कि विधायी एकीकरण केवल शुरुआत है। इन कानूनों की सफलता राज्यों में समन्वित क्रियान्वयन और उद्यमों को लचीलापन देने के साथ श्रमिकों की सुरक्षा के संतुलन पर निर्भर करेगी। श्रम मंत्रालय द्वारा हाल ही में नियोक्ताओं के अनुपालन संबंधी ढांचे की रूपरेखा भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि असली परीक्षा यह होगी कि क्या ये सुधार व्यवहार में प्रभावी और विश्वसनीय श्रमिक संरक्षण सुनिश्चित कर पाते हैं।

10000 के बना दिए 7.57 करोड़ रुपये

10 पैसे से कम की क्रिप्टो ने गिरते बाजार में मचाया धमाल

नई दिल्ली,22 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में इस समय बड़ी गिरावट बनी हुई है। वहीं कुछ क्रिप्टो ऐसी हैं जो निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दे रही हैं। इन्हीं में एक क्रिप्टो ऐसी है जिसने 10 हजार रुपये के निवेश को 7 करोड़ रुपये से ज्यादा तें बदल दिया है, वह भी मात्र 7 दिनों में। इसकी कीमत अभी 10 पैसे से भी कम है। इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम डकी है। रविवार को दोपहर 2 बजे तक क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप गिरकर 2.33 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया। पिछले एक महीने में मार्केट कैप में करीब 23 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं अपने पीक से यह 45 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। पिछले साल अक्टूबर में ग्लोबल मार्केट कैप अपने पीक पर करीब 4.30 ट्रिलियन डॉलर पर था। वहीं फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स भी 14 पर है जो बताता है कि क्रिप्टा के निवेशकों में डर का माहौल है।

डकी ने कितना दिया रिटर्न

एक पहले पहले डकी की कीमत 0.00000008997 डॉलर थी। वह आज रविवार को दोपहर करीब 2 बजे यह 0.0006809 डॉलर (करीब 0.062 रुपये) पर कारोबार रही है। यानी इसने एक हफ्ते में निवेशकों को 756739.58% रिटर्न दिया है। अगर किसी ने एक हफ्ते पहले इसमें 10 हजार रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज करीब 7.57 करोड़ रुपये हो चुकी होती। हालांकि पिछले 24 घंटे में इसमें करीब एक फीसदी की गिरावट आई है।

बाकी क्रिप्टो का क्या हाल?

क्रिप्टो बाजार इस समय अपने बुरे दौर से गुजर रहा है। पिछले 7 दिनों में बिटकॉइन में 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं इथेरियम 4 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। रिपल ने12 फीसदी से ज्यादा गिरावट दर्ज की है। सोलाना में 5 फीसदी से ज्यादा, डॉगकॉइन में करीब 15 फीसदी, कार्डेनो में 7 फीसदी और केंटन में 1 फीसदी से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। डिस्क्लेमरः क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है। ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है। कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में इसमें निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-06 बजे
चंद्र	मेष	मे	मीन....	06-06 बजे
मंगल	मकर	मे	मेष.....	07-45 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-21 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-05 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	13-05 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	15-18 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	17-30 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	19-37 बजे
			वृश्चिक..	21-42 बजे
			धनु.....	23-52 बजे
			मकर...	02-05 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-43
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18-16
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष सोमवार 23 February 2026
तिथि - षष्ठी 09-09 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - भरणी 16-33 तक उप कृत्तिका
योग - ब्रह्म 10-18 तक उप. ऐन्द्र
करण - तैतिल 09-09 तक. गर

कुंभ मे भौम 11-50 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 08-07 से 18-19 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-43 - 08-07	शुभ	चंचल	18-16 - 19-52	शुभ
काल	08-07 - 09-35	अशुभ	रोग	19-52 - 21-24	अशुभ
शुभ	09-35 - 11-02	शुभ	काल	21-24 - 22-57	अशुभ
रोग	11-02 - 12-30	अशुभ	लाभ	22-57 - 00-29	शुभ
उत्पात	12-30 - 13-57	अशुभ	उत्पात	00-29 - 02-02	अशुभ
चंचल	13-57 - 15-25	शुभ	शुभ	02-02 - 03-34	शुभ
लाभ	15-25 - 16-52	शुभ	अमृत	03-34 - 05-07	शुभ
अमृत	16-52 - 18-16	शुभ	चंचल	05-07 - 06-43	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके लिए अच्छा दिन है ।आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा ।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी ।आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष की औपचारिक ज़िम्मेदारी संभालेंगे विनोद जाखड़

नई दिल्ली/जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के लाल और एनएसयूआई के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ आगामी 28 फरवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित संगठन के राष्ट्रीय मुख्यालय में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। इस गरिमामय समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। जाखड़ इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को आमंत्रित कर रहे हैं।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को विशेष निमंत्रण

पदभार ग्रहण समारोह को लेकर विनोद जाखड़ कल यानी सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के दौरान वे राहुल गांधी को 28 फरवरी के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का न्यौता देंगे। इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा प्रियंका गांधी और के.सी. वेणुगोपाल जैसे दिग्गज नेताओं को भी निमंत्रण भेजा जा रहा है। राजस्थान से सचिन पायलट के इस कार्यक्रम में शामिल होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि जाखड़ को उनका करीबी माना जाता है।

दिल्ली में राजस्थान का 'शक्ति प्रदर्शन'!

28 फरवरी को होने वाले इस कार्यक्रम में केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि राजस्थान सहित कई राज्यों के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक मौजूद रहेंगे। जयपुर से सैकड़ों की संख्या में छात्र नेता और कार्यकर्ता दिल्ली कूच करने की तैयारी कर रहे हैं। यह आयोजन एक तरह से राजस्थान के युवा नेतृत्व का दिल्ली में बड़ा 'शक्ति प्रदर्शन' माना जा रहा है।

अलवर में चिड़ियाघर का डिजाइन तैयार; 2 साल में होगा तैयार, 180 करोड़ होंगे खर्च

मार्च के पहले हफ्ते में राजस्थान दौरा संभावित

दिल्ली में जिम्मेदारी संभालने के बाद विनोद जाखड़ मार्च के पहले सप्ताह में राजस्थान आ सकते हैं। अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक राजस्थान दौरा होगा। जयपुर में उनके भव्य स्वागत की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि राजस्थान विश्वविद्यालय से लेकर पीसीसी मुख्यालय तक जाखड़ का विजय जुलूस निकाला जाएगा।

राजस्थान एनएसयूआई अध्यक्ष के लिए मची होड़

विनोद जाखड़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजस्थान एनएसयूआई का नया अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर मुहर 28 फरवरी को जाखड़ के पदभार ग्रहण करने के बाद ही लगेगी। इधर, इस 'हॉट सीट' को पाने के लिए राजस्थान के दर्जनों छात्र नेताओं ने दिल्ली के चक्कर लगाने शुरू कर दिए हैं। भारतीय युवा कांग्रेस और कांग्रेस मुख्यालय के बाहर इन दिनों राजस्थान के दावेदार देखे जा रहे हैं।

क्यों अहम है विनोद जाखड़ की नियुक्ति?

राजस्थान में छात्र संघ चुनाव लंबे समय से अटके हुए हैं। ऐसे में राजस्थान के ही एक नेता का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना प्रदेश के छात्रों में नई उम्मीद जगा रहा है। जाखड़ ने संकेत दिए हैं कि उनकी प्राथमिकता छात्र संघ चुनावों की बहाली और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर केंद्र व राज्य सरकार को घेरना होगी।

8वीं बोर्ड की परीक्षा देने निकली छात्रा का झाड़ियों में मिला अर्धनग्न शव, इलाके में भारी तनाव

बीकानेर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में बोर्ड परीक्षा देने निकली 8वीं की छात्रा की संदिग्ध हत्या कर दी गई है. नहर किनारे झाड़ियों में उसका शव मिला है. इस घटनाक्रम से गुस्साए परिजन व ग्रामीण रातभर से धरने पर बैठे हैं. हनुमान बेनीवाल, डोटासरा, जूली ने जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है.

राजस्थान के बीकानेर जिले से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है. रणजीतपुरा (बज्जू) इलाके में एक 13 साल की मासूम छात्रा, जो घर से 8वीं बोर्ड की परीक्षा देने के लिए निकली थी, उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई है. नहर के पास झाड़ियों में बच्ची का शव अर्धनग्न हालत में मिलने के बाद पूरे इलाके में तनाव है. परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि मासूम के साथ दरिंदगी के बाद उसकी हत्या की गई है.

'आरोपी के पकड़े जाने तक अंतिम संस्कार से इनकार'

बच्ची अपनी ढाणी से 2 किलोमीटर दूर स्थित परीक्षा केंद्र के लिए निकली थी. जब वह समय पर स्कूल नहीं पहुंची, तो टीचर्स ने घर पर सूचना दी. बदहवास परिजन जब उसे ढूंढने निकले, तो नहर के पास झाड़ियों में उसकी लाश मिली. शव की हालत देख ग्रामीण भड़क गए और रातभर से शव के साथ धरने पर बैठे हैं. ग्रामीणों की साफ मांग है- 'जब तक आरोपी नहीं पकड़ा जाता, तब तक शव नहीं उठेगा.'

हनुमान बेनीवाल बोले- संवेदनहीन अफसरों के हाथ में कमान

इस घटना पर नागौर सांसद और आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने सरकार और पुलिस प्रशासन को आड़े हाथों लिया है. बेनीवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'विधानसभा का सत्र चल रहा है और प्रदेश में हर दिन गंभीर अपराध हो रहे हैं. सरकार ने रेंज में संवेदनहीन अधिकारियों को जिम्मा दे रखा है. मैंने डीजीपी से बात की है, तुरंत आरोपियों की गिरफ्तारी हो.' बेनीवाल ने सीधे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को टैग करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं.

राजनीतिक पारा हाई, मेघवाल से लेकर डोटासरा तक मैदान में

घटना की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एसपी से फोन पर बात की है और स्पष्ट कहा है कि कोई भी दोषी बचना नहीं चाहिए. वहीं, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे प्रदेश के माथे पर कलंक बताते हुए सरकार से तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी करने और फास्ट-ट्रैक अदालत में केस की सुनवाई कर अपराधियों को कठोरतम सजा दिलाने की मांग की है.

एसपी मौके पर, एफएसएल और साइबर सेल एक्टिव

बीकानेर एसपी कावेंद्र सिंह सागर भारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर डटे हुए हैं. परिजनों को समझाने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन ग्रामीण दोषियों की गिरफ्तारी पर अड़े हैं. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही रेप की पुष्टि हो पाएगी. फिलहाल साइबर सेल और एफएसएल की टीमें सबूत जुटा रही हैं.

भिवाड़ी अग्निकांड में चौंकाने वाला खुलासा

बाहरी भूखंडों पर चला रहे थे फैक्ट्री, इलाज करा रहे 8वें मजदूर की मौत

भिवाड़ी, 22 फरवरी (एजेंसियां)। खुशखेड़ा अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। संचालकों ने सोची समझी रणनीति के तहत फैक्ट्री लगाई थी। सामने आया है कि संचालकों ने ऐसी जमीनें किराए पर लीं, जो स्थानीय लोगों की नहीं थीं। सभी भूखंड दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद निवासियों को रीको ने आवंटित किए हैं। संचालकों को पता था कि स्थानीय लोगों के भूखंड होने पर खुलासा हो जाएगा। अवैध कारोबार नहीं चल सकेगा। स्थानीय स्तर पर दबाव बनने और किराया बढ़ाने या उत्पादन की जानकारी होने पर भूखंड खाली कराने की संभावना अधिक रहती। इसके विपरीत बाहरी भूखंड मालिकों को समय पर किराया पहुंचने पर गतिविधियों में हस्तक्षेप की आशंका कम रहती है। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ, वह भूखंड संख्या जी-1, 118बी वह राजेंद्र कुमार निवासी पटेल नगर गाजियाबाद यूपी की थी। वहीं, दूसरी फैक्ट्री जिसमें अवैध पटाखा की फैक्ट्री पकड़ी गई, वह भूखंड संख्या जी-1,682 मोहित कत्याल निवासी करमपुरा पंबाजी बाग पश्चिमी दिल्ली की है।

तीसरी फैक्ट्री जिस पर अवैध पटाखा का गोदाम मिला, भूखंड संख्या जी-1,538ए, वह कृष्ण कुमार निवासी पालम विहार गुरुग्राम की है। प्रशासन ने जो अवैध पटाखा फैक्ट्री और गोदाम पकड़ा, उक्त मामले में मामला दर्ज कर लिया है। दोनों में फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। मामले की जांच एएसपी और डीएसपी को सौंपी गई है। दोनों ही जगह बड़ी मात्रा में अवैध पटाखा, सामग्री और मशीन मिली थीं। भिवाड़ी अग्निकांड में मृतकों का आंकड़ा आठ तक पहुंच गया। रविवार सुबह करीब तीन बजे के आसपास दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान बिहार निवासी अनूप पासवान की मौत हो गई। बता दें कि अनूप पासवान फैक्ट्री में लोडिंग और अनलोडिंग का काम करता था। हादसे में 40 प्रतिशत से ज्यादा झुलसने के चलते उसे सफदरजंग हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। लेकिन इंफेक्शन फैलने के बाद हालत बिगड़ती चली गई और मौत हो गई। एक अन्य युवक की भी हालत काफी गंभीर हो चुकी है, जिसका इलाज जारी है।

अवैध पटाखा हादसे के मुख्य आरोपी हेमंत सचदेवा को दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने तिजारा कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड मांगा। कोर्ट ने 25 फरवरी तक पुलिस अभिरक्षा में सौंपा है।

पूर्व में गिरफ्तार किए गए किरायानामा करने वाले हेमंत शर्मा और सुपरवाइजर अभिनंदन तिवारी को भी दोबारा पेश किया। दोनों को पहले तीन दिन की पुलिस रिमांड मिली थी। दोनों को भी कोर्ट ने पूछताछ के लिए पुलिस को 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि पूछताछ में अवैध विस्फोटक नेटवर्क से जुड़े अन्य ठिकानों की जानकारी मिली है।

गोदाम की आड़ में चल रही अवैध पटाखा फैक्टरी पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दो संचालक गिरफ्तार

बारां, 22 फरवरी (एजेंसियां)। बारां शहर के समीप मंडोला क्षेत्र में पटाखा गोदाम की आड़ में संचालित की जा रही अवैध पटाखा फैक्टरी पर जिला प्रशासन ने 20 फरवरी को बड़ी कार्रवाई करते हुए परिसर को सीज कर दिया। आबादी क्षेत्र के नजदीक अवैध रूप से बारूद और पटाखों का भंडारण किए जाने से जन-धन को संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया। नगर परिषद आयुक्त भुवनेश कुमार मीणा की ओर से फैक्टरी संचालकों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर फैक्टरी और गोदाम में रखे बारूद एवं अन्य विस्फोटक सामग्री के सैंपल जब्त किए।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक अदांसु ने मामले की जांच किशनगंज थाना अधिकारी को सौंपी है। वहीं एसडीएम विश्वजीत सिंह के निर्देश पर सुरक्षा की दृष्टि से फैक्ट्री के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को एहतियातन क्षेत्र खाली करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फैक्टरी से जुड़े दो संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है। जिला प्रशासन के अनुसार, फैक्टरी में रखे बारूद और पटाखों की मात्रा, प्रकार और उनकी वैधता की जांच की जा रही है। विस्तृत जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा में गरजे रविन्द्र सिंह भाटी

चेताया -माने नहीं तो जाम हो जाएंगी जयपुर की सड़कें

बाड़मेर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को राजस्व विषयों पर चर्चा के दौरान शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने ओरण-गोचर को बचाने को लेकर मांग रखी। रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि आज पूरे राजस्थान में यदि सबसे बड़ा लैंड बैंक कहीं है, तो वह बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और फलौदी क्षेत्र में है। विडंबना यह है कि वही क्षेत्र आज अपनी ही जमीन, अपने ही ओरण गोचर और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्षरत है।

रविन्द्र सिंह भाटी ने पीड़ा व्यक्त की कि जिन जमीनों को पूर्वजों ने 700-800 वर्षों से बचाकर रखा, आज उन्हीं को बचाने के लिए अपने ही प्रदेश में संघर्ष करना पड़ रहा है।

मारवाड़ क्षेत्र के 9053 गांवों में 3017 ओरण

रविन्द्र सिंह भाटी ने सदन को आंकड़ों के साथ बताया कि राजस्थान में लगभग 25,000 ओरण हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल करीब 6 लाख हेक्टेयर है। मारवाड़ क्षेत्र के 9053 गांवों में 3017 ओरण है।

केवल जैसलमेर में ही 100 प्रमुख औरण है। उन्होंने कहा कि ये ओरण केवल जमीन नहीं, बल्कि जल स्रोतों, तालाबों, आगोर क्षेत्रों और गोचर भूमि की जीवनरेखा है।

चेतावनी, यदि सीमांत क्षेत्र के लोग आगे आ गए, तो...

सभापति के पीछे लगी महात्मा गांधी की तस्वीर की ओर संकेत करते हुए रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि जिस देश ने अहिंसा और संरक्षण की शिक्षा दी, वहीं आज ओरणों को समाप्त किया जा रहा है।

रविन्द्र सिंह भाटी ने सरकार से प्रश्न किया कि जब हर विभाग यहां तक कि आबकारी विभाग की स्पष्ट नीति है, तो भूमि आवंटन के लिए समग्र नीति क्यों नहीं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सीमांत क्षेत्र के लोग आगे आ गए, तो जयपुर की सड़कें जाम हो जाएंगी। कंपनियों के आगे घुटने मत टेकिए। मजबूती से निर्णय लीजिए, हम साथ हैं।

हिजाब हटाने के बाद ही मिलेगा प्रवेश

नाराज छात्रा ने छोड़ी सरकारी परीक्षा, सीधी पहुंची हाईकोर्ट

कोटा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सरकारी भर्ती परीक्षा में हिजाब पहनकर परीक्षा देने आई छात्रा को परीक्षा देने से रोकना परीक्षा दिलाने वाली सरकारी एजेंसी को भारी पड़ गया। छात्रा ने हिजाब हटाने से इंकार कर दिया और सीधे हाईकोर्ट पहुंची। अब कोर्ट ने सख्त ऑर्डर किए हैं और पूरे घटनाक्रम के बारे में जवाब मांगा है। मामला पिछले महीने हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर था। जिसका आयोजन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा किया गया था।

दरअसल बूंदी जिले के हिंडोली इलाके में रहने वाली अलीशा का सेंटर कोटा में महावीर नगर एक्सटेंशन स्थित तिलक स्कूल आवंटित किया गया था। शिक्षक भर्ती परीक्षा का पर्चा देने के लिए वह 18 जनवरी को तय समय पर सेंटर पहुंच गई थी। उसका दावा है कि उसके पास संबंधित दस्तावेज थे, जिनकी मदद से उसे सेंटर में प्रवेश करना था। वह हिजाब पहनकर आई थी। लेकिन गेट पर ही उसे रोक लिया गया। उसे हिजाब हटाकर परीक्षा देने के लिए कहा गया, जिसके लिए उसने इंकार कर दिया। काफी प्रयास करने के बाद भी उसे प्रवेश नहीं दिया गया। अलीशा ने उस समय प्रवेश करने का काफी प्रयास किया लेकिन वह परीक्षा से वंचित रह गई। उसने अपने परिजनों की मदद से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट में अलीशा के वकीलों की ओर से कहा गया कि

यह छात्रा के धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। उनका कहना है कि अलीशा अपनी आस्था के अनुसार हिजाब पहनती है, जो केवल सिर को ढकता है, चेहरा पूरी तरह खुला रहता है। पहचान सत्यापन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं थी।

होटल में घुसकर मालिक पर जानलेवा हमला, तोड़फोड़ देख सहमे लोग

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर एक बार फिर बदमाशों के दुस्साहस से दहल उठी है। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में रात के समय नकाबपोश बदमाशों ने एक नामी होटल को अपना निशाना बनाया। बदमाशों ने न केवल होटल में जमकर तोड़फोड़ की, बल्कि होटल मालिक पर जानलेवा हमला कर इलाके में दहशत फैला दी।

बता दें कि यह पूरी रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार देर रात की है, जब करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाश बाइकों पर सवार होकर होटल पहुंचे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, बदमाशों ने आते ही बिना कुछ कहे डंडों और सरियों से होटल के काउंटर, फ्रिज और कांच के सामान पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से होटल में मौजूद कर्मचारी और ग्राहक जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। कुछ ही मिनटों में बदमाशों ने पूरे होटल को तहस-नहस कर दिया। तोड़फोड़ के दौरान जब होटल मालिक मांगीराम मीना ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो बदमाशों ने उन पर सीधा हमला कर दिया। बदमाशों ने डंडों से उनके सिर और शरीर पर कई वार किए। मांगीराम ने बहादुरी दिखाते हुए अपने हाथों से वार रोकने की कोशिश की, जिससे उनके हाथों में गंभीर चोटें आईं और वे लहूलुहान हो गए। हमलावर जाते-जाते उन्हें जान से मारने की धमकी देकर रफूचक्कर हो गए।

सूचना मिलते ही सांगानेर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि छह नकाबपोश बदमाश किस तरह बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस अब इन फुटेज के जरिए बदमाशों की बाइक के नंबर और उनकी कद-काठी की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

पंचर गाड़ी को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, दो महिलाओं की मौत

अलवर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर गोविंदगढ़ क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक्सप्रेस-वे के किनारे पंचर होने के कारण खड़ी एक 7-सीटर कार को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार हरियाणा के होडल निवासी एक परिवार राजगढ़ में शादी समारोह से लौट रहा था। रविवार अलसुबह करीब 2:15 बजे चैनल नंबर 88.8 पर उनकी गाड़ी पंचर हो गई। चालक ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। करीब 3:30 बजे एक अज्ञात वाहन ने खड़ी कार को जोरदार टक्कर मार दी।

आमने- सामने भिड़े बस और ट्रक

28 पैसैंजर घायल, नागौर में हुआ बड़ा हादसा

नागौर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर में बड़ी दुर्घटना हो गई। यहां बड़ा सड़क हादसा हो गया। नागौर के हरिमा टोल प्लाजा के पास निजी लोक परिवहन बस और मिनी ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निजी बस जोधपुर से सुजानगढ़ की ओर जा रही थी, जबकि मिनी ट्रक लाडनूं से नागौर की तरफ आ रहा था। दोनों वाहन अलग-अलग दिशाओं से आ रहे थे और हरिमा टोल प्लाजा के निकट आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर के बाद मिनी ट्रक का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। स्थानीय लोगों और टोल प्लाजा कर्मियों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और चालक को बाहर निकालने का प्रयास किया।

हादसे के समय बस में करीब 28 यात्री सवार थे। टक्कर के झटके से कई यात्रियों को चोटें आईं। कुछ को मामूली चोट लगी, जबकि कुछ घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ऐसी घटना लोगों के लिए सबक है कि वाहन को सीमित गति में ही चलाएं।

दिल्ली से जयपुर आ रही बस में जहरखुरानी, बिस्किट खाते ही बेहोश हुआ शख्स, शातिर ठग ने लूट लिए 3 लाख रुपए और मोबाइल

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में जहरखुरानी गैंग एक बार फिर सक्रिय हो गई है। दिल्ली से जयपुर आ रही एक प्राइवेट बस में सफर कर रहे यात्री को नशीला बिस्किट खिलाकर बेहोश कर दिया गया और उसके पास रखे तीन लाख रुपए नकद व मोबाइल लूट लिए गए। वारदात के बाद आरोपी बड़ी चालाकी से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित अबरार मोहम्मद (47) बासबदनपुरा, गलतागेट के रहने वाले हैं। 20 फरवरी को वह दिल्ली से जयपुर के लिए एक प्राइवेट बस में सवार हुए थे। उनके पास वाली सीट पर ही आरोपी यात्री बनकर बैठा था। सफर शुरू होते ही आरोपी ने अबरार से घुलना-मिलना शुरू कर दिया।

रास्ते में आरोपी ने बिस्किट का पैकेट निकाला और अबरार को खाने के लिए ऑफर किया। अबरार ने पहले मना किया, लेकिन आरोपी ने दोस्ती का वास्ता देकर और खुद भी बिस्किट खाते हुए उन्हें जबरन बिस्किट खिला दिया। बिस्किट खाते ही अबरार को गहरी नींद आने लगी और वह बेसुध हो गए।

शादी में ढोल बजाते हार्ट अटैक से हुई मौत

अलवर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में एक विवाह समारोह के दौरान खुशियों का माहौल अचानक मातम में बदल गया। ढोल की थाप पर चल रहा उत्सव उस समय थम गया, जब ढोल बजा रहे एक व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे की है। जानकारी के अनुसार डालचंद (45) पुत्र बाबूलाल निवासी अखैपुरा कटी घाटी स्थित एक मैरिज गार्डन में आयोजित विवाह समारोह में ढोल बजा रहा था। इस दौरान अचानक उसके सीने में तेज दर्द उठा और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे उपचार के लिए सामान्य अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक डालचंद अविवाहित था।

बारात में जा रही एसयूवी नहर में गिरी, दो युवकों की मौत, दो लापता

सादुलपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। तहसील के गांव कानावासी में खुशी का माहौल उस वक्त गम में बदल गया जब एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे युवकों की एसयूवी गाड़ी भादरा थाना क्षेत्र के गांव अजीतपुरा पुल के नजदीक अनियंत्रित होकर रसलाना नहर में गिर गई जिसके कारण दो युवक की मौत हो गई जबकि गाड़ी में सवार दो युवक नहर के पानी में बह जाने के कारण लापता बताया जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। गोताखोरों ने लापता हुए युवकों की तलाश शुरू की। बचाव अभियान के दौरान एक युवक पेड़ की टहनी में अटका हुआ पाया गया जिसके कारण युवक की जान बच गई, जबकि कानावासी गांव निवासी आशीष कुमार (24) की मौत हो गई। उसका शव गाड़ी में फंसा हुआ मिला। भादरा थाना क्षेत्र के गांव उतरादा बास के नजदीक पानी में बहे एक और युवक का शव मिला है। हालांकि, शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है तथा परिजनों से शिनाख्त करवाने के बाद ही युवक की पहचान होगी।

प्रशिक्षण से कांग्रेस पार्टी को और अधिक लोकप्रियता मिलेगी : गौड़

जिला कांग्रेस समिति अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर जारी

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले के अनंतगिरि पहाड़ियों में आयोजित आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य की जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) अध्यक्षों के दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का दूसरे दिन का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर टीपीसीसी अध्यक्ष एवं विधायक महेश कुमार गौड़ और विधायक कोदंडराम उपस्थित रहे। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 'संगठन सृजन अभियान' के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य पार्टी की संस्थागत मजबूती और नेतृत्व क्षमता के विकास को दिशा देना है। शिविर का संचालन कार्यक्रम अध्यक्ष सचिन राव के नेतृत्व में और आयोजक सचिव वंशीचंद्र रेड्डी तथा अध्यक्ष विधायक राममोहन रेड्डी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर में प्रत्येक राज्य के डीसीसी अध्यक्षों को राजनीतिक परिस्थितियों, जन समस्याओं के समाधान, पार्टी नीतियों के कार्यान्वयन और बूथ स्तर पर संगठन सुदृढ़ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दस दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में नेतृत्व कौशल, जनता की समस्याओं के समाधान के तरीके, चुनावी रणनीति, सोशल मीडिया और मीडिया प्रबंधन, तथा क्रियान्वयन योजनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्रशिक्षित हुए नेता जिलों में पार्टी को और मजबूत करेंगे और जनता के साथ अधिक निकटता से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि समन्वय, अनुशासन और सेवा भाव के साथ कार्य करने से कांग्रेस पार्टी को और अधिक लोकप्रियता मिलेगी।

कोलागनी श्रीनिवास ने करीमनगर महापौर पद संभाला

करीमनगर, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोलागनी श्रीनिवास ने रविवार को करीमनगर नगर निगम के नए महापौर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ अपने कक्ष में पूजा-अर्चना की। कार्यभार संभालने के बाद महापौर ने पेयजल समस्या के समाधान तथा नवगठित गांवों में विकास कार्य प्रारंभ करने के लिए 49 लाख रुपये की पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए।

उन्होंने करीमनगर में भाजपा को समर्थन देने के लिए जनता का आभार व्यक्त किया तथा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव और पार्टी के अन्य नेताओं का उन्हें महापौर चुनने के लिए धन्यवाद दिया। नए महापौर ने कहा कि वे केंद्रीय मंत्री के सहयोग से नगर निगम के सभी 66 मंडलों के समग्र विकास के लिए कार्य करेंगे। नगर आयुक्त प्रफुल देसाई ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर उप महापौर वाई. सुनील राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी, मौत

गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

वॉशिंगटन डीसी, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसोर्ट में रविवार को घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है।

राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि एक शख्स गैरकानूनी तरीके से अंदर घुसने की कोशिश कर था। जब उसने सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश की, तो सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने उसे गोली मार दी। सीक्रेट सर्विस के मुताबिक, युवक शॉटगन जैसी बंदूक और फ्यूल कैन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, हालांकि उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं।

ट्रम्प के रिसोर्ट में एंट्री के लिए मेंबरशिप जरूरी :

ट्रम्प के रिसॉर्ट में बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। इसकी लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपये है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेटस और फैमिली बैकग्राउंड। न्यूज एजेंसी के मुताबिक हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के अमीर लोग इसके लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन कुछ को ही मेंबरशिप मिलती है।

पहाड़ीशरीफ में सड़क हादसे में किसान की मौत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पहाड़ीशरीफ क्षेत्र में शनिवार शाम एक सड़क दुर्घटना में किसान की मौत हो गई। घटना से इलाके में शोक की लहर फैल गई। मृतक की पहचान अमजाबी यदैया के रूप में हुई है, जो पहाड़ीशरीफ के सरदारनगर के निवासी थे। बताया गया कि वह अपने कृषि फार्म में काम करने के बाद घर लौट रहे थे, तभी एक ऑटो रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में यदैया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलियाबाद सीरवी क्रिकेट ग्राउंड एवं कुन्दनपल्ली ग्राउंड स्थित सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का द्वितीय लीग मैच रविवार 22 फरवरी को 12 मैच खेले गये। तृतीय लीग मैच रविवार 1 मार्च को खेले जायेंगे। अवसर पर मैच का टॉस कर उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, मनोनित सदस्य रामलाल परिहार, कालूराम काग, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष वोराराम सीरवी, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश चौधरी, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, चेनाराम पंवार, ढगलाराम सेपटा, चेनाराम परिहार, पदाधिकारी, खिलाड़ी, व समाज बन्धु।

टी-20 वर्ल्डकप में 12 मैच बाद हारा भारत

सुपर-8 में साउथ अफ्रीका ने 76 रन से हराया

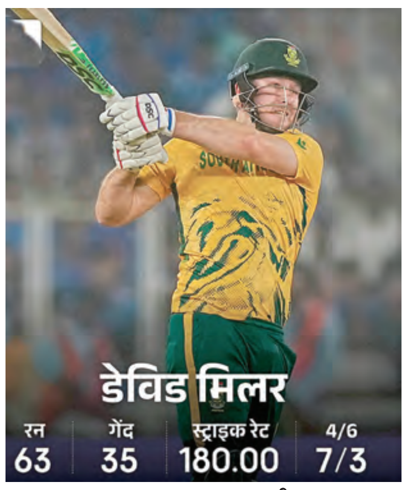

अहमदाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली हार की कगार पर है। टीम को 12 गेंद पर 83 रन की जरूरत है। टीम ने 188 रन का टारगेट चेज करत हुए 18 ओवर में 105 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए हैं। शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती क्रीज पर हैं। अर्शदीप सिंह एक, रिंकू सिंह जीरो और हार्दिक पंड्या 18 रन पर आउट हुए।

पहले तीन मैचों में जीरो पर आउट होने वाले अभिषेक शर्मा एक बार फिर फेल हुए। वह 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने कॉर्बिन बॉश के हाथों कैच कराया। ईशान किशन 0 और तिलक वर्मा एक रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 18 रन बनाए।

इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। अफ्रीकी टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी।

गर्मी की भीड़ के मद्देनजर टीटीडी सतर्क

एआई केंद्र से होगी श्रद्धालुओं की निगरानी

तिरुमला, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने निर्बाध दर्शन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी ने शुक्रवार को तिरुमला स्थित सुधर्मा कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पिछले तीन ग्रीष्मकालीन सत्रों के आंकड़ों दर्शन संख्या, प्रतीक्षा समय और लंबित कतारों का विश्लेषण कर इस वर्ष की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि सामान्य श्रद्धालुओं के प्रतीक्षा समय को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए इंटीग्रेटेड एआई कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का व्यापक उपयोग कर वास्तविक समय में श्रद्धालुओं की आवाजाही और कतारों की स्थिति की निगरानी की जाएगी, जिससे त्वरित और डेटा-आधारित निर्णय लिए जा सकें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अन्नप्रसाद वितरण, पेयजल आपूर्ति, पैदल मार्गों पर अस्थायी शेड, माडा सड़कों और अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में कूल पेंटिंग तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शेड लगाने की व्यवस्था की जा रही है। गर्मी से राहत के लिए छाछ वितरण केंद्रों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। स्कूल अवकाश के दौरान परिवारों की बढ़ती आमद को ध्यान में रखते हुए आवास प्रबंधन, अन्नप्रसाद सेवा और चिकित्सा सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। दर्शन की विभिन्न श्रेणियों का प्रबंधन डेटा-आधारित विभाजन और कतार अनुकूलन के माध्यम से किया जाएगा, ताकि

एक शाम गौमाता के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेड्चल सोमारम विलेज स्थित विश्व मंगल गौशाला में छत्तीस कोम गौभक्तो के सानिध्य में एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण शनिवार 21 फरवरी रात्रि 8.15 बजे से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार ने बताया कि गौभक्तो के सानिध्य में गौ सेवार्थ विशाल जागरण का आयोजन किया गया।

मुख्यअतिथि व सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। गणेश वंदना के साथ स्थानीय भजन गायकार विशाल श्रीमाली ने जागरण का शुभारम्भ किया।

भजन गायिका दिव्या वैष्णव ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। तत्पश्चात मरुधरा की स्वर कोकिला भजन गायिका अनिता जांगिड़ ने राजस्थानी अंदाज में गौमाता के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका गौभक्तो ने नाचते-गाते हुए देर रात तक लाभ लिया। भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

कार्यक्रम में पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीयों व भामाशाहों का गौशाला के पदाधिकारियों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। अध्यक्ष टी.वी.सुरेश ने पधारे सभी गौभक्तों का तन-मन-धन से दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए बताया कि जिस प्रकार से पेड़ की जड़ को पानी देने से पेड़ हरा-भरा हो जाता है, उसी प्रकार गौमाता की सेवा से पूरा जगत सुख-सम्पन्न होता है। सम्मानित अतिथि हिन्दू सम्राट गज्जू भाई कोलरिया, सवाई हिन्दू सुथार ने प्रवासी गौभक्तों को सम्बोधित करते हुए बताया कि समाज बन्धुओं को एकता के साथ रहते हुए अपने संस्कारों व बहन-बेटियों की रक्षा के लिए हर सम्भव कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष टी.वी. सुरेश, दुर्गा रेड्डी, उदय भस्कार, शांतिलाल सुथार, धर्माराम सुथार, नारायणलाल सुथार, नेमीचन्द गोयल, महेन्द्रसिंह आगलेचा, हनुमन्त धनवा, प्रकाश सीरवी, बाबूलाल नायक, बालाजी, रतनराम देवासी, मंगलाराम मुलैवा, सज्जन सीरवी, गणेश जांदू, धर्माराम सैणचा, पूरनमल कच्छावा, संगीता सीरवी, वेन्कट रेड्डी, परमेश्वर वैष्णव व सभी गौभक्तों का विशेष सहयोग रहा। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने हैदराबाद क्षेत्र में मेगा रिटेल आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन कर खुदरा ऋण विस्तार और ग्राहक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में बैंक के कार्यकारी निदेशक एम.वी. मुरली कृष्णा, जोनल हेड (हैदराबाद) के. धरासिंग नाइक, एनजेआर कंस्ट्रक्शंस के प्रबंध निदेशक एन. जनार्धन राव तथा क्रांति कंस्ट्रक्शंस के प्रबंध निदेशक रवि पोलिशेट्टी सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और अनेक ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यकारी निदेशक ने अपने संबोधन में बताया कि बैंक गृहलक्ष्मी हाउसिंग लोन, होम लोन, गोल्ड लोन और वाहन लोन सहित विभिन्न खुदरा ऋण योजनाओं के तहत प्रतिस्पर्धी और आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक का मजबूत सीएएसए आधार और संतोषजनक तरलता स्थिति ग्राहकों को अनुकूल ऋण दरें उपलब्ध कराने में सहायक है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि ग्राहक ही बैंक के वास्तविक ब्रांड एंबेसडर हैं और सतत विकास की आधारशिला भी। एन. जनार्दन राव ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने मात्र 500 रुपये की छोटी जमा राशि से अपनी बैंकिंग यात्रा शुरू की थी और आज वे 100 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सुविधाएं बैंक से ले रहे हैं, साथ ही बैंक के साथ विशिष्ट बैंकिंग संबंध बनाए हुए हैं। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान ग्राहकों ने शाखा प्रबंधकों द्वारा दी गई सक्रिय सहायता और ग्राहक-केंद्रित मार्गदर्शन की सराहना की। अभियान की संपूर्ण अवधि में हैदराबाद क्षेत्र ने 235 करोड़ रुपये के खुदरा ऋण स्वीकृत कर निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया। वहीं अभियान के दिन 12 करोड़ रुपये के इन-प्रिंसिपल स्वीकृति पत्र जारी किए गए।

हकीमपेट खेल विद्यालय में छात्र के आत्महत्या प्रयास पर मंत्री की त्वरित प्रतिक्रिया

कार्यक्रम रद्द कर तुरंत अस्पताल पहुंचे

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरी को जैसे ही हकीमपेट खेल विद्यालय के सातवीं कक्षा के छात्र उमेश द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने की सूचना मिली, उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर तुरंत अस्पताल पहुंचे। छात्र का उपचार पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित वेलनेस अस्पताल में चल रहा है। मंत्री ने चिकित्सकों से छात्र की स्वास्थ्य स्थिति की पूरी जानकारी ली और उसे सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र के पूरी तरह स्वस्थ होने तक चिकित्सा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने चिकित्सकों को किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने का कड़ा निर्देश भी दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने राज्य पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी से दूरभाष पर बात की और मामले की निष्पक्ष तथा गहन जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने छात्र के आत्महत्या प्रयास के कारणों की सटीक जांच कराने पर भी बल दिया।

161वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा यादव सेवा संघम तेलंगाना के सहयोग से 161वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर दमईगुडा नागाराम रोड स्थित साईं सिद्धार्थ हाई स्कूल में आयोजित किया गया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अवसर पर किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, रक्तचाप, आरबीएस की सेवा प्रदान की जिसमें डॉ. गायत्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा बीएमडी टेक अनिल, 2डी इको टेक अक्षिता, मार्केटिंग के जगदीश ने सहयोग प्रदान किया।

अवसर पर लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा नेत्रों की जांच की गई जिसमें 178 रोगियों की स्क्रिनिंग के बाद 75 को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया और 1 रोगी के मोतियाबिन्द आपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पूरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी ने सेवा दी। इसी प्रकार फ़िज़ियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के डॉ. मीता बजाज ने दी तथा दांतों की सेवा सीनियर डेंटल डॉ.एस. नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल राज ने प्रदान की अवसर पर 290 रोगियों ने सेवा का लाभ लिया।

शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया, स्थानीय सहयोगी यादव सेवा संगम के ए. शरद यादव, ए रमेश यादव, ए अनिल यादव, ए अरविंद यादव, ए अजय यादव, ए सिद्धेश्वर यादव, डी शिव कुमार यादव, डी श्रीकांत यादव, सुरेश यादव, ई सुशील यादव, जे महेश यादव सहित स्वयं सेवक जीतेंद्र गोयल, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सरला अग्रवाल सहित पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

टीसीआई ने कपास खरीद अवधि बढ़ाई : तुम्मला

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि और विपणन मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की कि राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय कपास निगम ने कपास की खरीद की अवधि फरवरी के अंत तक बढ़ा दी है, ताकि तेलंगाना के कपास किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंत्री ने बताया कि केंद्रीय सरकार और सीसीआई दोनों ने किसानों के हित को प्राथमिकता देते हुए खरीद अवधि बढ़ाने की आवश्यकता को स्वीकार किया और इस अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आगे कहा, इस मौसम में तेलंगाना में कपास की बुवाई में देरी हुई, जिससे बाजार में उपज की आपूर्ति भी विलंबित हुई। इस वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए मैंने केंद्रीय अधिकारियों से खरीद की अंतिम तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंडी संजय से भी अपील की कि वे इस मामले को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं और किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष तेलंगाना में कपास की बुवाई 45.32 लाख एकड़ क्षेत्र में हुई है और अनुमानित उत्पादन 28.29 लाख मीट्रिक टन है। अब तक, सीसीआई ने कुल 8,80,053 किसानों से 16.15 लाख मीट्रिक टन कपास खरीदी है, जिसकी राशि 12,823 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, बाजार के माध्यम से 2.24 लाख मीट्रिक टन निम्न गुणवत्ता वाली कपास भी खरीदी गई है। फिर भी, विपणन अधिकारियों के अनुसार, राज्य में लगभग 9.99 लाख मीट्रिक टन कपास किसानों के पास अभी भी मौजूद है।

हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग का सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच) के उत्कर्ष (बेगमबाजार शाखा) और चाणक्य (काचीगुडा शाखा) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य भाग्यनगर क्षेत्र के हिंदू व्यापारियों की सहायता और उन्हें प्रोत्साहित करना था। यह सम्मेलन हैदराबाद के नारायणगुडा स्थित होटल ताज महल में आयोजित किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष दत्तात्रेय बेन्ने और अध्यक्ष अजय सिंह ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। सलाहकार डॉ. पूनम, सचिव हेमंत पापाणी, श्रीनिवास सोमन, मधु मल्लाडी और अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की सभी ने सराहना की। सम्मेलन का नेतृत्व संस्थापक गीतेश काटे और रीमा देब ने किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहला मैच रद्द, सेमीफाइनल में कैसे पहुंचेगा पाकिस्तान? क्या है समीकरण

खेल डेस्क, 22 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 स्टेज की शुरुआत ही बारिश से हुई. ग्रुप-2 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का पहला मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में रद्द हो गया, क्योंकि लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी. जिसके चलते नो-रिजल्ट मैच में दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिला है. इस मुकाबले का नतीजा ना निकलना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है. उसके लिए अब सेमीफाइनल की रेस काफी मुश्किल हो गई है.

अब सेमीफाइनल में कैसे पहुंचेगा पाकिस्तान?

बता दें, सुपर-8 राउंड में हर एक टीम तीन मैच खेलती है, जिसके बाद ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचती हैं. सुपर-8 में कोई पॉइंट्स कैरीओवर नहीं होता, सभी टीमें जीरो से शुरू करती हैं. ऐसे में पाकिस्तान के 1 मैच के बाद 1 पॉइंट है और उसके दो मुकाबले बाकी हैं. पाकिस्तान अगला मुकाबला 24 फरवरी को पल्लेकल में इंग्लैंड के खिलाफ खेलने वाली है. इसके बाद 28 फरवरी को उसी पल्लेकल स्टेडियम में पाकिस्तान का सामना श्रीलंका की टीम से होगा.

अगर, पाकिस्तान को बिना किसी टीम पर निर्भर हुए सेमीफाइनल में पहुंचा है तो हर हाल में बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने होंगे. पाकिस्तान के लिए अब हर मैच 'डू-ऑर-डाई' है. अगर वह दोनों मैच जीत लेती है तो उसके 5 पॉइंट्स हो जाएंगे, जो सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने के लिए काफी होंगे. लेकिन पाकिस्तान को 1 मैच में जीत और 1 मैच में हार मिलती है, तो उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा.

3 पॉइंट्स के साथ कैसे मिलेगी जगह?

अगर, पाकिस्तान को बचे हुए 2 मैचों में से 1 में ही जीत मिलती है, तो उसके तीन पॉइंट्स ही रह जाएंगे. ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद करनी होगी कि उनके ग्रुप में एक टीम अपने सभी मैच जीत जाए. वहीं, श्रीलंका को 1 मैच में ही जीत मिले. अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी. लेकिन न्यूजीलैंड भी बाकी 2 मैचों में से 1 मैच जीत लेती है तो उसके भी 3 पॉइंट्स हो जाएंगे. जिसके बाद नेट रन रेट से फैसला होगा.

टी-20 वर्ल्डकप सुपर-8 मैच में इंग्लैंड 51 रन से जीता

श्रीलंका 95 रन पर ऑलआउट, विल जैक्स को 3 विकेट, सॉल्ट की फिफ्टी

पल्लेकेले, 22 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। रविवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बनाए। ओपनर फिल सॉल्ट ने 40 गेंदों पर 62 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। विल जैक्स ने 21 रन का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

जवाब में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 95 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और लियम डॉसन ने 2-2 विकेट चटकाए।

ब्लाइंड क्रिकेटर्स की सैलरी सिर्फ 3 हजार रुपए अब बीसीसीआई करेगी मदद, किया बड़ा ऐलान

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बड़ा कदम उठाते हुए क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया की पुरुष और महिला टीमों की मदद करने का ऐलान किया है. यह फैसला ब्लाइंड खिलाड़ियों को बेहतर मौके देने की दिशा में बोर्ड का बड़ा ऐलान है. बता दें, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने पिछले साल ही टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. वहीं, पुरुष टीम भी कई वर्ल्ड चैंपियनशिप जीत चुकी है. लेकिन भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम को अभी तक बीसीसीआई से मान्यता भी नहीं मिल रखी है. जिसके चलते खिलाड़ियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

ब्लाइंड क्रिकेटर्स के लिए बीसीसीआई का बड़ा ऐलान

इस नई पहल के तहत बीसीसीआई दोनों टीमों (पुरुष और महिला) को हर साल दो इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए दौरे का खर् देगी. इसके अलावा, जब भारत में सीरीज आयोजित की जाएंगी, तो मेजबान और मेहमान टीमों के लिए रहने की व्यवस्था भी बोर्ड की ओर से की जाएगी. ब्लाइंड क्रिकेटरों को घरेलू और इंटरनेशनल मैचों के लिए बीसीसीआई के स्टेडियमों और मैदानों पर खेलने का मौका मिलेगा, जिससे उन्हें अच्छी सुविधा मिल पाएंगी.

यह स्ट्रक्चर सपोर्ट ब्लाइंड क्रिकेटरों के लिए मौके, बुनियादी ढांचे और इंटरनेशनल एक्सपोजर को मजबूत करने पर केंद्रित है. बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, 'भारत के ब्लाइंड क्रिकेटरों की उपलब्धियां क्रिकेट जगत के लिए गर्व का स्रोत हैं. इस स्ट्रक्चर सपोर्ट के जरिए से बीसीसीआई का उद्देश्य इन खिलाड़ियों के लिए मौके, बुनियादी ढांचे और पहचान को मजबूत करना है.'

ब्लाइंड क्रिकेटर्स को मिलती है इतनी कम सैलरी

भारत में में ब्लाइंड क्रिकेट और ब्लाइंड क्रिकेटर्स गुमनामी के अंधेरे में खोए हुए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्लाइंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को मैच फीस के तौर पर सिर्फ 3 हजार रुपए मिलते हैं. ये सिर्फ ब्लाइंड महिला टीम नहीं, बल्कि ब्लाइंड पुरुष टीम का भी हाल है. सारा खर्च क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया और कुछ दयालु स्पॉन्सर्स उठाते हैं. लेकिन बीसीसीआई के इस ऐलान के बाद बोर्ड के साथ-साथ खिलाड़ियों को भी मदद मिलेगी, जो उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है.

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को झटका

टी20 विश्व कप 2026 के बीच चोटिल हुआ जैकब बेथेल

बेंगलुरु, 22 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीचों बीच आरसीबी को बड़ा झटका लगा है, इंग्लैंड के ऑलराउंडर सुपर-8 के अपने पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ बॉलिंग नहीं कर पाएंगे. इस टूर्नामेंट में 'थ्री लायंस' ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ एक गेम गंवाया है. वो अब तक टूर्नामेंट में अच्छे रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना बेस्ट गेम नहीं खेला है.

जैकब बेथेल नहीं करेंगे बॉलिंग

इस मैच से पहले इंग्लिश टीम के लिए बुरी खबर आई, उनके अनऑफिशियल वाइस-कैप्टन जैकब बेथेल हाथ की चोट के कारण बॉलिंग नहीं कर पाएंगे, क्योंकि उनके हाथों को स्ट्रैपिंग की जरूरत है. एक महीने पहले जब इंग्लैंड ने को-होस्ट के साथ खेला था, तो वो अंग्रेजों के लिए स्टार थे.

इंग्लैंड के लिए ऑप्शन घटे

श्रीलंका की पिचों से ग्रिप और स्पिन मिलती है, जो सही होता, क्योंकि वो बेथेल की लेफ्ट-आर्म स्पिन में मदद कर सकते थे, जो बीच के ओवर्स में बॉलिंग करने का एक ऑप्शन था. हालांकि 'डेली मेल' की रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक ये फैसला पूरी तरह से अंपायरों के हाथ में है कि वो अपने बॉलिंग हाथ पर स्ट्रैपिंग पहनकर बॉलिंग कर सकते हैं या नहीं.

कब लगी चोट?

जैकब बेथेल को वेस्ट इंडीज के खिलाफ ग्रुप स्टेज गेम के दौरान चोट लगी थी और तब से वो प्रोटेक्टिव टेप पहन रहे हैं. टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक, हाथ या उंगलियों पर किसी भी तरह के प्रोटेक्शन के लिए अंपायर की मंजूरी की जरूरत होती है, खासकर अगर कोई खिलाड़ी बॉलिंग करना चाहता है. हालांकि सिर्फ फील्डर्स को ही अपने हाथों पर स्ट्रैपिंग पहनने की इजाज़त है.

क्या हाथ में टेप लगाकर बॉलिंग कर सकते हैं?

अगर बॉलिंग हाथ में टेप है, तो बॉलर्स पर ज्यादा कड़ी नजर रखी जाती है. क्योंकि टेप उन्हें एक्स्ट्रा ग्रिप बनाने में मदद कर सकता है या बैटर्स की विजिबिलिटी पर असर डाल सकता है. कैप्टन हैरी ब्रूक ने माना कि ये नियम इंग्लैंड के लिए काम नहीं करेगा. 'थ्री लायंस' ने स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ हाल के मैचों में भी ऐसी ही रिक्वेस्ट की थी, लेकिन जैकब बेथेल को आगे बढ़ने की इजाजत नहीं दी गई.

श्रीलंका में चमके थे स्पिनर्स

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पिछले महीने टी20 वर्ल्ड कप से पहले श्रीलंका को टी20आई सीरीज में 3-0 से क्लीन-स्वीप किया. स्पिनर्स ने बेहतरीन कंडीशन का फायदा उठाया और हैरी ब्रूक की टीम की कामयाबी में अहम रोल अदा किया. ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच मैच में बहुत साफ था कि धीमे गेंदबाजों को पिच से मदद मिल रही थी.

इन गेंदबाज़ों पर डिपेंडेंसी

इंग्लैंड की टीम में आदिल राशिद और लियाम डॉसन के तौर पर सिर्फ 2 फ्रंटलाइन स्पिनर हैं, उनके साथ, विल जैक्स अहम हो सकते हैं क्योंकि उन्हें भारत की तुलना में श्रीलंका में ज्यादा बॉलिंग करनी पड़ सकती है. सैम कुरेन, जिनके कटर इन पिचों पर बहुत काम आते हैं, मिडिल और डेथ ओवरों में असरदार हो सकते हैं.आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को झटका, टी20 विश्व कप 2026 के बीचों बीच चोटिल हुआ जैकब बेथेल , बॉलिंग नहीं कर पाएंगे

क्रिकेट के बाद हॉकी भी बर्बाद करने की तैयारी में नकवी!

इस्लामाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में खेलों की बदहाली अब छिपाए नहीं छिप रही। क्रिकेट में लगातार विवादों और प्रशासनिक उठापटक के बीच अब हॉकी का संकट भी सड़कों पर आ गया है। ऐसे समय में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी का आगे आकर इज्जत बचाने का दावा करना कई लोगों को राहत से ज्यादा दिखावा लग रहा है। सवाल यह है कि क्या वह सच में मदद करने आए हैं या फिर एक और खेल को राजनीतिक अखाड़ा बनाने की तैयारी है? ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एफआईएच प्रो हॉकी लीग खेलने गई पाकिस्तान हॉकी टीम ने जो खुलासे किए, वे शर्मनाक थे। खिलाड़ियों का आरोप है कि उनके लिए होटल तक बुक नहीं कराया गया। उन्हें घंटों सड़कों पर भटकना पड़ा, खुद खाना बनाना पड़ा और बर्तन धोने पड़े। यह किसी स्थानीय क्लब टीम की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय टीम की दुर्दशा है। इस विवाद के बाद पाकिस्तान हॉकी संघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने इस्तीफा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया, लेकिन जाते-जाते कप्तान अम्माद शकील बट को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि, विरोध के बाद अंतरिम अध्यक्ष ने इस कार्रवाई को गलत बताया और प्रतिबंध हटाया। अब इस फजीहत के बाद क्रिकेट बोर्ड की एंट्री ने नई बहस छेड़ दी है कि क्या एक और खेल भी सत्ता और सियासत की भेंट चढ़ने वाला है?

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की

युजवेंद्र चहल ने बारात में डांस किया; क्रिकेटर ने 2023 में पहली पत्नी से तलाक लिया था

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं। 40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था।

इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है।

धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले आईपीएल में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं।

टी-20 वर्ल्डकप में एसोसिएट देशों का बेहतर प्रदर्शन

भारत-पाकिस्तान और इंग्लैंड को टक्कर दी; एसोसिएट देशों की मांग- हमें ज्यादा मैच चाहिए

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एसोसिएट देशों ने अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। नीदरलैंड, नेपाल, अमेरिका, इटली और स्कॉटलैंड जैसी टीमों ने क्रिकेट के दिग्गजों को हार की कगार पर खड़ा कर दिया। आंकड़े गवाह हैं कि अब एसोसिएट और फुल मेंबर देशों (टेस्ट खेलने वाले देश) के बीच का अंतर तेजी से कम हो रहा है। हालांकि, इन टीमों के कोच और खिलाड़ियों का दर्द एक ही है उन्हें बड़े देशों के खिलाफ खेलने के पर्याप्त मौके नहीं मिलते।

इस वर्ल्ड कप में कई ऐसे मौके आए जब बड़ी टीमें उलटफेर का शिकार होते-होते बचीं। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टीम 148 रन का पीछा करते हुए 114 रन पर उसके 7 विकेट गिर गए थे। मैक्स ओ'डॉड से एक कैच छूटा और फहीम अशरफ ने अंत में छक्का जड़कर मैच पाकिस्तान की झोली में डाल दिया।

भारत के खिलाफ अमेरिका ने भी शानदार शुरुआत की थी और 10वें ओवर तक भारत का स्कोर 63/4 कर दिया था। शुभम रांजणे ने अगर सूर्यकुमार यादव का कैच न छोड़ा होता, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। सूर्या ने 84 रनों की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई।

नेपाल और इटली ने इंग्लैंड को डराया

नेपाल की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 185 रनों का पीछा करते हुए जीत के बेहद करीब थी। लोकेश बम की 15 गेंदों पर 35 रनों की पारी ने इंग्लैंड की सांसें अटका दी थीं, लेकिन सैम करन ने मैच बचा लिया। उन्होंने 4 ओवर में 27 रन देकर 1 विकेट लिए। वहीं, पहली बार खेल रही इटली की टीम ने भी इंग्लैंड के खिलाफ 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमकर लड़ाई लड़ी और मैच को आखिरी 2 ओवरों तक ले गए।

यूएई के कोच लालचंद राजपूत ने एसोसिएट देशों की समस्या पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा,'आप कितनी भी नेट प्रैक्टिस कर लें, लेकिन जब तक आप मैदान पर मुश्किल स्थितियों (जैसे 80/5 का स्कोर) का सामना नहीं करेंगे, तब तक दबाव झेलना नहीं सीखेंगे। जब आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेलेंगे, तभी आप में यह भरोसा आएगा कि अगली बार ऐसी स्थिति में हम जीत सकते हैं।'

कनाडा के कप्तान साद बिन जफर ने कहा कि बड़े देशों के खिलाफ खेलना ही असल लर्निंग ग्राउंड है। वहीं नीदरलैंड के बास डी लीडे ने याद दिलाया कि इस वर्ल्ड कप के बाद जून तक उनकी टीम का कोई शेड्यूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े देशों के साथ ट्राई-सीरीज या यूरोपियन टी-20 सीरीज से विकल्प तलाशे जाने चाहिए।

20 पिच, 50 हजार की कैपेसिटी, केएससीए स्टेडियम पर पहली बार खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी का फाइनल

हुबली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल मुकाबला एक ऐतिहासिक पल बनने जा रहा है, क्योंकि यह पहली बार हुबली के केएससीए स्टेडियम में खेला जाएगा. कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर की टीमें 24 फरवरी 2026 से शुरू होने वाले इस पांच दिवसीय मुकाबले में आमने-सामने होंगी. यह स्टेडियम कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन का दूसरा घर माना जाता है, जहां तैयारियां जोरों पर हैं. हुबली का केएससीए स्टेडियम इंटरनेशनल लेवल का स्टेडियम में जहां कई यादगार मैच खेले जा चुके हैं.

ऐतिहासिक मैच का गवाह बनेगा हुबली

कर्नाटक की टीम आठ बार की चैंपियन है, वह 11 साल बाद फाइनल में पहुंचा हैय वहीं, जम्मू-कश्मीर के लिए यह पहला मौका है जब उनकी टीम रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना पाई है, जो उनके लिए एक बड़ा ऐतिहासिक उपलब्धि है. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर होगा, और क्रिकेट फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है.

हुबली के केएससीए स्टेडियम की खासियत

दूसरी ओर, स्टेडियम की बात की जाए तो यह 2012 में बनकर तैयार हुआ था और बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की तर्ज पर बनाया गया हैय यह 16.5 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें आठ मेन पिच, दस प्रैक्टिस पिच और दो कंक्रीट पिच शामिल हैं. अब तक यहां नौ रणजी मैच और तीन लिस्ट ए गेम खेले जा चुके हैं. इसी मैदान पर भारत-A और वेस्टइंडीज-A के बीच एक अनौपचारिक टेस्ट मैच भी खेला गया है, जिसमें चेतेश्वर पुजारा ने तिहरा शतक ठोका था.यह कर्नाटक प्रीमियर लीग में हुबली टाइगर्स का भी घरेलू मैदान भी है.

इस स्टेडियम की क्षमता 50,000 की बतायी जाती है. लेकिन स्थायी स्टैंड्स में छाया की कमी होने के कारण हर मैच के लिए अस्थायी स्टैंड और पंडाल लगाए जाते हैं, ताकि हजारों फैंस आराम से मैच देख सकें. फाइनल के लिए पिच की तैयारियां पिछले हफ्ते से चल रही हैं, जिसमें बेंगलुरु से आए ग्राउंड्समैन और 10 से ज्यादा स्टाफ सदस्य काम कर रहे हैं. बता दें, बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन का काम चल रहा है, जिसके कारण फाइनल को हुबली में शिफ्ट करने का फैसला लिया गया.

नहीं खुला जीत का खाता, टूर्नामेंट से हुईं बाहर फिर भी आईसीसी से मिलेगा 2 करोड़ का इनाम

दुबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुछ टीमों के लिए टूर्नामेंट का सफर निराशाजनक रहा. टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें शामिल थीं और ग्रुप स्टेज के बाद 12 टीमें बाहर हो चुकी हैं. इनमें से 3 टीमें को जीत का खासा भी नहीं खोल सकीं. इन टीमों को ग्रुप स्टेज के चारों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा. भले ही इन्हें जीत नहीं मिली, लेकिन ये टीमें खाली हाथ नहीं लौटेंगी. इन देशों को भी इंटरनेशनल क्रिकेट आउंसिल की ओर से प्राइज मनी के तौर पर करोड़ों रुपए मिलेंगे.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक भी मैच ना जीतने वाली टीमें ओमान, नामीबिया और कनाडा हैं. नामीबिया की टीम इस टूर्नामेंट में ग्रुप ए का हिस्सा थी. उसे भारत, पाकिस्तान, नीदरलैंड्स और यूएसए के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. वहीं, कनाडा की टीम भी जीत का खाता नहीं खोल सकी, उसे साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और यूएई की टीमों में हराया. दूसरी ओर, ओमान का प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा, उसे जिम्बाब्वे, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हाथों हार मिली. इनके अलावा सभी टीमों ने कम से कम 1 मैच में जीत दर्ज की. इन टीमों की जीत का खाता भले ही ना खुला हो, लेकिन आईसीसी की ओर से उन्हें प्राइज मनी मिलना तय है. दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पिछले एडिशन में 9वें से 12वें स्थान के बीच रहने वाली हर एक टीम को 247,500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ 25 लाख रुपए) दिए थे. वहीं, 13वें से 20वें स्थान तक की रैंकिंग वाली हर एक टीम को 225,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़) मिले थे. ऐसे में इन तीनों टीमों के कम से कम 2-2 करोड़ रुपए मिलना तय है. ये एसोसिएट नेशन हैं, जो बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर अनुभव हासिल करती हैं, और आीसीसी की ओर से मिलने वाला यह इनाम उनके क्रिकेट विकास में मदद करता है. इसे वह अगले टूर्नामेंट की तैयारी, खिलाड़ियों के विकास और क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर सकती हैं.

पार्षदों को प्रतिदिन जनता से मिलना चाहिए : पोंगुलेटी

चेयरमैन पोकाबथिनी अनिता ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पार्षदों को प्रतिदिन जनता से मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल चुनाव तक ही सीमित रहती है। एक बार निर्वाचित होने के बाद प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे सरकार की ओर से जनता की सेवा करें। यह समझना आवश्यक है कि नेतृत्व की स्थिति केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी देती है, रविवार को एदुलापुरम नगरपालिका की नव निर्वाचित चेयरमैन पोकाबथिनी अनिता ने पेद्दातांडा स्थित नगरपालिक कार्यालय में औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर मौजूद रहे। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि व्यवस्था की सफलता निर्वाचित प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न नगर निगम चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवारों पर जनता द्वारा जताए गए विश्वास का उल्लेख किया। मंत्री ने कहा कि सभी नेताओं को नियमित रूप से क्षेत्र में सक्रिय रहना चाहिए, केवल कार्यालय में नहीं। प्रत्येक पार्षद को सप्ताह में पांच दिन अपने वार्ड का कम से कम दो घंटे प्रतिदिन दौरा करना चाहिए। सभी कार्यों के लिए वित्तीय संसाधन आवश्यक नहीं, अधिकारी और कर्मचारियों की कार्यक्षमता तभी बढ़ेगी जब नेता अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएंगे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने एदुलापुरम नगर पालिका को तेलंगाना राज्य के लिए मॉडल नगरपालिका बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल की समस्या, नालियों में जाम, और अतिक्रमण रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि पंद्रह दिन बाद वे एक फॉलोअप समीक्षा करेंगे, जिसमें पार्षदों से हर वार्ड की समस्याओं की पूरी जानकारी अपेक्षित होगी।

जीसीईटी में गड़बड़ी, पांचवीं के छात्रों को मिला छठी का प्रश्नपत्र

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गुरुकुल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी जीसीईटी) के दौरान गदवाल जिले के धारूर मंडल के रियालमपाडु केंद्र पर प्रश्नपत्र वितरण में गड़बड़ी सामने आई। पांचवीं कक्षा के अभ्यर्थियों को गलती से छठी कक्षा का प्रश्नपत्र थमा दिया गया, जिससे परीक्षा में देरी हुई। निर्धारित समय सुबह 11 बजे के बजाय परीक्षा दोपहर 1:30 बजे तक शुरू नहीं हो सकी। इससे दूर-दराज से आए छात्रों और अभिभावकों ने विरोध जताया।

टीजीएसडब्लूआरईआईएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रश्नपत्रों की पैकेजिंग के दौरान प्रिंटिंग प्रेस में त्रुटि हो गई थी। सही प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने में समय लगा। इस दौरान केंद्र के अधिकारियों को छात्रों और अभिभावकों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। बाद में सही प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। टीजीएसडब्लूआरईआईएस के अनुसार, प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकृत 1,82,061 छात्रों में से 94.03 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा टीजीएसडब्लूआरईआईएस, टीजीटीडब्लूआरईआईएस, टीआरईआईएस और एमजेपीटीबीसीडब्लूआरईआईएस संस्थानों में कक्षा 5 में प्रवेश तथा कक्षा 6 से 9 तक की रिक्तियों के लिए आयोजित की जाती है।

जुबली हिल्स में फरारी कार की टक्कर से कई घायल

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स क्षेत्र में रविवार सुबह एक फरारी कार के कई वाहनों से टकरा जाने से कई लोग घायल हो गए। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रिपोर्ट के अनुसार चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कार गलत दिशा में चली गई, जिससे सामने आ रहे कई वाहनों को टक्कर लग गई। हादसा सुबह करीब 10:30 बजे अभिनेता बालकृष्ण के आवास के पास जुबली हिल्स रोड पर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार को थाने ले गई। यातायात बहाल करने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटाया गया। चालक ने पुलिस को बताया कि कार के ब्रेक फेल हो गए थे और स्टीयरिंग जाम हो गया था, जिसके कारण दुर्घटना हुई। पुलिस ने मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और वाहन को जांच के लिए सड़क परिवहन प्राधिकरण को भेजा गया है।

मूसी परियोजना के नाम पर रियल एस्टेट एजेंडा चला रही सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर मूसी नदी तट के विकास और पुनरुद्धार की आड़ में रियल एस्टेट एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मधु पार्क रिज अपार्टमेंट और आसपास के निवासियों को जारी बेदखली नोटिस तुरंत वापस लेने की मांग की।

हरीश राव ने पूर्व मंत्री पी. सबिता इंदिरा रेड्डी, विधायक जी. सुधीर रेड्डी और माधवराम कृष्ण राव सहित अन्य नेताओं के साथ प्रस्तावित परियोजना से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बिना उचित प्रक्रिया अपनाए मध्यमवर्गीय परिवारों के घर गिराने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना का उद्देश्य कॉरपोरेट हितों के लिए जमीन खाली कराना है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में न तो विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), न पूर्ण जल स्तर निर्धारण, न पर्यावरण मंजूरी और न ही सामाजिक प्रभाव आकलन सार्वजनिक किया गया है। हरीश राव ने कहा कि बीआरएस मूसी नदी की सफाई के खिलाफ नहीं है, लेकिन विकास के नाम पर सैकड़ों परिवारों को विस्थापित करना गलत है। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस शासनकाल में 3,800 करोड़ रुपये की लागत से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू किए गए थे और बिना विस्थापन के नदी पुनर्जीवन की योजना बनाई गई थी।

उन्होंने सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जहां एक ओर कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन की कमी बताई जा रही है, वहीं दूसरी ओर बड़े आयोजनों और निर्माण कार्यों पर भारी खर्च किया जा रहा है। उन्होंने प्रभावित निवासियों को आश्वासन दिया कि बीआरएस इस मुद्दे को आगामी बजट सत्र में उठाएगी और जरूरत पड़ने पर कानूनी लड़ाई भी लड़ेगी।

सरकारी नौकरी न मिलने से निराश युवक ने दी जान

मंचेरियल, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर कस्बे की कोटाबोगुडा कॉलोनी में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे एक युवक ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि कड़ी मेहनत के बावजूद नौकरी न मिलने से वह काफी परेशान था। पुलिस के अनुसार किरण (24) ने 19 फरवरी को कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उसे तुरंत मंचेरियल के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि किरण लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। वह हैदराबाद में विशेष कोचिंग लेकर ग्रुप-4 की परीक्षा की तैयारी कर रहा था और इस दौरान काफी पैसा भी खर्च किया था। परिवार के मुताबिक किरण ने डिग्री की पढ़ाई पूरी की थी और सरकारी कर्मचारी बनने का सपना देख रहा था। उसने कई प्रतियोगी परीक्षाएं दीं, लेकिन उसे सफलता नहीं मिल सकी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भ्रामक बजट से तेलंगाना को कर्ज के जाल में धकेल रही सरकार : श्रवण

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार पर भ्रामक बजट पेश करने और राज्य को कर्ज के जाल में धकेलने का आरोप लगाया है। उन्होंने मांग की कि सरकार विधानसभा में श्वेत पत्र पेश कर राजस्व लक्ष्यों, उधारी सीमा के उल्लंघन और स्वीकृतियों का पूरा ब्योरा दे। श्रवण ने कहा कि 2,29,720.63 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुकाबले जनवरी 2026 तक केवल 1,38,371.11 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो लक्ष्य का 60.23 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष के दो महीने शेष रहते हुए लगभग 40 प्रतिशत की कमी चिंताजनक है।

उन्होंने बताया कि स्टाम्प और पंजीकरण मद में 19,087.26 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 12,345.81 करोड़ रुपये (64.68 प्रतिशत) की वसूली हुई। उत्पाद शुल्क से 27,623.36 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 19,083.64 करोड़ रुपये (69 प्रतिशत) प्राप्त हुए। केंद्र से मिलने वाली अनुदान सहायता में भी कमी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि 22,782.50 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले केवल 4,213.29 करोड़ रुपये (18.49 प्रतिशत) ही मिले। गैर-कर राजस्व 31,618.77 करोड़ रुपये के अनुमान के मुकाबले 7,864.18 करोड़ रुपये रहा। श्रवण ने कहा कि जनवरी तक शुद्ध कर्ज 69,148.28 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो स्वीकृत वार्षिक सीमा 54,009 करोड़ रुपये का 128 प्रतिशत है। साथ ही राजस्व घाटा भी पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,738 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,566 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने सरकार से छह गारंटियों, मूसी पुनरुद्धार और फ्यूचर सिटी परियोजनाओं की वित्तीय स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

यूट्यूबर श्रीनिवास हत्याकांड में चार आरोपी गिरफ्तार

खम्मम, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुसुमांची पुलिस ने यूट्यूबर बोग्गुला श्रीनिवास की कथित हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। श्रीनिवास का शव 14 फरवरी को जिले के पालैर जलाशय में एक कार के अंदर मिला था।

खम्मम ग्रामीण एसीपी तिरुपति रेड्डी ने बताया कि हत्या के पीछे वित्तीय विवाद मुख्य कारण था। मृतक और हैदराबाद के कुकाटपल्ली निवासी उनके मित्र मेकाला वेणु माधव रेड्डी के बीच जीएसटी से जुड़ा लेन-देन चल रहा था। दोनों ने 'बोग्गुला बीबीक्यू' नामक जीएसटी लाइसेंस का उपयोग कर करीब 90 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि तय रकम में से श्रीनिवास को पूरा भुगतान नहीं किया गया, जिससे विवाद बढ़ गया। बताया गया कि जीएसटी लाइसेंस रद्द होने और विभाग से नोटिस मिलने के बाद श्रीनिवास ने अपने बकाया 30 लाख रुपये और लाइसेंस दोबारा सक्रिय कराने के लिए राशि की मांग की। इसी विवाद के चलते मुख्य आरोपी माधव रेड्डी ने पोकला कोटेश्वर राव, शेख अब्दुल हाफीज और मोहम्मद अजमथली खान के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

श्रीनिवास की हत्या के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। योजना के तहत 13 फरवरी की रात उन्हें भुगतान के बहाने कार में विजयवाड़ा ले जाया गया और 14 फरवरी तड़के नकरेकल और जनगांव के बीच सुनसान स्थान पर चाकू और लोहे की छड़ों से हत्या कर दी गई।

बाद में शव को कार सहित पालैर जलाशय में फेंक दिया गया ताकि मौत को हादसा या स्वाभाविक घटना दिखाया जा सके। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। एसीपी के अनुसार आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। श्रीनिवास मूल रूप से आंध्र प्रदेश के नंदीयाल जिले के अल्लुरु गांव के निवासी थे और हैदराबाद में रह रहे थे।

कांस्टेबल पंकज कुमार शर्मा यात्री के लिए बने भगवान

ट्रेन तथा प्लेटफॉर्म के बीच फंसे यात्री की बचाई जान

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के काचीगुड़ा स्टेशन पर तैनात आरपीएफ कांस्टेबल पंकज कुमार शर्मा एक यात्री के लिए भगवान बन गए। उन्होंने चलती ट्रेन तथा प्लेटफॉर्म के बीच फंसे वरिष्ठ नागरिक की जान बचा ली। इसके पहले भी वे एक यात्री जान बचाने में सफल रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को प्रातः लगभग 7:12 बजे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कांस्टेबल पंकज कुमार शर्मा काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1, प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान उन्होंने एक यात्री को चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते हुए देखा। वह यात्री एक वरिष्ठ नागरिक थे और चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। ट्रेन के स्टेशन से चल पड़ने के बाद संतुलन बिगड़ने के कारण यात्री फिसल गए और ट्रेन तथा प्लेटफॉर्म के बीच फंसने की स्थिति में आ गए। वे पटरी पर गिरने के गंभीर खतरे में थे, जिससे उन्हें गंभीर चोट या जान का नुकसान हो सकता था। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि उत्कृष्ट सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए, पंकज कुमार शर्मा ने तुरंत यात्री को पकड़ लिया और सुरक्षित रूप से ट्रेन में चढ़ने में सहायता की, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई और एक बहुमूल्य मानव जीवन बच गया। यात्री को कोई चोट नहीं आई और वे सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखने के लिए ट्रेन में सवार हो गए। पंकज कुमार शर्मा द्वारा प्रदर्शित सतर्कता और समर्पण अत्यंत सराहनीय है तथा यह 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के अंतर्गत आरपीएफ/हैदराबाद मंडल की यात्रियों की सुरक्षा के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके पहले भी वर्ष 2025 में पंकज कुमार शर्मा एक यात्री की जान बचाने में सफल रहे है।

तेलंगाना में बिजली सेवाओं के लिए व्हाटशप ऐप चैटबोट

शिकायत दर्ज करना, बिलिंग विवरण देखना आसान

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साउदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने अपने उपभोक्ताओं के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सेवाओं को और अधिक सुलभ और कुशल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फ़ारूकी ने बताया कि इस दिशा में व्हाटशाप ऐप चैटबोट सेवा शुरू की गई है, जिससे उपभोक्ता अपने मोबाइल फोन से सीधे बिजली से संबंधित सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

उपभोक्ता नंबर 8712441912 को अपने व्हाटशाप ऐप में सेव करके अंग्रेजी में 'हाय' संदेश भेज सकते हैं और आसानी से शिकायत दर्ज करना, बिलिंग विवरण देखना, बिजली आपूर्ति की स्थिति जानना जैसी सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे इस नंबर को अपने फोन में सेव करें ताकि बिजली सेवाओं का उपयोग सरल, तेज और सुरक्षित तरीके से कर सकें।

इंटर और एसएससी बोर्ड परीक्षाओं की उलटी गिनती शुरू

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में इंटरमीडिएट और कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इंटरमीडिएट की सार्वजनिक परीक्षाएं 25 फरवरी से शुरू होंगी, जबकि एसएससी (कक्षा 10) की परीक्षाएं 14 मार्च से प्रारंभ होंगी। इंटर प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 25 फरवरी को द्वितीय भाषा के प्रथम प्रश्नपत्र से शुरू होंगी। द्वितीय वर्ष के छात्र 26 फरवरी को द्वितीय भाषा के द्वितीय प्रश्नपत्र से परीक्षा सत्र की शुरूआत करेंगे। दोनों वर्षों की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए इंटर प्रथम और द्वितीय वर्ष में कुल 10,47,815 छात्रों ने प्रवेश लिया है। इनमें से लगभग 9.96 लाख छात्रों ने परीक्षा शुल्क जमा किया है। परीक्षाओं के संचालन के लिए 1,495 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इंटर की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त होंगी। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने अपनी वेबसाइट पर हॉल टिकट जारी कर दिए हैं। छात्र अपने संबंधित कॉलेजों या मीसेवा केंद्रों से हॉल टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष भी हॉल टिकट पर क्यूआर कोड दिया गया है, जिसकी मदद से छात्र अपने परीक्षा केंद्र की लोकेशन, दूरी और यातायात संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। बोर्ड ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए मुख्य अधीक्षक, विभागीय अधिकारी, फ़्लाइंग और सिटिंग स्क्वॉड तथा गोपनीय सामग्री की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। इंटर परीक्षाओं के बाद एसएससी की सार्वजनिक परीक्षाएं 14 मार्च से 16 अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 243 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी ने सप्ताहांत में विशेष ड्रंक ड्राइविंग जांच अभियान चलाया, जिसमें 243 आरोपी पकड़े गए। इनमें 189 दोपहिया वाहन, 13 तीनपहिया वाहन, 40 चारपहिया वाहन और एक भारी वाहन शामिल हैं। पुलिस ने दोहराया कि शराब के प्रभाव में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे में वाहन चला कर किसी की जान लेता है, तो उसे भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (हत्या के बराबर दोष, लेकिन हत्या नहीं) के तहत दंडित किया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 साल जेल और जुर्माना हो सकता है। पिछले सप्ताह (16 से 21 फरवरी) में अदालतों ने 236 मामलों का निपटारा किया, जिनमें 9 आरोपियों को जेल और जुर्माना, 6 को सामाजिक सेवा और 221 को केवल जुर्माना लगाया गया।

बीजेपी कार्यकर्ताओं की अवैध गिरफ्तारी बर्दाश्त नहीं : राव

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने रविवार को राज्य कांग्रेस सरकार को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भाजपा और हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं के खिलाफ अवैध गिरफ्तारी और झूठे मुकदमे दर्ज करना पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।

रामचंदर राव ने बासवाड़ा में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और हिन्दू कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और दमन की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वहां लगभग 70 से 80 कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया, जबकि किसी भी एमआईएम कार्यकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा द्वारा शांतिपूर्ण बंद का आह्वान करने पर भी बासवाड़ा में धारा 144 क्यों लागू की गई। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और विशेषकर बासवाड़ा के लोगों को भरोसा दिलाया कि भाजपा उनके साथ खड़ी रहेगी और राज्य सरकार तथा एमआईएम पार्टी की अत्याचारों पर सवाल उठाना जारी रखेगी।

उन्होंने उच्च अधिकारी जैसे आईएएस और आईपीएस से भी अपील की कि वे जनता के लिए काम करें और सरकार के कठपुतली न बनें। रामचंदर राव ने बताया कि वे अपने निवास तारनाका से बासवाड़ा जा रहे थे ताकि पार्टी के विधायक वेंकट रमन रेड्डी के समर्थन में खड़े हो सकें, जिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कामारेड्डी में हमला किया था। इस दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की जनता-विरोधी कार्रवाई किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजेंद्रनगर में युवक की हत्या कर शव जलाया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के राजेंद्रनगर क्षेत्र में अज्ञात लोगों ने कथित रूप से एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को आग के हवाले कर दिया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान टोलीचौकी निवासी आमिर के रूप में हुई है, जो पेशे से व्यापारी बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आशंका है कि आमिर की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को सुनसान इलाके में लाकर जला दिया गया। सुबह स्थानीय लोगों ने एक सुनसान जगह पर जली हुई लाश देखी और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

तेलंगाना को एआईसीसी का एटीएम बना रहे रेवंत रेड्डी : केटीआर

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे तेलंगाना को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का एटीएम बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों का उपयोग दिल्ली स्थित कांग्रेस नेतृत्व के खर्चों के लिए किया जा रहा है। रामाराव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में पार्टी बैठक में कहा था कि तेलंगाना कांग्रेस गांधी परिवार को 1,000 करोड़ रुपये भेजने में सक्षम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से किए गए 420 वादों को पूरा करने में विफल रही है और धन की कमी का बहाना बना रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया, लेकिन कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई। उनका आरोप था कि राज्य का पैसा कांग्रेस की राष्ट्रीय गतिविधियों में खर्च किया जा रहा है। बीआरएस नेता ने भूमि संबंधी अनियमितताओं का भी आरोप लगाते हुए कहा कि मूसी नदी सौंदर्यीकरण के नाम पर गरीबों के घरों को निशाना बनाया जा रहा है तथा आदिवासी और शैक्षणिक संस्थानों की भूमि प्रभावित हो रही है।

रामाराव ने सरकार पर सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए लोगों से राज्य के हितों की रक्षा के लिए सतर्क रहने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.